RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 APRIL 2019

▸▸ अंक-10 (मासिक) ▸▸ वर्ष - 14 ▸▸ अप्रैल 2019 ▸▸ मूल्य 20/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

नव संकल्प का नव संवत्सर 2076

खुशहाली लायेंगे राहू

युवा प्रतिभाओं को सौगात काल्या ट्रस्ट

देवी अहिल्या की नगरी इन्दौर में हुआ हाईटेक परिचय सम्मेलन

RR KĀBEL

MAKE THE RIGHT CHOICE FOR YOUR HOME

DO THE AKALMAND THING!

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • **F** : +91 - 22 - 2491 2586 • **E** : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • **F** : +91 - 265 - 2321 894 • **E** : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-10 अप्रैल 2019 वर्ष-14

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
बसंतकुमार बांगड़, दिल्ली

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

अथश्री विक्रम संवत् २०७६

श्री माहेश्वरी टाईम्स के सभी सुधी पाठकों एवं समाज बन्धुओं को नवसंवत्सर की हार्दिक शुभकामनाएं नववर्ष आप सभी के लिए मंगलमय हो।

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

विचार क्रान्ति

नव संवत्सर अर्थात् हम ऊँचे उठें!

महाभारत में नवीन संवत्सर से जुड़ी एक सुंदर कथा आदिपर्व में है। एक बार पौरवनन्दन राजा वसु अस्त्रों-शस्त्रों का त्याग कर आश्रम में रहने चले गए। उन्होंने बड़ा भारी तप किया और तपोनिधि माने गए। तब देवराज इंद्र राजा के पास पहुंचे और आग्रहपूर्वक उन्हें तपस्या से निवृत्त करा दिया।

देवराज ने कहा 'पृथ्वीपते! तुम्हें ऐसी चेष्टा करनी चाहिए जिससे इस धरती पर वर्णसंकरता न फैले। तुम राजा बनकर प्रजा की रक्षा करो। यही तुम्हारा कर्तव्य है। अतः तुम्हें तपस्या न करके इस वसुधा का संरक्षण करना चाहिए। हे राजन! तुम्हारे द्वारा सुरक्षित धर्म ही संपूर्ण जगत को धारण करेगा।'

इस तरह धरती पर अराजकता न फैले और धर्म का राज स्थापित रहे, इसी उद्देश्य से इंद्र व देवताओं ने राजा वसु को तपस्या से विरत करा दिया। कथा कहती है इंद्र ने उन्हें अपना सखा घोषित किया और धरती पर सर्वोत्तम चेदी देश का भरापूरा राज्य उपहार दे दिया। इंद्र ने राजा को एक वैजयंतीमाला दी जिसके कमल कभी कुम्हलाते नहीं थे। इंद्र ने कहा था, 'वसु! इसे धारण कर लेने पर भीषण संग्राम में भी तुम्हें आघात नहीं लगेंगे। यह इंद्रमाला के नाम से जगत में तुम्हारी पहचान कराने के लिए परम धन एवं अनुपम चिह्न होगी।'

साथ ही इंद्र ने राजा वसु को बांस की एक छड़ी भी दी। जो सज्जनों की रक्षा करने वाली थी। एक वर्ष बीतने पर भूपाल वसु ने इंद्र की पूजा के लिए उस छड़ी को भूमि में गाड़ दिया। महाभारत कहती है तब से लेकर आज तक श्रेष्ठ राजाओं द्वारा छड़ी धरती में गाड़ी जाती है। वसु ने जो प्रथा चलाई वह आज भी चल रही है।

दूसरे दिन अर्थात नवीन संवत्सर के पहले दिन प्रतिपदा को वह छड़ी वहां से निकाल कर बहुत ऊंचे स्थान में रखी जाती है। फिर रेशमी वस्त्र, चंदन, माला और आभूषणों से श्रृंगार कर उसी छड़ी पर देवेश्वर इंद्र का हंस रूप में पूजन किया जाता है। इंद्र ने वसु के प्रेमवश स्वयं हंस का रूप धारण करके वह पूजा ग्रहण की थी। इंद्र ने कहा था 'जो भी मनुष्य मेरे इस उत्सव को रचाएंगे और मेरी पूजा करेंगे, उनके समूचे राष्ट्र को लक्ष्मी एवं विजय की प्राप्ति होगी। उनका सारा जनपद निरंतर उन्नतिशील और प्रसन्न होगा।' सम्भवतः आज नववर्ष प्रतिपदा पर इसी की प्रतीक स्वरूप गुड़ी घर-घर टांगी जाती है।

सार यह है कि स्वधर्म के पालन से ही मुक्ति है। वसु अपने राजधर्म को त्यागकर तप करने लगे थे। देवताओं ने लोक कल्याण के लिए पुनः स्वधर्म में प्रवृत्त करा दिया।

नए संवत्सर पर ध्वज, गुड़ी आदि के माध्यम से इंद्र पूजा जीवन में देवत्व की ओर अग्रसर होने की मानव भावना का ही प्रतीक है। स्वर्ग का अर्थ है ऊँचाई। यह जीवन में ऊँचे विचार, श्रेष्ठ भाव, अच्छे कर्म और सर्वप्रिय व्यवहार से प्राप्त होती है। वसु ने इसे ऐसे ही पाया। कहते हैं तब उन्हें यह सिद्धि हो गई कि वे साधारण मनुष्यों से दस हाथ ऊपर चलने लगे। इसीलिए वे उपरिचर वसु कहलाए। सत्यवती इन्ही की बेटी थी, जिसके पुत्र पराशरनन्दन वेदव्यास हुए।

वसु ने स्वधर्म साधा, धर्म की रक्षा की, प्रजा का संरक्षण किया और देवताओं को पूज उत्सव रचाए। नवसंवत्सर पर हम भी जीवन भर ऐसा ही कुछ करते रहने का संकल्प लें सकें तो अब की बार नया सवंत्सर कुछ ख़ास हो जाए!

- डॉ. विवेक चौरसिया, उज्जैन

सम्पादकीय

संगठन जय !

माहेश्वरी समाज के संगठनों ने पिछले दिनों बहुत कुछ ऐसा किया है कि उनकी 'जय' कही जाना चाहिए। इस अंक में संगठनों के उन कदमों को हमने जानने की कोशिश की है, जो समाज को नई मंज़िल पर ले जाएंगे। कहा भी गया है अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता। जब सूत जुड़ जाएं तो मजबूत रस्सी बन जाती हैं। हमारे समाज के संगठनों ने ऐसा ही कुछ किया है। उनके पुरुषार्थ से समाज का नया चेहरा भी निखर कर सामने आएगा। सबसे पहलें बात काल्या ट्रस्ट की करते हैं। यह ट्रस्ट समाज की युवा तरूणाई का भविष्य संवारने का बीड़ा उठा चुका है। खासकर समाज की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मंच देने के लिए बनाए गए इस संगठन के माध्यम से समाज की उन प्रतिभाओं को भी अवसर मिलेगा जो किसी कारण अपने कौशल को बड़े मंच तक नहीं पहुँचा पाए हैं। ट्रस्ट के झंडाबरदारों ने कुछ नया और समाज की अनूठी सेवा का यह सपना देखा और उसे मूर्तरूप दे दिया। खेल, कला, साहित्य, संस्कृति की प्रतिभाओं को तराशने का काम ट्रस्ट करेगा। उनके लिए केवल मंच ही नहीं, प्रशिक्षण और अन्य मदद भी मुहैया कराई जाएगी।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के नेतृत्व में राजस्थान प्रादेशिक महासभा और जोधपुर जिला महासभा का यह फैसला भी अनुकरणीय है जिसके माध्यम से वे समाज के उन लोगों को निजी आवास के लिए आर्थिक मदद देंगे। पहले चरण में 100 परिवारों को प्रत्येक को 2.5 लाख रुपए देने की घोषणा की गई है। यह निर्णय इसलिए सराहनीय है कि स्वयं का मकान हर व्यक्ति का सपना होता है। संगठन केवल आर्थिक मदद ही नहीं करेगा बल्कि मकान के लिए शेष राशि बैंक लोन से दिलाने में भी सहयोग करेगा। जोधपुर और बैंगलुरु में इस योजना को क्रियान्वित करने की शुरुआत भी हो गई है। महिला संगठन ने भी इन्दौर में निःशुल्क सामूहिक विवाह का आयोजन कर अपनी सेवा भावना का सशक्त पक्ष रखा है। संगठन के माध्यम से 10 जोड़ों का विवाह कराया गया और उन्हें वे सभी उपहार दिए गए जो एक परिवार की जरूरत होते हैं। इसी कड़ी में चांडक रिसर्च फाउंडेशन की भी सराहना होना चाहिए जो महिला साहित्यकारों को पुरस्कृत करेगा।

यह तो हुई संगठनों की बात लेकिन व्यक्तिगत रूप से सर्वभौम समाज की भलाई के लिए निजामाबाद के व्यवसायी पुरुषोत्तम सोमानी को बधाई देना चाहिए जिनके प्रयास से दवाओं की कीमतों पर सख्त लगाम लगेगी। दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण नहीं होने से सबसे ज्यादा गरीब तबका प्रभावित है, जिसे सबसे बड़ी राहत मिलेगी। दावा है कि दवाओं की कीमतें 90 फीसदी तक गिरेगी।

भारतीय संस्कृति के नववर्ष विक्रम संवत् 2076 का शुभारंभ होने जा रहा है। वर्तमान दौर में पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में हम हमारी अपनी संस्कृति के इस पावन पर्व ही नहीं बल्कि शुद्ध वैज्ञानिक पद्धति से हुई कालगणना से प्रारंभ अपने नववर्ष को ही भूल चुके हैं। तो आईये हम सूर्य को अर्ध्य देकर आगामी 6 अप्रैल गुड़ी पड़वा के दिन नवप्रभात का स्वागत करें। इसके साथ ही महिलाओं का सौभाग्य का कामना पर्व गणगौर आने वाला है। नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ नारी शक्ति को भी इस पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं। वारंगल के कम्प्यूटर चाइल्ड 2 वर्षीय अद्रित की प्रतिभा का परिचय भी आपको इस अंक में मिलेगा। इस अंक में इसके अलावा भी बहुत कुछ आपकी रूचि और अपेक्षाओं के अनुरूप सामग्री समाहित है, स्थायी स्तंभों सहित। इस अंक के बारे में अपनी प्रतिक्रिया से अवगत कराना न भूलें। जय महेश!

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

समाजसेवी व व्यवसायी के रूप में ख्यात दिल्ली निवासी श्री बसंतकुमार बांगड़ का जन्म 20 नवंबर 1934 को दिल्ली के प्रख्यात जौहरी परिवार में स्व. श्री पन्नालाल व श्रीमती गोपीदेवी बांगड़ के यहां हुआ था। दिल्ली युनिवर्सिटी से बीकॉम ऑनर्स तथा इलाहाबाद से हिंदी में 'विशारद' की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद भी श्री बांगड़ ने अपने पैतृक व्यवसाय को ही चुना। इसके पश्चात उद्योग जगत, आयात-निर्यात व्यवसाय तथा कृषि फार्मिंग में भी कदम रख दिया। व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद श्री बांगड़ सदैव ही समाजसेवा में अपना योगदान देते रहे हैं। समाज संगठन अंतर्गत श्री बांगड़ वर्ष 1961 में महासभा के दिल्ली अधिवेशन से स्वयंसेवक के रूप में संबद्ध हुए। वर्ष 1963 में माहेश्वरी नवयुवक सभा दिल्ली के मंत्री बने फिर यही सभा माहेश्वरी सभा दिल्ली (रजि.) ट्रस्ट बनी जिसके गत 15-16 वर्षों से अध्यक्ष हैं। वर्ष 1972 में आपको अभा माहेश्वरी युवक संगठन का संस्थापक अध्यक्ष महासभा द्वारा मनोनीत किया गया था। मारवाड़ी महासभा दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष भी रहे हैं। महासभा के संयुक्त मंत्री व कार्यसमिति सदस्य भी रहे। वर्तमान में आप इंटरनेशनल माहेश्वरी फोरम की त्रैमासिक पत्रिका 'माहेश्वरी इंटरनेशनल' के मुख्य संपादक हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में आप फेडरेशन ऑफ स्माल स्केल इंडस्ट्रीज ऑफ इंडिया के अर्थ मंत्री व उपाध्यक्ष तथा देहली ज्वेलर्स एसोसिएशन के संयुक्त मंत्री रहे हैं। अपने पैतृक ग्राम में पैतृक रूप से स्थापित बाबा श्यामजी मंदिर के प्रधान ट्रस्टी हैं। हरियाणा में संचालित वृद्धाश्रम ''आँचल छाया'' से भी उपसभापति के रूप में संबद्ध हैं। ऐसी और भी कई सामाजिक संस्थाएं हैं, जिनमें आपका प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष योगदान है।

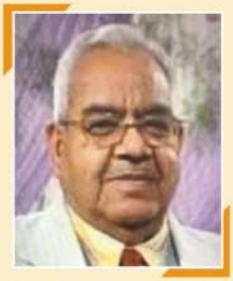

कई यक्ष प्रश्न मांग रहे उत्तर

यह नववर्ष 2019 का नवप्रभात अपने प्रथम माह जनवरी में ही दो महान घटनाओं को एक साथ लेकर आया। इसमें एक थी, भारतीय संस्कृति का सर्वाधिक लंबा चलने वाला अर्द्धकुंभ जो प्रयागराज उत्तरप्रदेश में आयोजित हुआ था। दूसरा था माहेश्वरी समाज का महाकुंभ 'माहेश्वरी महासम्मेलन' जो गत 4 से 7 जनवरी तक अभा माहेश्वरी महासभा द्वारा जोधपुर में स्थानीय संगठन के आतिथ्य में आयोजित किया गया था। इसका आयोजन अभा माहेश्वरी महासभा द्वारा युवा संगठन, महिला संगठन तथा प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सहयोग से किया गया था।

इस आयोजन को लेकर लगभग 6 माह से बैठकें हो रही थीं, प्रयास था इसको ऐतिहासिक बनाने का। परिणाम स्वरूप इसमें 40-50 हजार समाजजन उपस्थित हुए। समाज की विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया। इस आयोजन की यदि सबसे बड़ी उपलब्धि कही जाए तो वह थी 'जूठा न जाए थाली में' का नारा। इसे इस आयोजन में क्रियान्वित करके भी दिखाया गया। आमंत्रित जनप्रतिनिधियों ने भी समाज के योगदानों की मुक्त कंठ से सराहना की। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा समाज की प्रशंसा की गई तथा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडवनीस द्वारा यह कहना कि भारत की जीडीपी का एक बड़ा हिस्सा यहां बैठा है, ने समाज को गौरवान्वित किया। महासम्मेलन में आए लगभग सभी समाजजन खाने-पीने, ठहरने व आवागमन की व्यवस्थाओं के प्रति संतुष्ट नजर आए। इसके अतिरिक्त युवाओं द्वारा आयोजित ग्लोबल प्रदर्शनी का आयोजन सराहनीय था। विदेशी बंधु भी अच्छी संख्या में पधारे थे। इन सबके बावजूद मंचासीन महारथियों का व्यवहार चर्चा का विषय बना रहा। कुछ ही पदाधिकारियों के हाथों में माईक दिया गया। निमंत्रित महानुभावों को भी लगभग अपनी बात कहने का मौका न देना महासभा की गरिमा के अनुरूप नहीं लगा। एक और बात जो लोगों को चुभ रही थी, वह थी आयोजन के संरक्षक का नाम। फिर काकाणी प्रसंग ने भी अधिवेशन की छवि को धूमिल करने की चेष्टा की। सबसे अधिक चूभने वाली बात थी, इस प्रसंग को उठाने वालों को सभापति द्वारा ''षड्यंत्रकारी'' कहना जो अत्यधिक अशोभनीय था।

मैं महासभा से वर्ष 1961 से संबद्ध हूं। अतः यदि महासभा की कहीं आलोचना होती है तो सहन नहीं होती। लेकिन हकीकत यह है कि इस आयोजन में मुझ जैसे कई कर्तव्यनिष्ठ पदाधिकारी नहीं पहुंच सके। आज के इस मीडिया वाले युग में मात्र प्रसिद्धि या मात्र अपनी बात कहने के लिए इतने बड़े जनसमूह को एकत्र करना एक राजनीतिक रैली की तरह लगा। संभवतः यह सब कुछ लोगों ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिए किया। युवा संगठन हो या महिला संगठन उन्हें पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। यह आयोजन कितना सफल रहा यह चिंतन का विषय है लेकिन यह कुछ अन्य यक्ष प्रश्न भी अवश्य छोड़ गया है। इनमें से कुछ प्रश्न हैं, कितना धन संग्रह हुआ और कितना व्यय हुआ? लगभग 12 करोड़ रुपए एकत्र हुए तो फिर आगंतुकों से ठहरने, खाने आदि की अतिरिक्त वसूली क्यों? क्या हम इसके व्यय की एक चौथाई राशि से भी जरूरतमंदों की मदद नहीं कर सकते थे? क्या किसी ने मंच से किसी की भी सहायता करने की घोषणा की? इसके प्रस्ताव अभी भी सिर्फ प्रस्ताव ही हैं, इनमें से कितने मूर्तरूप लेंगे और कैसे लेंगे? यह कहना मुश्किल है।

अंत में मैं अभा माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष राजकुमार काल्या को युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए काल्या ट्रस्ट के गठन पर बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि यह ट्रस्ट अपने उद्देश्यों पर खरा उतरेगा। इसके साथ ही समाज के सभी समर्थजनों से अपील करता हूं कि इस ट्रस्ट से अधिक से अधिक संख्या में तन-मन-धन से संबद्ध हों और समाज की भावी पीढ़ी के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। याद रखें यह योगदान समाज के गौरव की भी वृद्धि करेगा।

बसंतकुमार बांगड़
अतिथि संपादक

ब्रह्माणी मुन्दल माताजी, माहेश्वरी जाति की मूंदड़ा खांप की कुलदेवी हैं। अपने विशिष्ट चमत्कारों के कारण क्षेत्र में प्रसिद्ध तो हैं ही साथ ही जाट समाज भी कुलदेवी के रूप में पूजता है।

टीम SMT

श्री ब्रह्माणी मुन्दल माताजी

ब्रह्माणी मुन्दल माताजी, माहेश्वरी जाति की मूंदड़ा खांप की कुलदेवी हैं। अपने विशिष्ट चमत्कारों के कारण क्षेत्र में प्रसिद्ध तो हैं ही साथ ही जाट समाज भी कुलदेवी के रूप में पूजता है।

माताजी का प्राचीन मंदिर राजस्थान के नागौर जिले के ग्राम मुंदियाड़ में स्थित है। लाल वस्त्र धारण करने वाली स्वर्ण सिंहासन पर विराजित माताजी का यह मोहनी रूप है। यहाँ नारीयल, मेवा, लापसी, चाँवल तथा चूरमें का भोग लगता है। ऐसी मान्यता है कि भक्तिभाव पूर्वक पूजा करने से माताजी इच्छित फल प्रदान करती है। पूजन नियमित रूप से सुबह-शाम होती है। इस स्थल पर एक प्राचीन तालाब है, वहाँ लगे शिलालेख के अनुसार यह 6500 वर्ष पुराना है।

विशेष आयोजन-

भादवा सुदी अष्टमी- कीर्तन व जागरण

भादवा सुदी नवमी- महाप्रसादी व गजानन्दजी का भव्य मेला

कैसे पहुँचें-

श्री ब्रह्माणी मुन्दल माताजी मंदिर नागौर से 25 कि.मी. दूर मुंदियाड ग्राम में स्थित है। जोधपुर-नागौर मार्ग पर नागौर से 8 कि.मी. पूर्व चिमरानी गाँव से पारासरा व बलायागाँव होते हुए सड़क मार्ग है। इसी मार्ग पर नागौर से 25 कि.मी. पूर्व भाखरोद गाँव से भी सिलगाँव होते हुए मार्ग है। नागौर से समय-समय पर बस उपलब्ध। किराये की जीप भी यहाँ से उपलब्ध हो जाती हैं।

कहाँ ठहरें

समीप गणेश मंदिर है। इस मंदिर में यात्रियों के ठहरने के लिये 6 कमरों की निःशुल्क व्यवस्था है।

Harish Chandak

समस्त समाज बन्धुओं को
नव संवत् की हार्दिक मंगलकामनाएं

Ganesh Chandak
Mo. : 9246565312

Shri Ram Enterprises

(House of Electrical Goods)

Crompton Greaves EVERYDAY SOLUTIONS | ALMONARD | HAVELL'S | khaitan | USHA | ANCHOR by Panasonic | Goldmedal SWITCHES & SYSTEMS | V-GUARD The name you can trust

@ 5-26, Near Bus Depot, Dilsukh Nagar, Hyderabad-60
Phone : 040-24051718, 24045312, 65291718
E-mail : shriramdsnr@gmail.com

Somani SOMANI ISPAT PRIVATE LIMITED

the inner strength for your construction

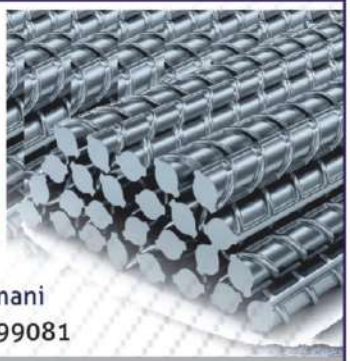

Sanjay Kumar Somani
+91 - 92465 34957

Sudhir Kumar Somani
+91 - 98490 24065

Aakash Somani
+91 - 99080 99081

11-6-27/1, 2 & 3, Opp. IDPL Factory, Balanagar, Hyderabad - 37 (T.S.) INDIA
+91 - 40 - 2377 1877 / 8375 / 2411, contact@somanisteel.com, www.somanisteel.com

HR Coil / TMT De-Coiling Unit & Godown at
Survey No. 76/2, Gundlapochampally
Near Kompally, Hyderabad, Cell : 77022 66065

VIZAG
Gajadhar Gaggar - 90003-04058
Dinesh Gaggar - 90003-04044
Plot No. 28, D Block Extn., Behind Sail Yard
Autonagar, Visakhapatnam, Ph : 0891-2754044

GROUP COMPANY

MAHESWARI FASTENERS & BRIGHT PVT. LTD.
Manufactures of : MS & HDG Fasteners (BIS & AP TRANSCO APPROVED)
Plot No. 152 & 154, Medchal Industrial Estate, Hyderabad, Ph : +91 - 40 - 2980 3123

Mahendra Rathi
92468-87753

vishalprinter.com

Authorised Dealer of : SAIL, VSP, JSW, JSPL, ESSAR & UTTAM VALUE

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

युवक-युवतियों ने की जीवन साथी की तलाश

इन्दौर में हुआ दो दिवसीय हाईटेक (उच्च शिक्षित) परिचय सम्मेलन ■ परिणय पत्रिका का हुआ विमोचन

इन्दौर। परिचय सम्मेलन आज सभी समाजों की आवश्यकता बन गया है। परिचय सम्मेलन ही एक ऐसा माध्यम है, जहां हम एक परिसर में अपने उच्च शिक्षित युवक-युवतियों के लिए बेहतर जीवन साथी का चयन कर सकते है। उक्त विचार श्री महेश सामाजिक पारमार्थिक संस्था द्वारा आयोजित दो दिवसीय परिचय सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर गुमाश्ता नगर स्थित दस्तूर गार्डन पर सभी समाज बंधु और अभिभावकों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि लखनलाल जाजू, महेश मंत्री एवं राम अवतार जाजू ने व्यक्त किए। उन्होंने आगे कहा कि युवक-युवती अपने लिए ऐसे जीवन साथी का चयन करें जो अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके। बदलती इच्छाओं के जीवन साथी का चयन नहीं करें।

श्री महेश सामाजिक एवं पारमार्थिक संस्था संस्थापक अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र राठी, अध्यक्ष गोपालकृष्ण एस मानधन्या व ने बताया कि दो दिवसीय परिचय सम्मेलन का शुभारंभ अतिथियों ने भगवान महेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया। वहीं कार्यक्रम में सभी राज्यों से आए अभिभावक एवं समाज बंधुओं ने सुबह से शाम तक अपने विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए प्रत्याशियों की खोज भी की। गोपालदास राठी (अतवास), पवन लड्ढा एवं महेश तोतला ने बताया कि परिचय सम्मेलन के पूर्व अतिथियों का स्वागत स्वागताध्यक्ष बसंत खटोड़ एवं पदाधिकारियों द्वारा किया गया। स्वागत के पश्चात् परिचय सम्मेलन में आए मुख्य अतिथियों के साथ-साथ समाज के पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वहीं परिचय सम्मेलन के दौरान मुख्य अतिथियों द्वारा बहुरंगी स्मारिका 'परिचय से परिणय' का विमोचन भी किया गया। संचालन मुरलीधर मानधन्या ने किया एवं आभार मीडिया प्रभारी अजय सारड़ा ने माना।

यह भी हुआ

गुमाश्ता नगर स्थित दस्तूर गार्डन पर आयोजित दो दिवसीय परिचय सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर समाजसेवा के कार्यों में उत्कृष्ट सेवाऐं देने पर वरिष्ठ समाजसेवियों का सम्मान भी अतिथियों द्वारा किया गया। परिचय सम्मेलन में देश-विदेश के उच्च शिक्षित युवक-युवतियों की 250 से अधिक प्रविष्टियां परिचय सम्मेलन में प्राप्त हुई थी। वहीं परिचय सम्मेलन के दौरान सभा के पदाधिकारियों द्वारा सभी समाज बंधुओं के साथ-साथ अभिभावक को भी स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। दो दिवसीय परिचय सम्मेलन के पहले दिन परिचय सम्मेलन स्थल पर सभी अभिभावकों अपने युवक-युवतियों के लिए प्रत्याशियों की तलाश करते हुए दिखाई दिए। वहीं सुबह से आयोजित इस परिचय सम्मेलन में शाम तक 50 से रिश्ते पर चर्चा की सूचना प्राप्त हुई। स्वर्गीय रामवल्लभ गुप्ता (जाखेटिया) को श्रद्धाजंलि भी दी गई।

200 से अधिक ने दिया परिचय

परिचय सम्मेलन के दूसरे दिन रविवार को 200 से अधिक युवक-युवतियों ने मंच से परिचय देकर अपने जीवन साथी के प्रति अपनी जिज्ञासाऐं भी बताई। परिचय सम्मेलन की कमान दूसरे दिन महिलाओं के हाथों में सौंपी गई थी। जिन्होंने सभी समाज बंधुओं को 'थाली में झूठन नहीं छोडे' के साथ सामाजिक सरोकार के संदेश भी दिए। परिचय सम्मेलन के समापन अवसर पर सभी राज्यों से आए अभिभावक एवं समाज बंधुओं ने सुबह से शाम तक अपने विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए प्रत्याशियों की खोज की। परिचय सम्मेलन में आए सभी अभिभावक, युवक-युवतियों एवं मुख्य अतिथियों को बाल विवाह एवं कन्या भ्रूण हत्या रोकने का संकल्प भी दिलवाया गया। इस परिचय सम्मेलन में 80 से अधिक रिश्ते तय होने की सूचना प्राप्त हुई।

आधुनिक तकनीकों का उपयोग

सम्मेलन में अभिभावकों एवं युवक-युवतियों के लिए अलग-अलग चर्चा कक्ष भी बनाए गए थे। अभिभावकों की सुविधा के लिए कुंडली मिलान, कम्प्यूटर कुंडली सहित विद्वान पंड़ितों से कुंडली मिलान की व्यवस्था भी परिचय सम्मेलन स्थल पर की गई थी। परिचय सम्मेलन परिसर में एलईडी स्क्रीन भी लगाई गई थी जिससे सभी समाज बंधु युवक-युवतियों को देख व पसंद कर सकें। परिचय सम्मेलन में उच्च शिक्षित युवक-युवतियों की प्रविष्टियां मौजूद थी। परिचय सम्मेलन के लिए राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तरप्रदेश, बिहार, हरियाणा, दिल्ली के साथ-साथ दुबई, अमेरिका, यूएस के युवक-युवतियों की प्रविष्टियां भी प्राप्त हुई थी। परिचय सम्मेलन के समापन अवसर पर डॉ. वासुदेव काबरा, युगलकिशोर राठी, गोपाल राठी अतवास, एन.डी माहेश्वरी, बंशीलाल भूतड़ा, रामस्वरूप धूत, महेश तोतला, राजेंद्र इनानी, पुष्प माहेश्वरी एवं पुष्कर बाहेती सहित हजारों की संख्या में समाज बंधु मौजूद थे।

अक्टूबर में होगा तीन दिवसीय परिचय सम्मेलन

श्री महेश सामाजिक एवं पारमार्थिक संस्था के संस्थापक अध्यक्ष रवीन्द्र राठी ने बताया कि दो दिवसीय इस उच्च शिक्षित माहेश्वरी समाज के सफल परिचय सम्मेलन के आयोजन को देखते हुए सभी पदाधिकारियों ने अब तीन दिवसीय परिचय सम्मेलन का आयोजन करने का निर्णय लिया है। यह परिचय सम्मेलन 11 से 13 अक्टूबर तक गुमाश्ता नगर स्थित दस्तूर गार्डन में आयोजित किया जाएगा। जिसके संयोजक रामस्वरूप धूत एवं प्रकाश अजमेरा होंगे। वहीं स्वागताध्यक्ष गोपालदास राठी (अतवास) एवं कार्यक्रम के अतिथि जगदीश सोमानी (बेडग़ांव) होंगे।

समाज से दो दिग्गजों को भाजपा ने दिया टिकट

बहेड़िया को भीलवाड़ा और कोटा से फिर बिड़ला को मिला मौका

भीलवाड़ा. लोकसभा चुनावों की तैयारी के साथ ही प्रमुख राजनीतिक पार्टियों द्वारा प्रत्याशी चयन की सरगर्मी भी तेज हो गई है। इसी क्रम में भाजपा ने सबसे पहले अपनी सूची जारी की है। इसमें राजस्थान से समाज के दो जनप्रतिनिधियों को अवसर दिया गया है।

सुभाष बहेड़िया

ओम बिड़ला

इस लोकसभा चुनाव में वैसे तो सभी राजनीतिक पार्टियां अत्यंत संभलकर प्रत्याशी चयन कर रही हैं। वे किसी भी कमजोर प्रत्याशी पर दांव लगाने को तैयार नहीं हैं। इसी विचारधारा का लाभ राजस्थान में समाज को मिला। भाजपा ने इस चुनौतीपूर्ण चुनाव में भीलवाड़ा तथा कोटा दोनों स्थानों पर माहेश्वरी प्रत्याशियों पर विश्वास जताया है। इसके अंतर्गत कोटा में फिर से वहीं के सांसद ओम बिड़ला को पुनः अवसर प्रदान किया है। वहीं माहेश्वरी समाज के वर्चस्व वाले क्षेत्र भीलवाड़ा से जनप्रिय नेता सुभाष बहेड़िया को अवसर दिया है। इन दोनों के चयन के पीछे सोच बस यही है कि पार्टी यहां पर कोई रिस्क नहीं लेना चाहती।

डॉक्टर माहेश्वरी राष्ट्रपति कोविंद के साथ क्रोएशिया रवाना

चंडीगढ़। आगर मालवा से शिक्षा प्राप्त कर भारत के विभिन्न शहरों में मेडिकल की पढ़ाई करके सर्जिकल गैस्ट्रो सर्जन की उपाधि प्राप्त कर डॉ. गौरव माहेश्वरी चंडीगढ़ में लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन के रूप में सेवा दे रहे हैं। डॉ. माहेश्वरी 25 से 27 मार्च तक होने वाले बिजनेस डेलिगेशन में महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के साथ शिष्टमंडल में क्रोएशिया के लिए रवाना हो गए। यह 35 सदस्य प्रतिनिधि मंडल है। इसका उद्देश्य क्रोएशिया में हेल्थ केअर सेक्टर के साथ विभिन्न बिजनेस की संभावनाओं को बढ़ाना है। इस दौरान दोनों देशों के बीच एम.ओ.यू. भी साइन होंगे।

होली स्नेह मिलन सम्पन्न

बैंगलोर। माहेश्वरी सभा के होली स्नेह मिलन का आयोजन गत 24 मार्च को पैलेस ग्राउंड स्थित 'प्रिंसेस ग्रीन'' में किया गया। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बसंत कुमार सारड़ा माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा सुशील बागड़ी, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष अनिल सारड़ा माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमेन मोहन माहेश्वरी, माहेश्वरी फॉउंडेशन के उपाध्यक्ष प्रहलाद आगीवाल, माहेश्वरी सौहार्द के चेयरमेन नंदकिशोर मालू तथा समाज के सम्माननीय सदस्य बजरंगलाल जाजू एवं श्याम मनोहर काबरा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। महेश वंदना समाज की महिलाओं द्वारा प्रस्तुत की गई। बच्चों सदस्यों एवं महिलाओं द्वारा नृत्य, कविता पाठ, राष्ट्रभक्ति गीत को नृत्य के साथ काफी मनमोहक रूप से प्रस्तुत किया गया। समाज के गायक निरंजन सारड़ा एवं उनकी टीम द्वारा होली के गीतों पर नृत्य कर गीतों को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रमों का संचालन सहसचिव अजय राठी, सरोज डागा एवं सुनीता लाहोटी द्वारा किया गया।

> कपड़े से छाना हुआ पानी
> स्वास्थ्य को ठीक रखता है।
> और... विवेक से छानी हुई वाणी
> संबंध को ठीक रखती है?

जैथलिया दम्पत्ति अध्यक्ष व लड्ढा सचिव

उज्जैन। स्थानीय माहेश्वरी समाज के विगत 28 वर्षों से सतत सेवारत पारिवारिक संगठन श्री माहेश्वरी सोश्यल क्लब की वर्ष 2015-20 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन विगत दिनों बड़नगर रोड स्थित माहेश्वरी कृषि फार्म उज्जैन पर एक पारिवारिक आयोजन के अवसर पर क्लब के वरिष्ठ सदस्य दिनेश-निर्मला भूतड़ा की अध्यक्षता में किया गया। इसमें सर्वसम्मति से प्रमोद-वंदना जैथलिया को अध्यक्ष एवं अमूल-श्वेता लड्ढा को सचिव एवं श्यामा-राजेश जाजू को कोषाध्यक्ष मनोनित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष नरेन्द्र -शीला राठी के कुशल नेतृत्व की सराहना करते हुए उनका सम्मान किया गया। आभार क्लब सचिव ओम-सुमन पलौड़ ने माना।

होली खेलने पहुंचे सांवरिया सेठ

धार. जय श्री महेश सांवरिया सेठ फाग यात्रा का शुभारंभ त्रिमुर्ति नगर धार से हुआ। राजस्थान के मंडफिया नगर के सांवरिया सेठ दरबार में फाग उत्सव में होली खेलने हेतु रवाना हुए इस मंडल के अध्यक्ष महेश माहेश्वरी ने बताया कि हमने धार से मंदसौर पशुपतिनाथ के दर्शन कर सांवरिया सेठ की ओर प्रस्थान किया। यहां खट्टाली से चारभुजा भजन भक्ति मंडल द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार सेठ के दरबार में होली सूखे फूल व गुलाल से खेली गई। साथ ही स्वयं भगवान सांवरिया सेठ होली खेलने हेतु नगर भ्रमण पर निकले और सभी भक्तों के साथ होली खेली। मंडल द्वारा भजन संध्या का आयोजन मंदिर परिसर में किया गया। उसके बाद सभी की भोजन प्रसादी का आयोजन हुआ। इस शुभ यात्रा में महेश माहेश्वरी, नारायण जोशी, सुनीता माहेश्वरी, मालती जोशी, सुनील परवाल, राधा मोहन माहेश्वरी, प्रतीक, रक्षा माहेश्वरी, शुभ, परी माहेश्वरी, ज्योति परवाल आदि कई साथी मौजूद थे।

महासभा की कार्यसमिति बैठक का हुआ आयोजन

बैठक में हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय, संगठन के चुनावों की भी तैयारी

नागपुर. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा कार्यसमिति बैठक नागपुर में 16-17 मार्च को आयोजित हुई। उद्घाटन सत्र में इस नवम बैठक में जोधपुर महाअधिवेशन के आरंभ से अंत तक सभी के सहयोग का आभार व्यक्त किया गया। बैठक में विभिन्न संस्थाओं व ट्रस्टों की समीक्षा के साथ ही चुनावी रूपरेखा भी तय की गई।

ट्रस्ट व संस्थाओं के कार्यों की भी समीक्षा

श्री सोनी ने बताया कि बांगड मेडिकल ने इस वर्ष चिकित्सा के लिए गत वर्ष से डेढ़गुना सहयोग किया। भगवती महेश बल्दवा ट्रस्ट के प्राइमरी वा माध्यमिक शिक्षा सहयोग के नए आवेदन फॉर्म जारी किए गए। देहली होस्टल के लिए बिल्डिंग क्रय की गई है। इसमें जल्द ही छात्रावास शुरू होगा। श्री कृष्णदास जाजू ट्रस्ट द्वारा विधवा व असहाय बहनों को एक अप्रैल से मासिक सहयोग की राशि बढ़ाकर 2000 रुपए की जा रही है। एबीएमएम रिलीफ फंड से समाज के कम आय वाले परिवारों को पत्रिका निःशुल्क भेजी जा रही है। इस फंड से हाल ही में शहीद हुए जवानों के लिए पांच लाख रुपए की राशि प्रदान करने की घोषणा की गई।

सदस्यों की उपस्थिति बढ़ाने का प्रयास

जोधपुर महाअधिवेशन के संपूर्ण आयोजन विशेषकर सारगर्भित उद्बोधन सेमिनार व सामूहिक चर्चाओं की तीन टेराबाइट सामग्री की हार्ड डिस्क जारी करने का निर्णय लिया जो सभी समाजजन व संगठनों के लिए सब्सिडाइज दर पर 2500 रुपए में उपलब्ध करवाई जाएगी। इसका वास्तविक मूल्य 4500 रुपए है। सभापति ने मीटिंगों में हो रही कम उपस्थिति पर कहा कि बीमारी या अन्य व्यस्तता के कारण मीटिंग में अनुपस्थित हो तो नए को स्थान दें। नव शृंगारित चुन्नीलाल सोमानी सभागृह में प्रथम बैठक हुई। आकर्षक साज-सज्जा व सुविधाओं से युक्त कार्यालय की सभी ने सराहना की। गौरव ग्रंथ के अग्रिम बुकिंग में सहयोग का सभी से अनुरोध किया गया। इसकी अग्रिम बुकिंग मात्र 300 रुपए रुपए में रखी गई है।

आर्थिक-सामाजिक सर्वेक्षण ही अब मतदाता सूची

संयोजक द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार अभी तक सर्वेक्षण का लगभग 40 प्रतिशत कार्य पूर्ण हुआ है। पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। प्राप्त जानकारी अनुसार 84149 परिवार (लगभग तीन लाख व्यक्ति) के सर्वे में 75085 के प्रत्यक्ष तथा 2270 के ऑनलाइन फॉर्म भरवाए गए। 35 एनआरआई की भी इंट्री की गई। लगभग 5200 परिवारों की इंट्री करना शेष है। अंचलों की अभी तक प्राप्त पारिवारिक जानकारी निम्न है। उत्तरांचल 7487, पश्चिमंचल 19050, मध्यांचल 26152, पूर्वांचल 6772, दक्षिणांचल 22483। अबकि बार सामाजिक व आर्थिक सर्वेक्षण सूची में दर्ज नाम ही मतदाता सूची होगी। सर्वेक्षण हेतु महासभा ने अब सीधे फॉर्म लेना बंद कर दिए हैं केवल महासभा की समिति द्वारा निर्धारित अधिकृत एक्सल शीट द्वारा प्रदेश, जिला सभा के माध्यम से ई मेल द्वारा ही नाम दर्ज करवा सकते हैं, जिसकी अंतिम तिथि 15 मई तय की गई है। इस हेतु बने मोबाइल एप द्वारा जानकारी देने की अंतिम तिथि 31 मई 2019 निर्धारित की गई है।

मकान बनाने के लिए मिलेगी आर्थिक सहायता

महासभा, पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक सभा व जोधपुर जलि माहेश्वरी समाज ने निर्णय लिया है कि किराये के मकान में रहने वाले 100 परिवारों का स्वयं का आवास हो इसके लिए उन्हें ढाई लाख रुपए प्रति परिवार का सहयोग अर्थात ढाई करोड़ रुपए का सहयोग दिया जाएगा। इतनी ही राशि स्थानीय प्रादेशिक सभा भी देने पर विचार करेगी व मकान की लागत की शेष राशि बैंक लोन से दिलवाई जाएगी। अधिवेशन से बची शेष राशि के उपयोग का निर्णय पांच सदस्यीय समिति द्वारा स्थानीय, जिला, प्रादेशिक संगठन को विकास कार्य के लिए सहयोग हेतु किया जाएगा। एबीएमएम रिलीफ फंड को अनुदान व जाजू ट्रस्ट को विधवा महिला सहयोग हेतु बीस लाख रुपए प्रदान किए गए। महासभा की सबका घर योजना के प्रभारी अशोक बंग होंगे। जिन्होंने इसकी विस्तृत जानकारी रखी व सभी प्रदेशों का इसका लाभ लेने के लिए आगे आने का आह्वान किया। जोधपुर व बैंगलुरु में इस योजना का आरंभ करने जा रहे हैं। सुशील मंत्री परिवार मंत्री डेवलपर्स बैंगलोर द्वारा प्रदेश में किराए के मकानों में रहने वाले 153 परिवारों का उनका स्वयं का घर हो उसके लिए छह करोड़ रुपए तक का सहयोग देने की स्वीकृति व शेष छह करोड़ संग्रह में सहयोग का आश्वाशन दिया गया।

आगामी चुनावों की भी तैयारी

महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रकाशचंद बाहेती द्वारा 29वें सत्र का चुनावी कार्यक्रम व 13 सदस्यीय समिति के नामों की घोषणा की गई। समिति में पूर्वांचल से चांदरतन चांडक कोलकाता व अशोक मालपनी जोरहट उत्तरांचल से अनिल मानधनी गोरखपुर व विनीता बियानी नई दिल्ली मध्यांचल से विजय चांडक नागपुर व मुरली सोमानी सूरत पश्चिमांचल से रधेश्याम सोमानी भीलवाड़ा सीताराम राठी जोधपुर तथा दक्षिणांचल से जय तोषनीवाल मुंबई व भगवती बल्दुआ हैदराबाद शामिल हैं। मुख्यत निर्वाचन अधिकारी द्वारा नामांकित सदस्य संपतकुमार मानधनिया, कोलकाता व महेश तोतल इंदौर शामिल हैं।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 20/6/19 तक महासभा द्वारा मतदाता सूची की प्रकाशन, 30/6/19 को मतदाता सूची में अगर कोई त्रुटि हो तो सुधार। 20/7/19 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन, 1/8/19 से 31/8/19 तक स्थानीय सभाओं के चुनाव, 1/9/19 से 30/9/19 तक तहसील सभाओं के चुनाव, 1/10/19 से 31/10/19 तक जिला सभाओं के चुनाव, 1/11/19 से 30/11/19 के बीच प्रदेश सभाओं के चुनाव होंगे। महासभा के चुनाव की तिथि आगामी बैठक में तय होगी।

होली धमाल कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रायपुर. होली के पावन पर्व पर माहेश्वरी महिला समिति गोपाल मंदिर द्वारा होली धमाल कार्यक्रम का आयोजन माहेश्वरी भवन, ढूंढा में किया गया। पर्यावरण एवं प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए फूलों की होली का आयोजन किया गया। महामूर्खानी कल्पना नत्थानी बनी। रंग-बिरंगी चूड़ियों से मजेदार गेम खिलाया गया। तंबोला गेम का आयोजन भी किया गया। सभी सदस्यों को तंबोला की टिकट एक टोपी में लगाकर दिया गया। डफ मार होली के गीतों की प्रस्तुति भाविका नत्थानी, अदिति सारडा, शिखा भट्टर, स्नेहा लखोटिया ने दी। कृष्ण एवं राधा के रूप में शशि बंग, कविता दम्मानी ने पूरा माहौल वृंदावन जैसा कर दिया। हर कोई उनके साथ फूलों की होली खेलने को उत्सुक था। फाग के गीत एवं भजनों पर पूरा समां बांध दिया। श्रीमती शशि काबरा ने भांग वाले भैया बनकर सभी को बहुत हंसाया। सभी सदस्यों का स्वागत ठंडाई के साथ किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका उषा बागड़ी, मधु राठी एवं विनीता महेश्वरी थीं। इस कार्यक्रम में मध्यांचल उपाध्यक्ष ज्योति राठी, प्रतिभा नत्थानी, शशि बागड़ी, मधुरिका नत्थानी अध्यक्षा, संगीता चांडक, सचिव प्रगति कोठारी, नंदा भट्टर, नीता लखोटिया, शशि सारडा, रेखा करवा आदि कई सदस्याएं मौजूद थीं।

फाल्गुन महोत्सव का हुआ आयोजन

जयपुर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत 26 फरवरी को श्री आनंदकृष्ण बिहारी जी के मंदिर प्रांगण में फाल्गुन महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें होली के गीतों के साथ महिलाओं ने खूब नृत्य किए। गुलाल से होली खेली गई तथा कुछ महिलाएं राधा-कृष्ण बनकर आईं और कुछ ग्वालिनें। ठंडाई एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। मंत्री अनुराधा कचौलिया ने बताया कि कार्यक्रम का संयोजन जयपुर शहर के चारों क्षेत्रीय संगठनों द्वारा किया गया।

डिस्पोजबल पर प्रतिबंध की अपील

भोपाल. वर्तमान में संपूर्ण भारत वर्ष में स्वच्छता अभियान निरंतर प्रगति की ओर है। ऐसे में माहेश्वरी समाज द्वारा प्रत्येक सामाजिक, पारिवारिक, शादी समारोह आदि सभी कार्यक्रमों में प्लास्टिक सामग्री (डिस्पोजबल सामग्री) पर प्रतिबंध लगाया जाए तो निश्चित ही यह स्वच्छता अभियान की ओर एक बढ़ता हुआ अग्रणीय कदम होगा एवं माहेश्वरी समाज का यह एक प्रयास संपूर्ण देश में अपनी अलग पहचान व नई दिशा प्रदान करेगा। श्री माहेश्वरी समाज भोपाल 'वृहद' के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण बांगड़ ने उक्त अपील करते हुए सुझाव दिया कि समाज के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में पीने के पानी हेतु जो डिस्पोजबल ग्लास/प्लास्टिक बोतलों का उपयोग किया जाता है, उसके स्थान पर तांबे के बर्तनों (लोटा अथवा ग्लास) का उपयोग किया जाए।

खिचड़ी व फल का वितरण

जयपुर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माहेश्वरी सेवा सदन (चांदपोल बाजार, जयपुर), के बाहर करीब 500 राहगीरों को खिचड़ी व फल का वितरण किया गया। संगठन की जिलाध्यक्ष उमा परवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम मानव कल्याण सेवा समिति के सहयोग से आयोजित किया गया। जिला मंत्री अनुराधा कचौलिया ने बताया कि इस अवसर पर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के पदाधिकारी, चारों क्षेत्रीय महिला संगठनों के पदाधिकारी, प्रदेशाध्यक्ष एवं अनेक कर्मठ कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर सहयोग दिया।

> अवसर और सूर्योदय
> दोनों में एक ही समानता है,
> देर करने वाले इन्हें
> हमेशा खो देते हैं।

अभिनंदन समारोह का किया आयोजन

ब्यावर. श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर द्वारा माहेश्वरी भवन श्रद्धानंद बाजार पर स्वागत व अभिनंदन कार्यक्रम रखा गया। मंत्री दिलीपकुमार जाजू ने बताया कि इसमें भारत विकास परिषद शाखा ब्यावर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेंद्र काबरा का स्वागत तथा अभिनंदन किया गया। माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर के अध्यक्ष सत्यनारायण हेड़ा, उपाध्यक्ष विष्णुगोपाल हेड़ा, मंत्री दिलीपकुमार जाजू, कोषाध्यक्ष सुरेशचंद लोहिया एवं जयनारायण हेड़ा, पुरुषोत्तम भूतड़ा आदि ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेंद्र काबरा का माला व दुपट्टा पहनाकर स्वागत व अभिनंदन किया।

> "बदल जाओ वक्त के साथ या
> फिर वक्त बदलना सीखो
> मजबूरियों को मत कोसो,
> हर हाल में चलना सीखो

शहीदों के परिवारों को आर्थिक सहायता

इंदौर. माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप का शपथ विधि समारोह माई मंगेशकर सभागृह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माधव मारू (विधायक मनासा जिला नीमच) व विशेष अतिथि राजेंद्र राजकुमार ईनानी (अध्यक्ष मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा) थे। समारोह की अध्यक्षता कल्याणमल शांता मंत्री (अध्यक्ष इंदौर जिला माहेश्वरी समाज) ने की। शैली अजमेरा की टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि श्री मारु ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष महेश पुष्पा काबरा, उपाध्यक्ष संपतकुमार राधा साबू एवं कृष्णदास कमल बाहेती, सचिव लीलाधर कांता बाहेती, सहसचिव सूर्यप्रकाश संतोष झंवर, कोषाध्यक्ष गोपाल मंजुला अजमेरा, प्रचार मंत्री कैलाश गीता सोमानी, संगठन मंत्री चेतन सुमित्रा सोमानी आदि को पद की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर सुरेश राठी व रमेश राठी ने पुलवामा में शहीद सैनिकों के परिवार के लिए 1 लाख रुपए माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप के सदस्यों द्वारा प्रधानमंत्री सैन्य राहत कोष में देने की घोषणा की गई। इस कार्यक्रम का संचालन प्राची राठी एवं प्रमिला भूतड़ा ने किया। सुरेश सावित्री सिंगी, बलराम कुसुम मंत्री, संपतकुमार राधा साबू, गोविंद उषा राठी, जगदीश भूतड़ा, सुभाष हेमलता भट्टड़, अरुण कुसुम माहेश्वरी, महेश कृष्णा तोषनीवाल, बसंत शोभा भट्टड़ आदि

प्रेमकिशोर सिकची चॅरीटेबल ट्रस्ट, अहमदाबाद निर्मित

आलिशान 'सिकची रिसोर्ट', वलगांव

विशेषताएं : * निसर्गरम्य, शांत पवित्र वातावरण में शुभ कार्यों को यादगार बनाने का एक अनूठा अनुभव। * विदर्भ में उच्च कोटि के लिए नामांकित वातानुकूलित वास्तु में करीब 300 मेहमानों के लिए ठहरने की उत्तम व्यवस्था। * मंदिर, भव्य स्टेज, सभागृह, पार्किंग, जलप्रपात, बालवाटिका तथा अति आधुनिक शाकाहारी रेस्टारेंट का सानिध्य, एक सुंदर पिकनिक स्पॉट * रात-दिन कार्यरत प्रशिक्षित सेवकगण की उपस्थिति। * जनहित कार्यक्रम बिनामूल्य तथा सम्पूर्ण आय सामाजिक उत्थान के लिए व्यय करने का दृढसंकल्प।

'सिकची रिसोर्ट', वलगांव, नागपुर से करीब 160 कि.मी. तथा अमरावती से 10 कि.मी. दूरी पर अमरावती-परतवाड़ा मार्ग पर स्थित है। विविध पैकेजेस तथा अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें।

सचिन धरनकर
मो. 7507805264

Email : sikchi123@yahoo.com

पियूष शर्मा
मो.नं. 9637385336

दिल्ली प्रदेश महिला संगठन ने किया संसद भ्रमण

दिल्ली. प्रादेशिक महिला संगठन द्वारा अध्यक्ष किरण लढ़ा तथा सचिव श्यामा भांगड़िया के नेतृत्व में सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। सुरम्या समिति द्वारा 28 फरवरी को संसद भवन भ्रमण की व्यवस्था की गई। इसमें प्रदेश की 110 सदस्याएं शामिल हुईं। दक्षिणी क्षेत्र द्वारा 6 फरवरी को शाहजहां क्लब में एक पिकनिक का आयोजन किया गया। सुगंधा दक्षिण क्षेत्र द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाराबंकी लखनऊ में श्रीराम बनकुटरी आश्रम के नेत्र रोग ऑपरेशन शिवर में 1 से 4 फरवरी तक वहां जाकर अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में करीब 2400 लोगों के मोतियाबिंद का ऑपरेशन कर लैंस लगाए गए। क्षेत्र द्वारा इसमें 45000 रुपए के ऑपरेशन के लिए सहयोग दिया गया। संवरणा समिति द्वारा 10 फरवरी बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सेवा भारती संस्था द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह में एक कन्या के विवाह का आयोजन पूर्वी क्षेत्र द्वारा किया गया। सुषमा पश्चिमी क्षेत्र द्वारा पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ कैंडल मार्च निकालकर शहीदों के प्रति अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

भारत विकास परिषद के चुनाव संपन्न

ब्यावर. भारत विकास परिषद ब्यावर शाखा की साधारण सभा गत 24 फरवरी को प्रकाश ईनाणी की अध्यक्षता में रखी गई। शाखा सचिव आलोक गुप्ता ने बताया कि इसमें वर्ष 2019-2021 आगामी 2 वर्ष के लिए चुनाव प्रांतीय पर्यवेक्षक नरेंद्र राठौड़ अजमेर की देखरेख में संपन्न हुए। पर्यवेक्षक नरेंद्र ने बताया कि इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष राजेंद्र काबरा, सचिव प्रशांत पाबूवाल व कोषाध्यक्ष सतीश सर्राफ को चुना गया।

महेश सर्किल बनाने की मांग

बीकानेर. माहेश्वरी सभा के शिष्ट मंडल द्वारा कलेक्टर से मिलकर महेश सर्किल बनाने की मांग की गई। सभा के मंत्री रघुवीर झंवर ने बताया कि बीकानेर में लगभग हर समाज यथा जैन, अग्रवाल, वैश्य आदि समाज के सर्किल हैं। ऐसे में वर्षों से माहेश्वरी समाज की महेश सर्किल की मांग प्रशासन के पास लंबित है। प्रशासन गजनेर रोड-पुगल रोड तिराहे (माहेश्वरी छात्रावास के सामने) वाले स्थान को माहेश्वरी सभा को गोद दे। सभा द्वारा उसे सर्किल के रूप में सरकारी नियमानुसार पूर्ण विकसित कराया जाएगा और इस सर्किल का नामांकन महेश सर्किल करवाया जाये। इसी सर्किल पर माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित छात्रावास व गौशाला भी है। शिष्ट मंडल में पूर्व अध्यक्ष द्वारकाप्रसाद पच्चीसिया, नरेश मित्तल आदि शामिल थे।

देश के लिए किया शिवाभिषेक

उदयपुर. महेश माहेश्वरी सोसायटी उदयपुर द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में सामूहिक शिवाभिषेक श्री बसंतेश्वर महादेव मंदिर, बसंत विहार सेक्टर-14 पर किया गया। सोसायटी के प्रचार-प्रसार मंत्री गौतम सोमानी ने बताया कि सोसायटी अध्यक्ष कैलाश कालानी, सचिव बृजगोपाल चांडक व कोषाध्यक्ष दिनेश मूथा ने विधिवत शिवाभिषेक कर देश में एकता, अखंडता एवं अमन-चैन बने रहने की कामना की। इस कार्यक्रम में शंकरलाल भदादा, रमेश मूंदड़ा, नरेंद्र लावटी, जमनेश धुप्पड़, दिनेश तोषनीवाल, इंदरलाल मंडोवरा, डॉ. वल्लभलाल मंडोवरा, निर्मल राठी, राकेश लड्ढा, मुकेश मंत्री, नवनीत मंडोवरा, वैभव माहेश्वरी, महेश माहेश्वरी महिला सोसायटी अध्यक्ष नीलम पेड़ीवाल, दीक्षा मंत्री, शोभा कालानी आदि उपस्थित थीं।

डॉ. चांडक को मानद पीएचडी की उपाधि

नागपुर. शहर की ख्यात होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. कविता चांडक को फ्रांस की इकोल सुपेरियरे रॉबर्ट दे सॉरजॉन यूनिवर्सिटी द्वारा वैद्यकीय क्षेत्र में उल्लेखनीय सामाजिक कार्यों के लिए मानद पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उपरोक्त कार्यक्रम का आयोजन बैंकॉक स्थित एक प्रतिष्ठित होटल में किया गया। वहीं पर डॉ. चांडक का प्रशस्ति पत्र एवं डिग्री भेंटकर सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि डॉ. चांडक अब तक कई देशों जैसे लंदन, अमेरिका, अबूधाबी, टर्की, जर्मनी, यूरोप और साउथ अफ्रीका में अपने शोधपत्र विभिन्न सेमिनार में प्रस्तुत कर चुकी हैं।

> अमूल्य संबंधों की तुलना
> कभी धन से न करें। क्योंकि
> धन दो दिन काम आयेगा,
> जबकि संबंध उम्र भर काम आयेंगे.

भारती बागड़ी को सम्मान

नागपुर. भारती शरद बागड़ी को नेशनल वेब मीडिया, दिल्ली व ह्यूमन राईट्स फोरम द्वारा नारी शक्ति सम्मान' वुमन एक्सलेंस अवॉर्ड-2019' दिया गया। नेशनल वेब मीडिया भारत का एक अपना न्यूज चैनल है। इसके द्वारा ह्यूमन राईट्स फोरम के सहयोग से समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, जरूरतमंद महिलाओं, कमजोर अनाथ, दिव्यांग बच्चों के बाल विकास, बुजुर्गों आदि विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा काम करने वाले समाजसेवियों को पुरस्कृत करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर नंदाताई जिचकर, अनेकों अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय पुरस्कार प्राप्त समाजसेवक, लेखक शरद गोपीदास बागड़ी, नगरसेविका व सभापति प्रगति अजय पाटिल, धरमपेठ महिला बैंक की चेमरमैन व पूर्व नगरसेविका निलीमा ताई बावणे, भाजपा उत्तर नागपुर अध्यक्ष दिलीप गौर, डॉ. सरिता मिलिंद माने (आमदार) थे। उल्लेखनीय है कि भारती शरद बागड़ी सामाजिक कार्यकर्ता हैं। बचपन से अपने स्कूल, कॉलेज में छात्र नेता, छात्रसंघ अध्यक्षा रहते हुए खेलकूद, डीबेट आदि हर गतिविधियों में भाग लेकर हर क्षेत्र में अग्रणी रहती थीं। अभी लायंस, रोटरी आदि सामाजिक संस्थाओं की सदस्य के रूप में महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाव-बेटी पढ़ाओ आदि में सक्रिय योगदान देती हैं। श्रीमती बागड़ी के सामाजिक कार्यों के लिए लायंस, रोटरी, अनेक माहेश्वरी महिला मंडल, ज्योति महिला मंडल, जीवन सुरक्षा परिषद, महाराष्ट्र आरोग्य केंद्र, माहेश्वरी महिला संगठन आदि में बतौर मुख्य अतिथि रूप में आमंत्रित कर सत्कार व पुरस्कृत किया गया। अभी हाल ही में अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी कपल नईदिल्ली द्वारा महाराष्ट्र से भारती शरद बागड़ी को नारी शक्ति सम्मान 'क्रियेटिव लीडर ऑफ द ईयर-2019' से अलंकृत किया गया है।

कौन बनेगा सुपरस्टार का होगा आयोजन

गुलाबपुरा. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम कौन बनेगा सुपरस्टार का आयोजन 9 से 11 अगस्त 2019 तक बैंगलुरु में कर्नाटक-गोवा प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में होगा। उक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम के लोगों का विमोचन गुलाबपुरा में आयोजित कार्यक्रम में युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या, महामंत्री प्रवीण सोमानी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक ईनानी, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री नारायण मालपानी की उपस्थिति में किया गया।

महाशिवरात्रि पर्व का हुआ आयोजन

अमरावती. महाशिवरात्रि पर्व गत 4 मार्च को स्वयंसिद्धा माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सभी सदस्याओं के साथ मनाया गया। इस अवसर पर धार्मिक के साथ मनोरंजक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम में हीरा चांडक, वर्षा जाजू, राधा करवा, ज्योति भंडारी, संध्या राठी, ज्योति कासट, उषा भूतड़ा, तारा नावंदर, दीपमाला मूंदड़ा आदि कई सदस्याएं उपस्थित थीं।

पश्चिमी उप्र ने किया पर्वों का आयोजन

मेरठ. पश्चिमी उत्तरप्रदेश महिला संगठन द्वारा अध्यक्ष विनीता राठी व सचिव मंजू हरकुट के नेतृत्व में सेवा गतिविधियों का आयोजन विभिन्न समितियों के माध्यम से किया गया। इसमें समिति सुकीर्ति अमरोहा द्वारा बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता व नृत्य नाटिका तथा फिरोजाबाद मंडल द्वारा वन मिनट गेम्स खेलाए गए। सुलेखा समिति अतरौली मंडल द्वारा बसंत पंचमी पर दोहा प्रतियोगिता एवं लिखित प्रश्नोत्तरी स्पर्धा आयोजित की गई। संचारिका व सुरभि समिति द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली गणगौर गीत स्पर्धा की सूचना पूरे प्रदेश में प्रेषित की गई। सौष्ठा अलीगढ़ मंडल द्वारा जिला नवयुवक संघ के सहयोग से चिकित्सकीय विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। सुरभि समिति हाथरस द्वारा बसंत पंचमी पर प्रयास नामक संस्था के '120' बच्चों को स्टेशनरी व खाद्य सामग्री वितरित की गई। आगरा व मिरहची मंडलों द्वारा 14 फरवरी को मातृ-पितृ दिवस मनाया गया। फिरोजाबाद की बहनों द्वारा 21 किलो मीठे चावल बनवाकर जरूरतमंदों को बांटे गए। मुजफ्फरनगर में सरस्वती पूजन तथा आगरा व बरेली में भजन संध्या का आयोजन हुआ। शुचिता द्वारा एटा में भजन स्पर्धा, फिरोजाबाद में मौनी अमावस्या पर कथा व गरीबों को भोजन तथा मुजफ्फरनगर में भंडारा आयोजित हुआ। सुषमा व सुगंधा आदि समस्त समितियों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने सहित विभिन्न सेवा गतिविधियों में योगदान दिया गया।

शिर्डी का किया भ्रमण

शिर्डी. राजस्थान के विधायक किरण माहेश्वरी (राजसमंद), अनिता भदेल (अजमेर), अनिता सिंग (भरतपूर) आदि ने साईंतीर्थ का भ्रमण किया। इस समय गीता परिवार के कार्याध्यक्ष डॉ. संजय मालपाणी, अहमदनगर जिलाध्यक्ष विट्ठलदासजी आसावा, मानद मंत्री अजय जाजू, सह-मंत्री रामचंद्र राठी, कोपरगाव अध्यक्ष राजेंद्र राठी, प्रवरा परिसर अध्यक्ष नंदकिशोर बंग, मंत्री संजय आसावा आदि मौजूद थे। मालपाणी ग्रुप तथा अहमदनगर जिला सभा की ओर से सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया। जिलाध्यक्ष विट्ठलदासजी आसावा ने जिला सभा के कार्यों की जानकारी दी। मानद मंत्री अजय जाजू ने आभार माना।

बागड़ी को 'क्रिएटिव लीडर ऑफ द ईयर'

नागपुर. भारती शरद बागड़ी को अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब नईदिल्ली द्वारा नारी शक्ति सम्मान 'क्रियेटिव लीडर ऑफ ईयर-2019' से सम्मानित किया गया। भारती बचपन से अपने स्कूल, कॉलेज में छात्र नेता, कॉलेज छात्रसंघ की अध्यक्ष रहते हुए खेलकूद, डीबेट आदि हर गतिविधियों में भाग लेकर हर क्षेत्र में अग्रणी रहती थी। अभी लायंस, रोटरी आदि सामाजिक संस्थाओं की सदस्य के रूप में महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाव-बेटी पढ़ाओ, आदि में सक्रिय योगदान देती हैं।

जीवन गौरव पुरस्कार

अमरावती. डेफ्र एंड डम्ब रिलीफ एसोसिएशन अमरावती, माहेश्वरी आधार समिति अमरावती एवं बुलिदान राठी मूक बधिर विद्यालय के सचिव, जवाहर कर्मचारी पत संस्था के संस्थापक अध्यक्ष एवं अमरावती जिला माहेश्वरी संगठन के उपाध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी बंकटलाल राठी को भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, संगीत, निसर्ग, पर्यटन प्रेरणा महासम्मेलन 2019 में पालक मंत्री प्रवीण पोटे के हाथों महाराष्ट्र जीवन गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मंच पर भारतीय सेना के कर्नल अभय पटवर्धन, कर्नल परमशिव सैजव, युवक कल्याण शांति दूत कोलंबो श्रीलंका संपथ दर्शना लक्ष्मण, डॉ. निलय जैन, शब्द क्रांति संगठन एवं वर्ल्ड सेवन वंडर्स पब्लिकेशन के क्रांति महाजन उपस्थित थे।

शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित

हरदा. पुलवामा में आतंकियों द्वारा 14 फरवरी को किए गए आत्मघाती हमले में सीआरपीएफ के 42 जवान शहीद हो गए थे। उन 42 शहीद जवानों को समाजजनों ने माहेश्वरी भवन में कैंडल जलाकर वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ नम आंखों से श्रद्धांजलि दी गई। हरदा माहेश्वरी समाज अध्यक्ष सत्यनारायन सोमानी, सचिव अमित तोषनीवाल, सूरजनारायन मोहता, राजेंद्र करवा, ओम हेड़ा, राजेश काबरा, संजय बजाज, गिरीराज तोतला सहित कई सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

"पेट में गया जहर व्यक्ति को मारता है
और कान में गया जहर रिश्तों को मारता है

पाकिस्तान से कोई व्यापार नहीं

हैदराबाद. जब तक पाकिस्तान युद्ध विराम का उल्लंघन करता रहेगा तथा आतंकियों को पनाह देता है, मारवाड़ी समाज का कोई भी व्यवसायी पाकिस्तान से किसी तरह का व्यापारिक संबंध न रखें। शमशाबाद स्थित मणियार होम्स के रघुनाथमल गोयल सभागृह में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक में अध्यक्ष संतोष सराफ द्वारा प्रस्तुत उपरोक्त प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया। तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित इस बैठक में देश के विभिन्न प्रदेशों से लगभग 50 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। अखिल भारतीय समिति की बैठक में पधारे प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रमेशकुमार बंग ने कहा कि किसी भी संगठन या संस्था का महत्व उसी सुदृढ़ता तथा दायित्व निर्वहन के समर्पित प्रयास, कार्यकर्ताओं की दृढ़इच्छा शक्ति में झलकते हैं। सदस्यों ने संविधान की कुछ धाराओं में सर्वानुमति से संशोधन पास किए। तेलंगाना प्रादेशिक सभा के महामंत्री रामपाल अट्टल ने अतिथियों का परिचय दिया तथा सभी के साथ पुलवामा के शहीद जवानों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मौन श्रद्धांजलि दी।

शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

बरेली. जिला माहेश्वरी युवा संघ द्वारा पुलवामा में शहीद हुए देश के वीर सपूतों को कैंडल जलाकर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अभिषेक माहेश्वरी, माधव माहेश्वरी, संकेत माहेश्वरी, सुनील मूथा, शिवकुमार माहेश्वरी, शैलेंद्र माहेश्वरी, अजय माहेश्वरी, केके माहेश्वरी, प्रिंस माहेश्वरी, दिलीप माहेश्वरी, रुचि माहेश्वरी, कल्पना माहेश्वरी, वैष्णवी माहेश्वरी, मनोज माहेश्वरी, श्लोक माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

बाहेती के सुपुर्द पर्यटन अवॉर्ड

खंडवा. मप्र के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने समाजसेवी प्रकाशचंद्र बाहेती को दादा दरबार मंदिर का अवॉर्ड 2018 सौंपा है। गत 3 मार्च को मुख्यमंत्री खंडवा पधारे एवं उन्होंने प्रसिद्ध दादा दरबार मंदिर में दर्शन कर पर्यटन विभाग का अवलोकन किया। इस उपलब्धि पर ट्रस्टियों ने मप्र सरकार का आभार व्यक्त किए।

विश्व महिला दिवस पर नारी सम्मान

मालेगांव. महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 8 मार्च को विश्व महिला दिवस के अवसर पर वंदनीय माताओं का सत्कार किया गया। इसमें वे महिलाएं भी शामिल थीं जिन्होंने बहुत ही कम उम्र के पड़ाव पर जीवनसाथी से बिछड़ने के बाद संघर्षमय जिंदगी से उभरती, कदम से कदम चल डगर पार करने का साहस रख, धैर्य का हाथ पकड़कर अपने परिवार तथा बच्चों के जीवन निर्वाह हेतु आर्थिक सहायक बनकर समाज के सामने आदर्श खड़ा किया। इन सम्मानीय 9 माताओं का मंडल की तरफ से प्रशस्ति-पत्र व ट्रॉफी देकर अभिनंदन किया। इसमें अल्पाहार का भी आयोजन किया गया। सूत्र संचालन शमा जाजू ने किया। अनिता कलंत्री, रत्ना लढ़ा, जयश्री जाजू, सरिता बाहेती आदि का सहयोग रहा।

राठी का हुआ सम्मान

बीकानेर. स्थानीय माहेश्वरी समाज की सामाजिक संस्थाओं में सामाजिक संवाददाता की अहम भूमिका निभाने वाले सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता पवन राठी का चयन श्रीकृष्ण माहेश्वरी मंडल में मीडिया प्रभारी/प्रवक्ता पद पर हुआ है। समाज की विभिन्न संस्थाओं ने मंडल कार्यकारिणी अध्यक्ष व अन्य कार्यकारिणी सदस्यों का इसके लिए आभार व्यक्त किया। एमडीवी सैलिब्रेटी के अध्यक्ष योगेश बिस्सा के अनुसार श्री राठी विगत 25 वर्षों से विद्यालय में शिक्षक के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं। इस अवसर पर अध्यापक श्री राठी से कई शिष्यगणों ने भी भेंटकर अपने प्रिय अध्यापक का सम्मान कर उन्हें बधाई देते हुए प्रसन्नता जाहिर की।

"रिश्तें मौके के नही बल्कि भरोसे के मोहताज होते हैं..."

डॉ. सिकची की पुस्तक विमोचित

चेन्नई. स्व. राजीव गांधी मेरे नजदीकी, उदारवादी व राष्ट्र के प्रति समर्पित व्यक्तित्व थे। उक्त उद्गार पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार ने किताब के विमोचन के अवसर पर व्यक्त किए। पुस्तक हेतु विशेष बधाई संदेश भूतपूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा देवीसिंह पाटील ने दिया। इस पुस्तक में किन राजनीतिक हालातों में अंतरराष्ट्रीय राजनीति के चलते स्व. राजीव गांधी की 21 मई 1991 को चेन्नई के निकट श्रीपेरम्बुदुर में मानव बम द्वारा हत्या हुई इसका भी विस्तृत विवरण दिया गया है। इस किताब के दो शब्द श्रीमती सी.के. गिरयाली के हैं। यह किताब हिंदी में 2014 में मेरा भारत महान, मेरा राजीव महान व तमिल भाषा में 2015 व अंग्रेजी में स्व. राजीव गांधी के जन्मदिवस 20 अगस्त 2018 को प्रकाशित हुई है। लेखक डॉ. सिकची वास्तव में एमबीबीएस डॉक्टर हैं। फिर भी वे अब तक 13 किताबें सफलतापूर्वक लिख चुके हैं।

महिला दिवस का किया आयोजन

वरंगल. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन प्रगतिशील मारवाड़ी व माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट भवन रंगमपेट में किया गया। मंडल की मंत्री मृदुबाला दरक ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष महिला दिवस के उपलक्ष्य में हैदराबाद से आईं श्वेता जाजू ने महिलाओं के लिए वित्तीय निवेश एवं बचत विषय पर लगभग एक घंटे का पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन दिया। इस अवसर पर कई मस्ती भरे खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। साथ ही महिलाओं ने नृत्य कर कार्यक्रम का मजा लिया। माहेश्वरी महिला मंडल की उपाध्यक्षा माधुरी लाहोटी, शारदा बंग, प्रादेशिक उपाध्यक्षा इंद्रा सोनी, कोषाध्यक्षा सरिता सोमाणी, सांस्कृतिक मंत्री ज्योति सोनी, सहमंत्री दीपा मूंदड़ा, सह कोषाध्यक्षा वंदना मूंदड़ा, सहसांस्कृतिक मंत्री अनुराधा मूंदड़ा, महिला मंडल की कार्यकारिणी और समाज सदस्याएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

> जिंदगी का सबसे अच्छा पल वो है
> जब आप कहें मैं ठीक हूँ
> और आपका अपना एक चाहने वाला
> आपकी आँखो में देखे और कहे
> चल बता बात क्या है।

फाग उत्सव का किया आयोजन

इंदौर. आपसी मेलजोल, सौहार्द्र, समन्वय एवं आध्यात्मिक रस से सराबोर फाग उत्सव श्री माहेश्वरी डीडवाना महिला मंडल (140 घर) द्वारा वेंकटेश मंदिर गुमाश्ता नगर में मनाया गया। संस्था अध्यक्ष डॉ. वीणा सोनी एवं सचिव आशा सिंगी ने बताया कि इस तरह के आयोजन महिलाओं के मध्य आत्मीयता बढ़ाने में सहयोग प्रदान करते हैं और समाज को भी एक सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम संयोजिका मीना मानधन्या, भावना माहेश्वरी व किरण सोमानी ने सदस्याओं का स्वागत फूलों एवं प्राकृतिक गुलाल से किया। आभार प्रचार सचिव सुधा मालू ने माना।

मेले का किया शुभारंभ

धार. मप्र वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री महेश माहेश्वरी एवं जगदीश मूंदड़ा धामनोद अखिल भारतीय माहेश्वरी महाअधिवेशन जोधपुर में शामिल हुए। यहां उन्होंने राजस्थान उद्योग उत्सव 2019 मरुधरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन जोधपुर के मेले का दीप प्रज्वलित करके उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम में उद्योग विभाग के पदाधिकारी पूर्व मंत्री श्री परिहार धार जिला व समाज की उपाध्यक्ष सुनीता माहेश्वरी एवं पुष्पा मूंदड़ा आदि उपस्थित थे।

विशिष्ट वर्ग परिचय सम्मेलन का जुलाई में होगा आयोजन

नासिक. आगमी 13 व 14 जुलाई को विधुर, विधवा, परित्यक्ता, विवाह विच्छेद, विकलांग व 30 साल से अधिक आयु के ऐसे के विवाहोत्सुक उम्मीदवार जो अपनी पहली इनिंग सेकंड इनिंग पार्टनर के साथ भी शुरुआत कर सकते हैं ऐसे समाजजनों का परिचय सम्मेलन नासिक (महाराष्ट्र) में होगा। सम्पूर्ण महाराष्ट्र (महाराष्ट्र, विदर्भ व मुंबई प्रदेश) इसका कार्यक्षेत्र होगा। मप्र, गुजरात, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और राजस्थान से भी प्रवेशिका स्वीकृत होगी। अधिक जानकारी के लिए उमेश रामकृष्ण मूंदड़ा अध्यक्ष व संतोष लालचंद जाजू सचिव तथा नासिक जिला माहेश्वरी सभा तथा प्रकल्प प्रमुख सुरेश केला नासिक कार्यकारणी सदस्य अभा मा.महासभा व प्रकल्प सहप्रमुख श्याम लखोटियां मालेगांव कार्यकारिणी सदस्य अभा मा महासभा आदि से संपर्क किया जा सकता है।

विश्व खेल दिवस का हुआ आयोजन

नागपुर. विश्व खेल न्यूज द्वारा कराटे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लड़के, लड़कियों तथा कराते सिखाने वाले कोचों को विश्व खेल दिन के उपलक्ष्य पर प्राप्त की गईं उपलब्धियों हेतु प्रमाण-पत्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय व अनेकों राष्ट्रीय तथा राज्यस्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित वरिष्ठ समाजसेवी व लेखक शरद गोपीदास बागड़ी थे। मुख्य अतिथि श्री बागड़ी, भाजपा उत्तर नागपुर अध्यक्ष दिलीप गौर, डॉ. हिना इकबाल, पुलिस कराते प्रशिक्षक मौशमी गुप्ता, मोना रामानी के हाथों दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। मोहम्मद सलीम ने मुख्य अतिथि श्री बागड़ी का परिचय देते हुए बताया श्री बागड़ी को समाजसेवा व लेखन के लिए दो अंतरराष्ट्रीय, नौ राष्ट्रीय, 27 राज्यस्तरीय पुरस्कार प्राप्त हुए है तथा 113 संस्थाओं द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में बुलाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री बागड़ी ने खिलाड़ियों को प्रेरक उद्बोधन भी दिया।

फागोत्सव का हुआ आयोजन

जयपुर. श्री माहेश्वरी महिला परिषद जयपुर का फाग उत्सव बहुत ही धूमधाम से वृद्धाश्रम विद्यानगर में संपन्न हुआ। परिषद अध्यक्ष अनीता काबरा ने बताया कि इसमें फूलों व अबीर से होली खेली गई। होली के रसिया कृष्ण का रूप परिषद की बहन उमा हुरकुट और राधा का रूप ममता राठी ने धारण किया जो संजीव रूप ही प्रतीत हो रहा था। परिषद सचिव स्नेहहलता साबू ने बताया कि होली के गीतों के साथ सुनीता जैथलिया, अर्चना काबरा, मीरा मारू, मंजू सोढानी ने होली की मस्ती पर एक गांव की औरत की व्यथा को व्यक्त करते हुए एक नाटक का मंचन किया। प्रदेशाध्यक्ष सविता पटवारी, जिलाध्यक्ष उमा परवाल, प्रीति बाहेती, अलका माहेश्वरी, आश्रम संयोजक मालचंद बाहेती, मुरलीधर राठी आदि ने उपस्थिति प्रदान कर परिषद के कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मकर संक्रांति पर्व का किया आयोजन

बरेली. जिला माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा जिला माहेश्वरी युवा मंच के सहयोग से दान का महापर्व मकर संक्रांति खिचड़ी, चटनी, गजक, अचार आदि वितरण कर मनाया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष केके माहेश्वरी ने कार्यक्रम की शुरुआत सभी मित्रों को चंदन का तिलक लगाकर की। डॉ. नवलकिशोर माहेश्वरी, डॉ. प्रमेंद्र माहेश्वरी, शशांक चांडक, दर्पण मालपानी, अशोक माहेश्वरी, मनोज माहेश्वरी, प्रियंक मूना, अरुण माहेश्वरी, अंशु माहेश्वरी, जगदीश माहेश्वरी, अभिषेक माहेश्वरी, माधव माहेश्वरी, रूबल माहेश्वरी, संकेत माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

भदादा को वूमन इंस्पिरेशन सम्मान

भीलवाड़ा. दैनिक भास्कर समाचार पत्र द्वारा शिखा भदादा को वूमन इंस्पिरेशन ऑफ भीलवाड़ा के अवॉर्ड से नवाजा गया है। उल्लेखनीय है कि जिस वक्त अधिकांश लोगों ने टीवी में कम्प्यूटर देखा था, उससे दो दशक पहले कम्प्यूटर सेंटर की स्थापना करना अपने आप में किसी कीर्तिमान से कम नहीं था। अभी तक लगभग 3 हजार विद्यार्थी उनके द्वारा कम्प्यूटर शिक्षा हासिल करके शानदार रोजगार में लगे हुए हैं। वर्ष 2002-2003 में कंचनदेवी कॉलेज ऑफ कम्प्यूटर साइंस की स्थापना की जो बालिका शिक्षा के लिए उठाया गया साहसिक कदम है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यवाह कलेक्टर राजेंद्रसिंह कविया थे।

पूनम राठी को किया सम्मानित

नागपुर. महिला क्लब की ओर से जागतिक महिला दिवस पर होटल तुली एंपोरियम में कर्मयोगीणी पुरस्कार से मंडल अध्यक्ष विलासिनी नायर और जज वसंती नाईक (मुंबई) के करकमलों से पूनम राठी को नवाजा गया। इस प्रोग्राम में मॉडल स्कूल की प्रिंसिपल नीरू कपई, समाजसेवी डॉ. नीमा कुलकर्णी, वंदना बरांधे, बिजनेस वूमन पल्लवी नायर आदि को भी सम्मानित किया गया।

स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

खरगोन. श्रीमति सावित्री देवी की स्मृति में स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा महिला दिवस पर डॉ. मधुसुदन बार्चे क्लिनिक पर महिला सम्मान एवं निःशुल्क हेल्थ चेकअप शिविर का आयोजन किया गया। सम्मान में वयोवृध महिला में सर्वप्रथम सुशीलादेवी बारचे, सरला जैन, किरण शर्मा का सम्मान खरगोन जिला अध्यक्ष स्मिता बियानी, जानकी खटौड़ और उमा जी द्वारा किया गया। शिविर में डॉ. मधुसुदन बारचे, डॉ. गोविंद गुप्ता, डॉ. जेडी गुप्ता, डॉ विराज भालके, डॉ. अनुपम अत्रे आदि ने सभी महिलाओं को परामर्श एवं उपचार दिया। कौशल्या अग्रवाल, उमा सोमानी, रेखा, शालिनी व उषा सोमानी आदि मौजूद थीं।

महाशिवरात्रि पर हुआ आयोजन

पुणे. सांगवी परिसर महेश मंडल की ओर से सांगवी (पुणे) स्थित भगवान माहेश्वरी चौक में महाशिवरात्रि के पावन पर कार्यक्रम किए गए। माहेश्वरी चौक पर मंडल की ओर से पूजा एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। भगवान महेश को सामाजिक कार्यकर्ता हिरेन सोनोवणे के करकमलों द्वारा माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर भक्तों को प्रसाद के रूप में खिचड़ी व केले का प्रसाद बांटा गया। जानकारी सतीश लोहिया अध्यक्ष सांगवी परिसर महेश मंडल ने दी।

वूमन्स डे पर भंडारी सम्मानित

उदयपुर. बिग एफ द्वारा आयोजित एम 92.7, माउंट चाइल्ड जी स्कूल, अरावली फाउंडेशन, ब्ल्यू पंख होटल और स्पा, एम स्क्वायर, अलर्ट राजस्थान और Parshvakalla जनसंपर्क, उदयपुर द्वारा विश्व महिला दिवस पर डॉ. विमला भंडारी को उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय साहित्यिक कार्यों के लिए 'वूमेन ऑफ सब्सटेंस 2019' सम्मान दिया गया।

क्रीडा क्षेत्र में योगदान देने वालों का सत्कार

नागपुर. रामनगर स्थित नितिन गडकरी के घर पर आयोजित कार्यक्रम में श्री गडकरी, गिरीश गांधी व शरद बागड़ी के हाथों क्रीड़ा विकास में योगदान देने वाले भुतपुर्व खिलाड़ी, प्रशिक्षक, संगठन स्कूल, कॉलेज आदि को आकर्षक ट्रॉफियां देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षता वनराई के संस्थापक गिरीश गांधी कर रहे थे। मंच पर केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री श्री गडकरी के साथ अनेकों अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ समाज सेवक शरद गोपीदास बागड़ी उपस्थित थे।

"अमूल्य संबंधों की तुलना कभी धन से न करें। क्योंकि धन दो दिन काम आयेगा, जबकि संबंध उम्र भर काम आयेंगे.

समाज की निर्देशिका विमोचित

बीकानेर. माहेश्वरी सभा के मंत्री रघुवीर झंवर ने बताया कि बीकानेर के माहेश्वरी समाज की सुविधा व समाज को एकजुट रखने के उद्देश्य से पारिवारिक व व्यावसायिक निर्देशिका बनाई गई है। होलिका महोत्सव में इस निर्देशिका का विमोचन पूर्व विधायक कन्हैयालाल झंवर तथा बीएसएफ कमांडेंट अनिल यादव के सान्निध्य में किया गया। विमोचन अवसर पर तोलाराम पेड़ीवाल, बृजमोहन चांडक, किशन मूंधड़ा, शशिमोहन मूंदड़ा, सुखदेव राठी, किशन दम्माणी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाजबंधुओं की गोठ के साथ होलिका महोत्सव का आयोजन भी किया गया। समाज के सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं का इस अवसर पर सम्मान भी किया गया।

फागोत्सव का किया आयोजन

खरगोन. माहेश्वरी महिला मडंल द्वारा फाग उत्सव मनाया गया। कृष्ण स्मिता बियानी और राधा निधि बनीं। वृंदावन बरसाने की झांकी बनाई गई। संगठन प्रमुख जानकी खटौड़, कौशल्या, राधा, पुष्पा जाजू, अलका सोमानी, ऊषा सिंगी और ब्रज बिहार की महिलाएं मौजूद थीं।

एमबीएम एक्सपो का होगा आयोजन

कोलकाता. माहेश्वरी सभा कोलकाता अंतर्गत कार्यरत माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षण केंद्र द्वारा अपने 76वें वर्ष में प्रवेश के उपलक्ष्य में प्रथम बार एमबीएम एक्सपो 2019 आयोजित करने का संकल्प लिया गया है। केंद्र की कार्यसमिति के बारहवें अधिवेशन में उपसभापति सीताराम डागा की अध्यक्षता में निर्णय लिया गया कि एमबीएम एक्सपो 2019 का आयोजन आगामी 12 से 14 अप्रैल तक माहेश्वरी भवन के सभागार में होगा। एक्सपो के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सभापति सीए भंवरलाल राठी करेंगे। कार्यक्रम संयोजक पंचानन भट्टड़, पद्मा बागड़ी एवं पवन बिहानी को नियुक्त किया गया।

महेश सेवा संस्थान के चुनाव संपन्न

भीलवाड़ा. शहर के आर.के. आर.सी. व्यास नगर महेश सेवा संस्था भीलवाड़ा के चुनाव देवरिया बालाजी के निकट स्थित माहेश्वरी भवन में संपन्न हुए। मुख्य चुनाव अधिकारी राजेंद्रप्रसाद बिड़ला ने बताया कि चुनाव में दिलीप कुमार लाहोटी अध्यक्ष, कृष्णगोपाल सोडानी उपाध्यक्ष, राजेंद्रकुमार पोरवाल मंत्री, लक्ष्मीनारायण काबरा सह मंत्री, सुशीलकुमार बिड़ला कोषाध्यक्ष तथा जगदीशचंद्र मूंदड़ा व सत्यनारायण सोडानी कार्यसमिति सदस्य निर्वाचित हुए। निर्वाचन के बाद सभी पदाधिकारियों ने पद की शपथ ग्रहण की।

होली के रंग डीजे के संग

सिकंदराबाद. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा होली के रंग डीजे के संग कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष सुमिता मंत्री एवं सुनीता आगीवाल ने बताया कि सबने नोंक-झोंक एवं डीजे का खूब आनंद लिया। कार्यक्रम का आयोजन कलावती, रेणु सारडा, उर्मिला साबू एवं सोनिया बियाणी के नेतृत्व में हुआ। अतिथि स्वागत तारा मोदानी एवं सीमा ईनाणी ने किया। तंबोला अर्चना मालानी एवं तारा बंग द्वारा खेलाया गया। कार्यक्रम में शशि सारडा, मंजू बंग, गौरी टोकड़ा, सुनीता बजाज, संतोष झंवर, राधा भट्टड़, राखी नावंदर, संतोष खंडलोया, गीता राठी आदि का सहयोग रहा।

> बुराई करना रीमिंग की तरह है
> करो तो भी चार्ज लगता है और
> सुनो तो भी चार्ज लगता है लेकिन
> नेकी करना लाईफ इंश्योरेंस की तरह है
> जिंदगी के साथ ही जिंदगी के बाद भी
> तो धर्म व धर्म की प्रीमियम अरत रहिये और
> अच्छे कर्म का बोनस पाते रहिये।

महिला सोसायटी स्लोगन में पुरस्कृत

उदयपुर. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महेश महिला माहेश्वरी सोसायटी ने महिला सशक्तिकरण वाहन रैली में बेस्ट स्लोगन कार प्रतियोगिता में पुरस्कार के रूप में 2100 रुपए नकद स्मृति चिह्न एवं ट्रॉफी प्राप्त किए। प्रचार-प्रसार मंत्री आराधना सोमानी ने बताया महेश माहेश्वरी महिला सोसायटी अध्यक्ष नीलम पेड़ीवाल के सान्निध्य में सोसायटी की करीब 20 महिलाओं ने श्री महावीर युवा संस्थान, उदयपुर महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण रैली में भाग लिया एवं फोर व्हीलर बेस्ट स्लोगन कार कैटेगरी में पुरस्कार प्राप्त किया। इस रैली में महिला सोसायटी अध्यक्ष नीलम पेड़ीवाल के साथ दीक्षा मंत्री, शोभा कालानी, राजश्री सोमानी, इंदु तोषनीवाल, कांता भदादा, प्रेम अजमेरा, रेखा लावठी, आशा माहेश्वरी, संतोष बियानी, सुनीता तोषनीवाल, रंजना लावटी, राधा देवपुरा, भावना माहेश्वरी, किरण मंडोवरा, निर्मला परतानी, कृष्णा खटौड़, पुष्पा देवपुरा आदि महिलाएं मौजूद थीं।

स्माल स्केल इंडस्ट्रीज ऑर्गेनाइजेशन में सोनी

भोपाल. समाज सदस्य नरेंद्रकुमार सोनी मप्र स्माल स्केल इंडस्ट्रीज ऑर्गेनाइजेशन की एग्जीक्यूटिव बॉडी में सर्वाधिक मतों से निर्वाचित हुए हैं। उल्लेखनीय है कि इस संस्था की एग्जीक्यूटिव बॉडी हेतु 88 सदस्यों का निर्वाचन किया जाता है। तत्पश्चात इन निर्वाचित सदस्यों में से ही संस्था के 9 प्रादेशिक पदाधिकारी और 4 संभागीय पदाधिकारियों का चयन किया जाता है। श्री सोनी फेडरेशन ऑफ मप्र चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की मैनेजिंग कमेटी के मेंबर रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त लघु उद्योग भारती मप्र एवं मंडीदीप इंडस्ट्रीज एसोएिशयन के उपाध्यक्ष हैं।

> नम्रता से बात करना हर एक का आदर करना
> धन्यवाद ज्ञापित करना और
> माफी मांगना ये गुण जिसके पास है,
> वो सदा सबके करीब और सबके लिये खास है।

तिलक लगाकर होली पर स्वागत

उज्जैन. महिला दिवस सप्ताह के चलते होली के आगमन पर उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन ने सभी सखियों का इत्र तथा होली के रंगों का तिलक लगाकर भावभीना स्वागत किया। सामान्य एवं मनोरंजक प्रश्न किए और सभी सदस्यों को पुरस्कार दिए गए। जिलाध्यक्ष कृष्णा जाजू, पुष्पा भलिका, किरण पलोड़ एवं तराना से आई समस्त सदस्याओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम संयोजक गीता तोतला, उषा सोडानी, पुष्पा कोठारी, कृष्णा जाजू एवं रितु समदानी थीं।

सोनी बने विकास परिषद अध्यक्ष

भीलवाड़ा. भारत विकास परिषद शाखा गुलाबपुरा के आगामी 2 सत्र के लिए अध्यक्ष सचिव एवं कोषाध्यक्ष के चुनाव प्रांतीय पर्यवेक्षक मदनलाल खटौड़ के सान्निध्य में प्रांतीय पदाधिकारी मुकेश लाठी व किशोर राजपाल की उपस्थिति में संपन्न कराए गए। महावीर सोनी अध्यक्ष, सुधीर पारीक सचिव एवं संपतकुमार व्यास कोषाध्यक्ष चुने गए। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष केडी मिश्रा, सचिव महावीर अजमेरा एवं कोषाध्यक्ष देवालाल लक्षकार महिला प्रमुख भगवतीदेवी मूंदड़ा सहित हनुमान सोमानी, सत्यनारायण जागेटिया, आदि कई सदस्य-सदस्याएं उपस्थित थे।

विश्व महिला दिवस पर संगोष्ठी

चौहटन. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा विश्व महिला दिवस पर संगोष्ठी रखी गई। इसमें विशेष वक्ता अजीज प्रेमजी फाउंडेशन सदस्या आशिमा गुप्ता एवं माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष रीटा बाहेती थी। घरेलू महिलाओं एवं महिला शिक्षिकाओं का यह संयुक्त संवाद रहा। इस संगोष्ठी में विशेष चर्चा के बिंदु जेंडर इक्विटी, बहू एवं बेटी की समानता एवं वर्तमान परिस्थितियों में महिलाओं की स्थिति रही। महिलाओं को स्वयं के अस्तित्व को समझने, हिंसा व उत्पीड़न का प्रतिकार करने की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया।

प्रगति मंडल के निर्वाचन संपन्न

रतलाम. श्री माहेश्वरी महिला प्रगति मंडल रतलाम के आगामी वर्ष हेतु कार्यसमिति के निर्वाचन श्री माहेश्वरी भवन में सर्वसम्मति से हुए। इसमें अध्यक्ष प्रेमलता मंत्री चुनी गईं। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष राजकुमारी काबरा, सचिव हेमलता बिसानी, उपसचिव हेमलता मालपानी, कोषाध्यक्ष अनिता लखोटिया, उपकोषाध्यक्ष सुनीता डोडिया, प्रचार मंत्री मंजुला झंवर, उपप्रचार मंत्री साधना जैथलिया तथा आय-व्यय निरीक्षक मंजू जाखेटिया चुनी गईं। कार्यसमिति सदस्यों का चयन भी हुआ।

देशभक्ति पर कार्यक्रम की प्रस्तुति

भीलवाड़ा. मरुधरा महिला मंडल द्वारा सैनिकों की शहादत और शौर्य के लिए आर्मी थीम व अनेकता में एकता की थीम पर कार्यक्रम एक होटल में आयोजित किया गया। सदस्यों ने आसामी, बंगाल, पंजाबी, राजस्थानी, गुजराती, ओडिसा आदि विविध वेशभूषा में प्रस्तुति दी। साथ ही देशभक्ति गीतों से ओतप्रोत खेल खेले गए। संस्थान के सचिव राकेश काबरा ने बताया कि कार्यक्रम में अध्यक्ष सीमा जेठा, सचिव प्रमिला सारडा एवं कोषाध्यक्ष प्रिया मूंधड़ा की उपस्थिति में सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई और अंत में पुरस्कार वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। पद्म चांडक, रेखा बाहेती, किरण बंग, उमा करनानी, शोभा मूंधड़ा, बरखा सावल, इंदु झंवर, तरुणा चांडक, अनु दम्माणी, श्वेता मूंधड़ा, नेहा मूंधड़ा, भाग्यश्री बाहेती, विधु चांडक, मोनिका मोहता आदि सभी सदस्यों ने भाग लिया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

जयपुर. क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा सोडाला जयपुर एवं क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन 3 सोडाला के संयुक्त तत्वावधान में शैलबी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल चित्रकूट, वैशाली नगर में एक निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर आयोजित किया गया। इसमें चिकित्सकों द्वारा विभिन्न रोगों की निःशुल्क जांचकर आवश्यक सलाह प्रदान की गई। शिविर में 150 व्यक्तियों की निःशुल्क जांच कर परामर्श दिया गया। शिविर के संयोजक सत्यनारायण मोदानी एवं सहसंयोजक मंजू सोढानी थे। क्षेत्रीय सभा के अध्यक्ष नवलकिशोर झंवर व क्षेत्रीय महिला संगठन की मंत्री उमा सोमानी ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के अध्यक्ष प्रदीप बाहेती एवं महामंत्री गोपाललाल मालपानी ने सभी चिकित्सकों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। महेश हॉस्पिटल अध्यक्ष श्यामसुंदर डागा एवं सचिव शंकरलाल राठी भी उपस्थित थे।

नेताजी की पाठशाला

इंदौर. माहेश्वरी संस्कृति कपल ग्रुप की द्वितीय वर्ष की प्रथम सभा का आयोजन सयाजी महल में किया गया। इसमें 150 से अधिक महानुभाव नेताजी की वेशभूषा में शामिल हुए। इस अवसर पर नेताजी की पाठशाला भी आयोजित हुई। उक्त जानकारी देते हुए ग्रुप संयोजक मुनीष-किरण मालानी ने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें बेस्ट कपल के रूप में शरद-सरला साबू, बेस्ट मेल हेतु ओम टावरी तथा बेस्ट फीमेल के लिए रजनी काबरा को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजाराम-कमला बाल्दी ने की। कार्यक्रम प्रभारी अशोक-सरोज सोडानी, राजेंद्र लता सिंगी, श्रवण रेखा सोमानी व महेंद्र रूपन लाठी थे।

सामूहिक विवाह का हुआ आयोजन

जलगांव. माहेश्वरी विवाह सहयोग समिति जलगांव, जलगांव जिला माहेश्वरी सभा एवं श्री साईं सेवा चेरिटेबल ट्रस्ट पालधी द्वारा आयोजित षष्ठम माहेश्वरी सामूहिक विवाहोत्सव का आयोजन वसंत पंचमी पर 10 फरवरी को किया गया। अध्यक्ष श्यामसुंदर झंवर व सचिव सूरजमल सोमानी ने बताया कि इसमें 6 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। लगभग 3 हजार समाजजन आशीर्वाददाता के रूप में उपस्थित थे। विशेष अतिथि श्याम जाजू राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा, नितिन बालमुकुंद लड्ढा महापौर मनपा जलगांव, देवकीनंदन झंवर, श्रीकांत सीताराम मणियार, ओमप्रकाश जयनारायण जाजू, विष्णुकांत पुरखराज मणियार, कमल मणियार आदि उपस्थित थे।

कोई हुनर, कोई राज ,
कोई राह,
कोई तो तरीका बताओ....
दिल टूटे भी न, साथ छूटे भी न ,
कोई रूठे भी न ,
और ज़िन्दगी गुजर जाए।

राठी परिवार ने आयोजित किया पोलिया निदान शिविर

आठ रोगियों का ऑपरेशन के लिए चयन, सहायक उपकरण का भी किया वितरण

आणंद (गुजरात). उद्योग विद्या वायर्स प्रालि का संचालन कर रहा श्यामसुंदर राठी परिवार उद्योग के साथ समाजसेवा में भी अपना योगदान सतत रूप से देता रहा है। इसी श्रृंखला में गत 17 मार्च को पोलियो निदान शिविर का आयोजन किया गया।

राठी परिवार द्वारा इस पोलियो निदान शिविर का आयोजन गत 17 मार्च को आणंद (गुजरात) में किया गया, जिसका 200 से अधिक रोगियों ने लाभ लिया। इस महत्वपूर्ण सेवा प्रकल्प में नारायण सेवा संस्थान उदयपुर तथा वल्लभ विद्यानगर टाऊन क्लब का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर 300 से अधिक गणमान्यजन अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री राठी ने इस महत्वपूर्ण सेवा प्रकल्प की सफलता का श्रेय नारायणसेवा संस्थान तथा वल्लभ विद्यानगर टाऊन क्लब को दिया।

सहायक उपकरणों का भी वितरण

इस शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सेवा प्रदान की। उन्होंने लगभग 200 रोगियों का परीक्षण किया और आवश्यक परामर्श दिया। इनमें से 8 रोगियों का ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। इनके ऑपरेशन निःशुल्क होंगे। रोगियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। आवश्यक होने पर असहाय रोगियों को 20 ट्रायसिकल, 15 व्हीलचेयर तथा 25 कैलिपर्स का वितरण भी किया गया।

चांडक बने जिला कोषाध्यक्ष

जोधपुर. भाजपा नेता विकास चांडक को जोधपुर भाजयुमो के जिला कोषाध्यक्ष व सरदारपुरा विधानसभा के विस्तारक का दायित्व सौंपा गया है। यह दायित्व आने वाले लोकसभा चुनावों के मद्देनजर अजमेर लोकसभा के राजेंद्र बोराणा (संगठन प्रभारी अजमेर), प्रदेश महामंत्री बीरम देव, पूर्व मंत्री वासुदेव देवनानी, पूर्व सभापति सुरेंद्रसिंह शेखावत, जगदीश धनाढ्या आदि ने सौंपा है।

> अगर मित्रता...
> आपकी कमजोरी है...
> तो आप दुनिया के सबसे
> शक्तिशाली व्यक्ति है... ।

सेवा रत्न से सम्मानित हुए टवाणी

नाथद्वारा. साहित्य मंडल श्रीनाथद्वारा द्वारा दो दिवसीय पाटोतसव एवं ब्रजभाषा समारोह गत 25 एवं 26 जनवरी 2019 को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस समारोह में पूरे भारत के लगभग 200 साहित्यकार, कवि, लेखक, संपाकद, पत्रकार आदि सम्मानित हुए। इसमें श्रीकृष्णचंद्र टवाणी महासचिव ज्ञान मंदिर को समाज साहित्य सेवा रत्न की मनाद उपाधि से सम्मानित किया गया। सम्मान में शॉल, उपरना, पगड़ी, माला, श्रीफल, श्रीनाथजी की छवि, प्रसाद एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

स्वाइन फ्लू का काढ़ा पिलाया

चौहटन. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 10 मार्च को राधा-कृष्ण मंदिर के बाहर स्वाइन फ्लू का काड़ा पिलाने का कार्यक्रम रखा गया। इसमें 600 महिलाओं, बच्चों, पुरुषों ने काढ़ा पिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अध्यक्ष रीटा बाहेती, वरिष्ठ उपाध्यक्ष खेतीदेवी, सचिव कलावती बाहेती, मंडल के अन्य पदाधिकारी मंजू गीगल, शांति करवा, मंजू धारनासिया, निर्मला राठी, सुशीला केला, प्रेमलता, इंद्रा, रामेश्वरी राठी, विमला शारदा, गोमती करवा, कौशल्या एवं रेखा बोहती आदि मौजूद थीं।

सदस्यों की सूची पत्रिका का विमोचन

ब्यावर. श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर के तत्वावधान में समाज की सदस्यों की सूची पत्रिका का विमोचन माहेश्वरी भवन पाली बाजार में आयोजित हुआ। मंत्री दिलीपकुमार जाजू ने बताया कि विमोचन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रमेशचंद्र बहेड़िया (उपपंजीयन तहसील ब्यावर) व श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड अध्यक्ष सत्यनारायण हेड़ा तथा मंत्री दिलीपकुमार जाजू द्वारा किया गया। मंत्री श्री जाजू ने बताया कि पत्रिका में व्यावर माहेश्वरी समाज की नाम सहित सूची, हर एरिया अनुसार क्रमवार सूची, सभी सदस्यों के दूरभाष नंबर, मोबाइल नंबर, पदाधिकारियों की फोटो सहित सूची, रेलवे सारिणी, महेश वंदना, राष्ट्रगीत समाज द्वारा संचालित गतिविधियों की सूची, समाज के भवनों का चित्र सहित आलेख, समाज के भवन में उलब्ध सुविधाओं की जानकारी, माहेश्वरी जाति की 72 मूल खांपों का विवरण, समाज पूर्व अध्यक्ष व मंत्री 1943 से 2019 तक की नाम सहित सूची आदि समाज की जानकारी का समावेश किया गया है। विमोचन समारोह में सत्यनारायण हेड़ा, दिलीपकुमार जाजू, सत्यनारायण तापड़िया, सत्यनारायण असावा, मुकेश काकाणी, विजय पोरवाल, पुरुषोत्तम भूतड़ा, गिरधारीलाल नवाल, श्यामसुंदर झंवर, रमेश अजमेरा, अमरचंद मूदड़ा, नरेश झंवर आदि मौजूद थे।

फागोत्सव का किया आयोजन

गुना. माहेश्वरी मंडल गुना द्वारा गत 16 मार्च को फाग उत्सव मनाया गया। फाग के गीतों के साथ गुलाल की होली खेली गई। जिसमें मंडल की पूर्व अध्यक्ष आशा राठी, उपमा राठी, पद्मा लाहोटी, रमा सूरजन सहित कई सदस्याएं मौजूद थीं।

अब सिर्फ टेलीग्राम पर चालू एमएमबी ग्रुप

सूरत. सूरत एमएमबी हाईटेक ग्रुप अब सिर्फ टेलीग्राम एप पर चालू है। उक्त जानकारी देते हुए ग्रुप एडमिन रामवतार साबू ने बताया कि जिसने भी टेलीग्राम ग्रुप अभी तक डाउनलोड नहीं किया है, वे कृपया तुरंत मोबाईल में टेलीग्राम डाउनलोड करके उन्हें 9377512471/9081112471 पर टेलीग्राम पर सूचित करें, ताकि ग्रुप से आपको जोड़ा जा सके। अगर टेलीग्राम डाउनलोड है लेकिन टेलीग्राम वाले ग्रुप में अभी तक एड नहीं हैं तो कृपया हमें 9377512471/9081112471 पर टेलीग्राम मैसेज कीजिए। इस ग्रुप में चार कैटेगरी में बच्चों के बायोडाटा डाले जा सकेंगे। जैसे सी1 में सीए या सीए पास लड़के/लड़कियां, सी 2 में बीई या बीटेक इंजीनियर डिग्री वाले बच्चे, सी 3 में एमबीए या अन्य पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री ले चुके बच्चे तथा सी 4 में डॉक्टर बच्चे जो एमबीबीएस या बीडीएस पास कर चुके हैं।

वरिष्ठ महिलाओं के साथ खुशियों के पल

मालेगांव. महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 8 मार्च को महिला दिवस के अवसर पर द्वितीय प्रोजेक्ट आयोजित हुआ। इसमें 40 वरिष्ठ महिलाओं के साथ में मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें उन्होंने अपना परिचय दिया। हमारे साथ फिल्मी गानों की अंताक्षरी, मन की बात व इस तरह अपने खट्टे-मीठे अनुभव हमारे साथ बांटे गए। उनकी कला कौशल को सराहा। अध्यक्ष सरिता बाहेती ने बताया कि इसमें शमा जाजू, अनिता कलंत्री, वंदना जाजू, सोनल काला, रत्ना लढ़ा, बीना भंडारी आदि का सहयोग रहा।

व्यवसायी काबरा की गोली मारकर हत्या

नाथद्वारा. नाथद्वारा के डिंगेला मार्ग पर व्यवसायी प्रदीप काबरा की अधजली लाश मिलने के बाद राजसमंद जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में उपअधीक्षक एवं वृत्त निरीक्षक टीम ने हत्या के मामले का पर्दाफाश कर आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। मौके पर मृतक के पिता घनश्याम काबरा से रिपोर्ट ली जाकर हत्या का मामला दर्ज किया गया व एफएसएल टीम एंव डॉग स्क्वॉड को बुलाया गया। थानाधिकारी को मामले में विशेष दिशा निर्देश दिए गए। पूरी रात नाथद्वारा पुलिस टीम ने गहनता से अनुसंधान कर संपूर्ण मामले का खुलासा किया तथा हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में राजसमंद माहेश्वरी समाज ने एकजुट होकर अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की थी।

फागोत्सव का किया आयोजन

भीलवाड़ा. काशीपुरी वकील कॉलोनी माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा राधा-कृष्ण मंदिर काशीपुरी में बड़े ही उत्साह के साथ राधा-कृष्ण की झांकी सजाकर ठाकुर जी के साथ फूलों से होली खेलकर फागोत्सव मनाया गया। अध्यक्ष गायत्री बिड़ला व सचिव शीला जागेटिया के नेतृत्व में आकर्षक झांकी सजाई गइ। भजन गायिका सुमन सोनी, सीमा सोनी व मधु काबरा द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। प्रस्तुति में बसंत बल्दवा, कल्पना सोनी, दिव्या सोनी, शशि बाला, संध्या नुवाल का भी सहयोग रहा।

डॉ. विमला भंडारी को मिले तीन सम्मान

उदयपुर. बाल साहित्य की साहित्यकार सलूंबर निवासी डॉ. विमला भंडारी को उनके कृतित्व और रचना धर्मिता के सामाजिक सरोकारों को लेकर 10 दिन के अंतराल में उदयपुर व जयपुर में विभिन्न मंचों पर भिन्न संस्थाओं द्वारा तीन बार सम्मानित किया गया। बिग एफ द्वारा आयोजित समारोह में एम 92.7, माउंट चाइल्ड जी स्कूल, अरावली फाउंडेशन, ब्ल्यू पंख होटल और स्पा, एम स्क्वायर, अलर्ट राजस्थान और पार्श्वकला जनसंपर्क, उदयपुर द्वारा विश्व महिला दिवस पर उन्हें वूमेन ऑफ सब्सटेंस 2019 सम्मान मिला। जयपुर की 'स्पंदन' महिला साहित्यिक एवं शैक्षणिक संस्थान एवं साहित्य समर्था-त्रैमासिक साहित्यिक पत्रिका द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें स्पंदन बाल साहित्यकार सम्मान से नवाजा गया। विश्व हिंदू परिषद, नई दिल्ली का राजभाषा क्षेत्रीय सम्मेलन उदयपुर में हुआ। समारोह में डॉ. भंडारी को राजभाषा सम्मान देकर नवाजा गया। उन्होंने 'हिंदी भाषी समाज की संस्कृति और सामाजिक सरोकार, संदर्भ बाल साहित्य' विषय पर उद्बोधन भी दिया।

होली स्नेह मिलन का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. विजयसिंह पथिक नगर माहेश्वरी समाज द्वारा गत 21 मार्च को होली स्नेह मिलन समारोह एवं फागोत्सव का कार्यक्रम संजय कॉलोनी माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया। मंत्री रविकुमार बाहेती ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत समाज के अध्यक्ष एवं मंत्री, महिला मंडल, युवा मंडल के अध्यक्ष, मंत्रियों द्वारा भगवान महेश को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन से किया गया। इसके बाद महिला मंडल द्वारा महेश वंदना प्रस्तुत की गई। महेश वंदना के पश्चात कई प्रतियोगिताएं एवं महिला मंडल द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। युवा संगठन द्वारा ठंडाई वितरण का प्रोग्राम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भामाशाहों को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को अतिथि प्रहलाद नुवाल, कैलाश मूंदड़ा, जगदीश जागा, शंभू काबरा, मुकेश काबरा, सत्यनारायण सोमानी, प्रदीप शारदा द्वारा पारितोषिक दिया गया। कार्यक्रम में रामपाल सोनी, रतनलाल नौलखा, कैलाश कोठारी, केदार जागेटिया, केदार गगरानी, सत्यनारायण डाड, ओम काल्या आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण सोमानी ने किया। कार्यक्रम के पश्चात समाज का सामूहिक भोजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महिला मंडल के चुनाव संपन्न

महू. श्री माहेश्वरी महिला मंडल के इस वर्ष 2019-20 के लिए मंडल अध्यक्ष किरण माहेश्वरी की अध्यक्षता एवं चुनाव अधिकारी कांता बियाणी की उपस्थिति में चुनाव कराए गए। सर्वसम्मति से अध्यक्ष उमा सोढानी, उपाध्यक्ष संगीता लड्ढा, सचिव संगीता सोढानी, सहसचिव रमिला मालानी, कोषाध्यक्ष सीता चिचाणी, प्रचार मंत्री रजनी सोढानी एवं कार्यकारिणी और परामर्शदाता मनोनीत किए गए।

क्लब उद्यान गोष्ठी का हुआ आयोजन

हावड़ा. माहेश्वरी क्लब का डांडिया समारोह उद्यान गोष्ठी के साथ संपन्न हुआ। नगाड़ों की थाप पर मनमोहक राजस्थानी लोकगीतों और डांडिया नृत्य के पश्चात मुंबई से आए कलाकारों द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में रमाशंकर झंवर, हरिकिशन राठी, दीनदयाल डागा, चेतनदास लड्ढा, बुलाकीदास मिमानी, इंद्रकुमार मोहता, जगमोहन डागा, घनश्याम करनानी, जगदीश दिग्गा, ब्रिजमोहन बाहेती, किशन सोनी सहित अतिविशिष्ट दो हजार लोगों ने माहेश्वरी क्लब के इस डांडिया कार्यक्रम का आनंद लिया।

लेखराज माहेश्वरी का सम्मान

जयपुर. केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति जुबिन्द ईरानी ने गत 25 फरवरी को यहां हस्तशिल्प उत्पादकता केंद्र और प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने वैश्य समाज के प्रमुख समाजसेवी तथा हैंडीक्रॉफ्ट के क्षेत्र में गत 50 वर्षों से कार्यरत लाखों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले हस्तशिल्प एवं हस्तकला के नायक लेखराज माहेश्वरी जयपुर को सामाजिक कल्याण हेतु प्रशस्ति-पत्र एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया। श्री माहेश्वरी हैंडीक्रॉफ्ट क्षेत्र में कार्य करने के साथ ही देश की विभिन्न संस्थाओं में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं तथा विभिन्न पदों पर रहे हैं। आप वर्तमान में ईपीसीएच में सीओ मेंबर हैं तथा पूर्व में चेयरमैन भी रह चुके हैं। माहेश्वरी समाज जयपुर के कार्यकारी सदस्य अभा माहेश्वरी महासभा (औद्योगिक एवं व्यापार विकास समिति), उपाध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन, मैनेजिंग कम मेंबर लघु उद्योग भारती राजस्थान, संगठन मंत्री-अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी फोरम, डायरेक्टर इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लि. ग्रेटर नोयडा, अध्यक्ष फेडरेशन ऑफ राजस्थान होम, टैक्सटाइल एंड हैंडीक्रॉफ्ट, कन्वीनर ऑल राजस्थान फेडरेशन ऑफ धूत माहेश्वरी समाज राजस्थान हैं।

> मुश्किलें सँदैव बेहतरीन लोगों के हिस्से में आती है क्योंकि वो लोग लोग ही उसे बेहतरीन तरीके से अंजाम देने की ताकत रखते हैं।

शिवा बनीं सीए

जोधपुर. प्रतिष्ठित सीए हरनारायण राठी व विमला राठी की सुपुत्री शिवा राठी ने सीए फाइनल की परीक्षाा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष जताया है।

मूट कोर्ट में निकुंज प्रथम

भोपाल. नीरज एवं प्रिया माहेश्वरी (भूतड़ा) के पुत्र निकुंज माहेश्वरी, इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ निरमा यूनिवर्सिटी के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी हैं। निकुंज ने यूनिवर्सिटी ऑफ बैंगलुरु द्वारा आयोजित 23वीं मूट कोर्ट कॉम्पीटिशन में अपने बेहतर लेखन सबमिशन से प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसमें समूचे देश के 28 कॉलेजों ने हिस्सा लिया था।

सावन राठी बने सीए

जोधपुर. समाज की प्रतिभा सावन राठी ने सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण की। सावन ख्यात सीए हरनारायण राठी व विमला राठी के सुपुत्र हैं। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष जताया है।

मयंक ने किया एमबीबीएस

वरंगल. तेलंगाना के निवासी पुरुषोत्तम सुनीता मूंदड़ा के सुपुत्र एवं स्व. श्री सत्यनारायण के सुपौत्र मयंक मूंदड़ा ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रतिभा का परचम फहराते हुए चलमेड़ा मेडिकल कॉलेज करीमनगर से प्रथम प्रयास में एमबीबीएस की परीक्षा उत्तीर्ण की है। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

राशि बनीं सीए

हावड़ा. समाज सदस्य घनश्याम व अपर्णा बिन्नानी की सुपुत्री तथा समाज के वरिष्ठ मोतीचंद-काशीदेवी बिन्नानी की पौत्री राशि बिन्नानी ने सीए फाइनल की परीक्षा 56 प्रतिशतों अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

शुभम ने किया एमबीबीएस

वरंगल. तेलंगाना के निवासी अशोक अलका जाजू के सुपुत्र शुभम जाजू ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रतिभा का परचम फहराते हुवे ममता मेडिकल कॉलेज खम्मम से प्रथम प्रयास में एमबीबीएस की परीक्षा में सफलता अर्जित की है। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

फिर लिखेगी सफलता का नया इतिहास
3000 से अधिक रिश्ते जोड़ने के पश्चात अब

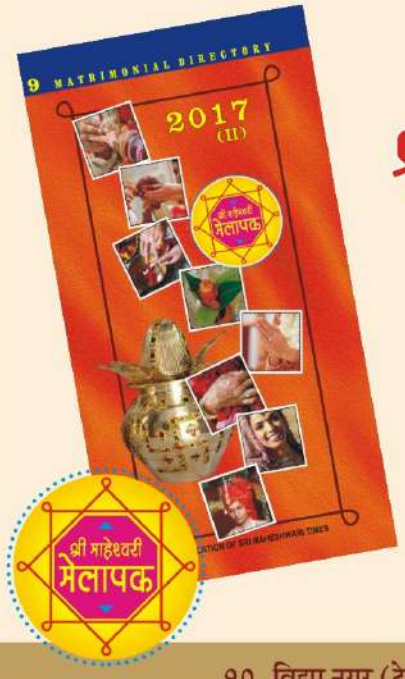

श्री माहेश्वरी मेलापक

(माहेश्वरी समाज की विश्व स्तरीय डायरेक्ट्री)

विवाह योग्य युवक–युवतियों की
विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री 2018

जिसमें आपको मिलेंगे आपके अनुरूप रिश्ते
प्रोफेशनल व हाइटेक युवक–युवतियों की
पहली पसन्द

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मोबाइल : 094250-91161
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

भारतीय नववर्ष की शुरुआत गुड़ी पड़वा से होती है। यह गणना पूर्ण वैज्ञानिक है। इस बार नव विक्रम संवत 2076 प्रारंभ होने जा रहा है। जिसकी शुरुआत गुड़ी पड़वा 6 अप्रैल 2019 को होगी।

सुस्वागत नव विक्रम संवत् -२०७६

टीम SMT

विक्रम संवत की शुरुआत 57 ईसवी पूर्व में हुई थी। सम्राट विक्रमादित्य द्वारा शकों पर विजय प्राप्त करने की स्मृति में इस दिन आनंदोत्सव मनाया जाता था। सम्राट विक्रमादित्य ने इस संवत्सर की शुरुवात की थी, इसीलिए उनके नाम से ही इस संवत का नामकरण हुआ है। इस नववर्ष के स्वागत उत्सव को भारत के विभिन्न प्रांतों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है-जैसे कि महाराष्ट्र में 'गुड़ी पाड़वा', जम्मू-कश्मीर में 'नवरेह', सिंधियों में 'चेटीचंद', केरल में 'विशु', असम में 'रोंगली बिहू', आंध्र, तेलंगाना तथा कर्नाटक में 'उगादी' और मणिपुर में 'साजिबू नोंग्मा पन्बा चैराओबा'। वर्तमान में उत्तर भारत में भी गुड़ी पड़वा पर्व मनाया जा रहा है।

सृष्टि का शुभारंभ पर्व भी है गुड़ी पड़वा

चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को ही गुड़ी पड़वा कहते हैं। इस दिन से हिंदू नववर्ष का आरंभ होता है। इस बार यह पर्व 6 अप्रैल 2019 को है। गुड़ी का अर्थ है विजय पताका। कहा जाता है कि इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसी दिन से नया संवत्सर भी शुरू होता है। अतः इस तिथि को 'नवसंवत्सर' भी कहते हैं। इसी दिन से चैत्र नवरात्रि का आरंभ भी होता है। चैत्र ही एक ऐसा महीना है, जिसमें वृक्ष तथा लताएं फलते-फूलते हैं। शुक्ल प्रतिपदा का दिन चंद्रमा की कला का प्रथम दिवस माना जाता है। जीवन की मुख्य आधार वनस्पतियों को सोमरस चंद्रमा ही प्रदान करता है। अतः इसे औषधियों व वनस्पतियों का राजा भी कहा गया है और इसीलिए इस दिन को वर्षारंभ माना जाता है।

ऐसे करें नववर्ष का स्वागत

गुड़ी पड़वा को हिंदू नववर्ष की शुरुआत माना जाता है, यही कारण है कि हिंदू धर्म के सभी लोग इसे अलग-अलग तरह से पर्व के रूप में मनाते हैं। सामान्य तौर पर इस दिन हिंदू परिवारों में गुड़ी का पूजन कर इसे घर के द्वार पर लगाया जाता है और घर के दरवाजों पर आम के पत्तों से बना बंदनवार सजाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह बंदनवार घर में सुख-समृद्धि और खुशियां लाता है। गुड़ी पड़वा के दिन खास तौर से हिंदू परिवारों में पूरनपोली नामक मीठा व्यंजन बनाने की परंपरा है, जिसे घी और शक्कर के साथ खाया जाता है। मराठी परिवारों में इस दिन खास तौर से श्रीखंड बनाया जाता है और अन्य व्यंजनों व पूरी के साथ परोसा जाता है। आंध्र में इस दिन प्रत्येक घर में पच्चड़ी प्रसाद बनाकर बांटा जाता है। गुड़ी पड़वा के दिन नीम की पत्तियां खाने का भी विधान है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर नीम की कोपलें खाकर गुड़ खाया जाता है। इसे कड़वाहट को मिठास में बदलने का प्रतीक माना जाता है।

सुखद भविष्य की करें कामना

संवत्सर-चक्र के अनुसार सूर्य इस ऋतु में अपने राशि-चक्र की प्रथम राशि मेष में प्रवेश करता है। इस समय के दौरान जलवायु और सौर प्रभावों का एक महत्वपूर्ण संगम होता है। चैत्र नवरात्रि के दौरान उपवास करके शरीर को आगामी ग्रीष्म ऋतु के लिए तैयार किया जाता है। इस समय हमारे शरीर में नए रक्त का निर्माण और संचार होता है। नवसंवत्सर के दिन नीम की कोमल पत्तियों और ऋतु काल के पुष्पों का मिश्रण बनाकर उसमें काली मिर्च, नमक, हींग, मिश्री, जीरा और अजवाइन मिलाकर खाने से रक्त विकार, चर्मरोग आदि शारीरिक व्याधियां होने की आशंका नहीं रहती है तथा वर्षभर हम स्वस्थ और रोग मुक्त रह सकते हैं। नया संवत्सर प्रारंभ होने पर भगवान की पूजा करके प्रार्थना करनी चाहिए। "हे भगवान! आपकी कृपा से मेरा वर्ष कल्याणमय हो, सभी विघ्न बाधाएं नष्ट हों"। दुर्गाजी की पूजा के साथ नूतन संवत की पूजा करें। घर को वंदनवार से सजाकर पूजा का मंगल कार्य करें। कलश स्थापना और नए मिट्टी के बरतन में जौ बोएं और अपने घर में पूजा स्थल में रखें।

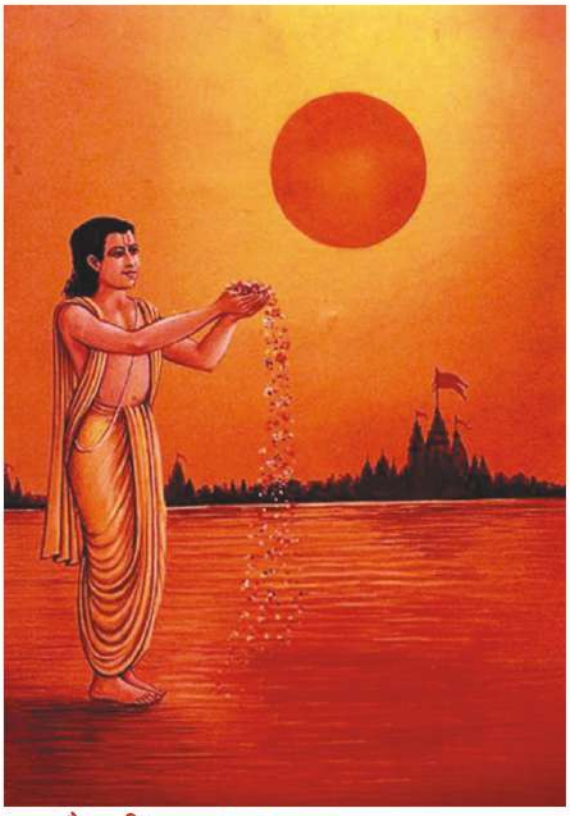

क्या है गुड़ी पड़वा का महत्व

● गुड़ी पड़वा का पर्व चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाता है। इसे वर्ष प्रतिपदा या उगादि भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि गुड़ी पड़वा यानि वर्ष प्रतिपदा के दिन ही ब्रह्माजी ने संसार का निर्माण किया था। इसलिए इस दिन को नवसंवत्सर यानि नए साल के रूप में मनाया जाता है।

● हिंदू पंचांङ्ग का आरंभ भी गुड़ी पड़वा से ही होता है। कहा जाता है कि महान गणितज्ञ-भास्कराचार्य द्वारा इसी दिन से सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन, मास और वर्ष की गणना कर पंचांङ्ग की रचना की गई थी।

● गुड़ी पड़वा शब्द में गुड़ी का अर्थ होता है विजय पताका और पड़वा प्रतिपदा को कहा जाता है। गुड़ी पड़वा को लेकर यह मान्यता है, कि इस दिन भगवान श्रीराम ने दक्षिण के लोगों को बाली के अत्याचार और शासन से मुक्त किया था, जिसकी खुशी के रूप में हर घर में गुड़ी अर्थात विजय पताका फहराई गई। आज भी यह परंपरा महाराष्ट्र और कुछ अन्य स्थानों पर प्रचलित है, जहां हर घर में गुड़ी पड़वा के दिन गुड़ी फहराई जाती है।

● इस दिन से संवत्सर का पूजन, नवरात्र घटस्थापन, ध्वजारोपण, वर्षेश का फल पाठ आदि विधि-विधान किए जाते हैं। चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा वसंत ऋतु में आती है। इसमें संपूर्ण सृष्टि में सुंदर छटा बिखर जाती है। सूर्य, चंद्रमा की गति के अनुसार ही तिथियां भी उदय होती हैं।

● मान्यता है कि इस दिन दुर्गाजी के आदेश पर ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना की थी। इस दिन दुर्गा जी के मंगलसूचक घट की स्थापना की जाती है।

● कहा जाता है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य रूप में अवतार लिया था।

● सूर्य में अग्नि और तेज हैं और चंद्रमा में शीतलता, शांति और समृद्धि का प्रतीक सूर्य और चंद्रमा के आधार पर ही सायन गणना की उत्पत्ति हुई है।

● स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए नीम की कोपलों के साथ मिश्री खाने का भी विधान है। इससे रक्त से संबंधित बीमारी से मुक्ति मिलती है।

● एक प्राचीन मान्यता है कि आज के दिन ही भगवान श्रीराम जानकी माता को लेकर अयोध्या लौटे थे। इस दिन पूरी अयोध्या में भगवान के स्वागत में विजय पताका के रूप में ध्वज लगाए गए थे। इसे ब्रह्म ध्वज भी कहा गया।

● एक अन्य मान्यता है श्री विष्णु ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही प्रथम जीव अवतार (मत्स्यावतार) लिया था।

● यह भी मान्यता है कि शालीवाहन ने शकों पर विजय आज के ही दिन प्राप्त की थी इसलिए शक संवत्सर प्रारंभ हुआ।

● मराठी भाषियों की एक मान्यता यह भी है कि मराठा साम्राज्य के अधिपति छत्रपति शिवाजी महाराज ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही हिंदू पदशाही का भगवा विजय ध्वज लगाकर हिंदवी साम्राज्य की नींव रखी।

नमामि तव वीर...

अनिकेत तापड़िया
वर्धा

भारत वंदे मातरम
नमामि तव विर सुतंङ
आज दुःख के बादलों से एक खुशी की किरण आई,
जब यह खबर सामने आई
हमारे तीस के बदले तीन सौ मार आए हैं,
भारत माता के बेटे फिर झंडे गाड़ आए हैं,
बदला लेने का अनोखा जोश था,
पर इंसानियत का भी पूरा होश था,
सिर्फ मारा उन्हें जिन्होंने तोप उठाई,
औरों को तो हमने खरोंच तक ना लाई,
नियती का खेल कहो या संजोग प्यारा,
वीरों के बलिदान को आज दिन हुए बारह,
एक ओर हो रहा था इनका श्राद्ध तर्पण,
उसी दिन आतंकियों को मां भारति को किया अर्पण,
स्वर्ग में बैठे उन वीरों के मन में भी लहर उठी होगी,
हमारी वीरता पर ये मिसाल अनूठी होगी,
आज श्रद्धांजलि, सांत्वना, और तुम्हारे प्रेम भाव निखर गए,
जब उन आतंकियों के चिथड़े धरा पर बिखर गए,
नासमझ, समझ जा अभी वक्त है,
हमारे इरादे अहिंसा के अभी सख्त हैं,
याद रख अब ना कोई साजिश ना कोई कोशिश हो पाएं
कहीं हम हमारी तहजीब भूल ना जाएं
शराफत से रहो अदब और अमन से,
वरना नामोनिशान मिट जाएगा दुनिया के चमन से,
आज जो हुआ वो बदला ही नहीं चेतावनी भी है,
अन्यथा दूसरी भाषा भी हमें आती है,
गैरों के भरोसे उड़ना छोड़ो
अभी वक्त है झुककर रिश्ता जोड़ो
रोज के दंगे क्या हासिल कराएंगे,
खैर...! कितना भी समझाओ 'लाला' ये नहीं समझ पाएंगे।

गणगौर पर्व राजस्थानी संस्कृति का एक विशिष्ट पर्व है। इस पर्व पर सुहागिनें शिव व पार्वती से अखंड सौभाग्य की कामना करती है। माहेश्वरी समाज में भी इसका अपना महत्व है।

डॉ. सतीश राठी, रायपुर

ईशर–गौरी से सौभाग्य की कामना

गणगौर–तीज

भारतवर्ष में अन्य तीज-त्यौहारों की भांति गणगौर तीज का भी बड़ा महत्व है। सदियों से राजस्थान वासियो द्वारा गणगौर त्योहार बड़े ही धूमधाम के साथ मानाया जाता है। गणगौर 'गण' और 'गौर' शब्दों के मेल से बना है। ''गण'' का अर्थ ''शिव'' और ''गौर'' का अर्थ ''पार्वती'' से किया जाता है परंतु लोक जीवन में गणगौर का अर्थ पार्वती तक सीमित रह गया है। शिव के स्थान पर ईसर शब्द प्रचलित है। ऐसे गणगौर को और भी कई नाम गवरल, गवरजा, गौंरा, गौरादे, गवरी से भी जाना जाता हैं माना जाता है कि गणगौर पूर्वजन्म में सती और ईसर महादेव थे। सती 18 दिन की साधना के बाद गौरी रूप में पुनः जीवित हुई, इसलिए यह त्यौहार 18 दिनों तक पूजने का क्रम आज तक चला आ रहा है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव ने अंततः पार्वती की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें अक्षय सौभाग्य का वरदान दिया और पार्वती ने अपनी सहज करूणा से इस विधि विशेष को संपूर्ण नारी जाति के लिए सौभाग्यशाली विधि के रूप में प्रचलित कर दिया तभी से यह त्यौहार चैत्र बदी प्रतिपदा से चैत्र सुदी तृतीया तक यानी 18 दिनों तक मनाया जाता है।

पूरे देश में देवी पूजन

भारत में देवी शक्ति स्वरूपा सती, भगवती, पार्वती, उमा, अम्बिका, भवानी, जगदम्बे, गवरजा आदि आदि हैं। विभिन्न प्रांतों में गौरी स्वरूपों और पूजा में भी अंतर दृष्टव्य है। जैसे बंगाल में काली पूजा, महाराष्ट्र में गौरी पूजा, गुजरात में अम्बा, राजस्थान में गणगौर। पार्वती का गौरी रूप भारतीय पौराणिक कथाओं में सुहाग की कामना के लिए विशेष रूप से वर्णित है। जनक सुता सीताजी ने पुष्पवाटिका में गौरी की पूजा करके उनसे मनोनुकूल वर और सौभाग्य की याजना की थी। रूक्मणी ने विवाह पूर्व गौरी की पूजा कर प्रार्थी की कि अम्बिका, माता ऐसा आशीर्वाद दीजिए कि भगवान कृष्ण ही मेरे पति हों। शायद यही भाव रखते हुए गणगौर का पूजन सभी कुंवारी कन्याएं, नवविवाहित वधुएँ व सुहागिन स्त्रियाँ सामूहिक रूप से पूजन करती है। गणगौर का पूजन और व्रत कुंवारी कन्याएं सुयोग्य, मनवांछित पति, स्वस्थ सबल परिवार, उत्तम ससुराल और उज्ज्वल भविष्य पाने की कामना से करती है सौभाग्यवती स्त्रियाँ अपने सुहाग की अखंडता और समस्त श्रीवृद्धि की कामना से करती है।

राजस्थानी का स्वाभाविक विनोद शामिल

'खेलण दो गणगौर' भंवर म्हाने पूजन दो गणगौर- इस प्रसिद्ध गीता में गवर का खेलना पूजने से पहले आता है इसीलिए होता है गवर पूजने की पद्धति धार्मिक क्रिया से ज्यादा खेलने जैसी है, बालिकाएँ गवरजा को माता नहीं, बहन मानती है और ईसरजी की साली बनकर उनसे हंसी ठिठोली करती हैं। इन लोग गीतों के माध्यम से कन्याओं में स्कूली शिक्षा के प्रति जागृति जागने जैसा हैं गवरजा बाई चले स्कूल, लगा के फूल, बगल में बस्त, यह गीत कुछ यही प्रेरणा देता है। इनके पूजन के समय गाये जाने वाले गीतों में संगीत का माधुर्य, स्त्री सौंदर्य, साथ ही सामाजिक गूढ़-अर्थ छिपे होते हैं। गवर पूजने के अधिकांश गीत 10-15 पंक्तियों के होते हैं जिन्हें लड़कियाँ पारिवारिक नाम लेकर बार-बार गाती है जो संगीत शिक्षा का वैज्ञानिक रूप ही है। कन्याओं में स्पर्धा होती है सर्वश्रेष्ठ हरे-भरे सुंदर जवारे उगाने की।

नारी की व्यवहारिक शिक्षा का समावेश

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में यह व्यवहारिक शिक्षा का सुंदर रूप है। आठवें दिन ईसर जी पधारते हैं और बालिकाएँ मेहमान-नवाजी की उत्तम शिक्षा प्राप्त करती है। लड़कियाँ स्वयं सजती और गणगौर का भी नखशिख शृंगार करती है। शृंगार के माध्यम से सांस्कृतिक स्त्री-सुलभ शिक्षा अनजाने में पा सकती हैं। घूड़ले से प्राप्त नगद राशि से गोठ करना पैसे का सदुपयोग सिखाता हैं साथ ही आपस में मेल-जोल का माध्यम होता है। चौक मांडना, फलड़े चूनना, गर बनाना, घूड़ले घुमाना इन सभी में व्यवहारिक शिक्षा का ही समावेश है। यह त्यौहार बालिकओं का 18 दिवसीय प्रशिक्षण शैक्षणिक शिविर है, जिसमें प्रतिवर्ष नन्हीं-नन्हीं बालिकाएँ सम्मिलित होती है व विवाह तक शिक्षित होकर सुघड़ गृहिणी का रूप ले लेती है। आज के बदलते परिवेश में स्पर्धा के युग में इसका स्वरूप बदलता जा रहा है। स्कूली शिक्षा के बोझ के कारण लड़कियाँ इस मौलिक शिक्षा से वंचित रह जाती है। सभी जागरुक माताओं को इस ओर ध्यान देना चाहिए व सुविधानुसार सांस्कृतिक मूल्यों को समझते हुए बालिकाओं को गणगौर पूजने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा काल्या ट्रस्ट

समाज का चाहे कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम हो या खेल स्पर्धा, जब प्रतियोगी अपना प्रदर्शन करते हैं तो हर कोई तारीफ किये बिना नहीं रहता। इन प्रतिभाओं को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का खुला आकाश देने के लिये एक ट्रस्ट के गठन की अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन ने घोषणा की थी। यह घोषणा ''काल्या ट्रस्ट'' अर्थात ''श्री बसंतीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउण्डेशन ट्रस्ट'' के रूप में मूर्त रूप ले चुकी है। यह खेल, कला, साहित्य तथा संस्कृति आदि क्षेत्रों में युवाओं की प्रतिभा को निखारकर उन्हें प्रोत्साहित करेगा।

गुलाबपुरा में आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा युवाओं को खेल, कला, साहित्य, सांस्कृतिक क्षेत्र में प्रोत्साहित करने हेतु 1 करोड़ रुपए की राशि के 'श्री बसंतीलाल मनोरमादेवी काल्या अभा माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' ट्रस्ट का गठन गत 1 मार्च को किया गया। ट्रस्ट के मुख्य दानदाता काल्या परिवार के बसंतीलाल-राजकुमार सुमित काल्या हैं। उक्त ट्रस्ट की विधिवत घोषणा युवा संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक ईनानी द्वारा गई। ट्रस्ट के मुख्य दानदाता परिवार के अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या ने अपने उद्बोधन में बताया कि सत्र की शुरुआत से ही युवाओं की आशाओं, अपेक्षाओं और उनके सपनों को साकार करने के उद्देश्य से कार्ययोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है। इस क्रम में युवाओं के शैक्षणिक विकास, व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि तथा रोजगार के अवसरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही खेल, कला, साहित्य एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में माहेश्वरी युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। इसी क्रम में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा अनुमोदित 'श्री बसंतीलाल मनोरमादेवी काल्या अभा माहेश्वरी युवा फाउंडेशन का एक करोड़ रुपए की राशि के ट्रस्ट का गठन किया गया है। उक्त ट्रस्ट के माध्यम से खेल, कला, साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर एवं आर्थिक सहयोग प्रदान करके अच्छे अकेडमी सेंटर व ट्रेनिंग सेंटर में ट्रेनिंग दिलाई जाएगी। इसमें ऐसे प्रयास किए जाएंगे कि माहेश्वरी युवा साथियों की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की अपील

गुलाबपुरा में आयोजित उक्त कार्यक्रम में समाज के युवाओं के सर्वांगीण विकास पर व्यापक चिंतन हुआ। न सिर्फ इस ट्रस्ट का ही गठन किया बल्कि विकास के और भी आयाम तलाशे गए। युवा संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण सोमानी व पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री नारायण मालपानी ने आह्वान किया कि सभी युवा साथियों को इस ट्रस्ट से जुड़कर युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए। ट्रस्ट के मुख्य दानदाता बसंतीलाल काल्या ने अतिथियों का अभिनंदन ज्ञापित किया। राहुल रमेश मनिहार ने युवा संगठन द्वारा उत्पत्ति स्थल लोहार्गल धाम में बनाए जा रहे भव्य भवन को समाज के लिए एक उपलब्धि बताया। प्रदेश अध्यक्ष सीपी नामधराणी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त जानकारी अध्यक्षीय कार्यालय मंत्री शिवकुमार कास्ट ने देते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम में राजस्थान के सभी प्रदेशों के पदाधिकारी, जिले के सभी तहसीलों के पदाधिकारी, भीलवाड़ा नगर एवं क्षेत्रीय संगठन एवं जिला भीलवाड़ा, जिला चित्तौड़गढ़, जिला अजमेर जिला एवं तहसील एवं विजय नगर के युवा व समाजबंधुओं ने भाग लिया।

कई सेवा प्रकल्प का ला रहा है युवा संगठन

युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व इस ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी राजकुमार काल्या ने बताया कि "श्री बसंतीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' ट्रस्ट" का महासभा की अनुमति से 1 मार्च 2019 को विधिवत गठन किया गया। गठन पश्चात मात्र 5 दिवस में ही 30 ट्रस्टियों द्वारा ट्रस्टी बनने की स्वीकृति प्रदान की। अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन का महत्वपूर्ण प्रकल्प लोहार्गल धाम में निर्माणाधीन भवन का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है तथा जिसका लोकार्पण 15-16 जून 2019 को किया जा रहा है। साथ ही एक भव्य मंदिर का निर्माण भी शीघ्र ही शुरू किया जाएगा। चारधाम में कार्यसमिति बैठक आहूत करने के क्रम में आगामी बैठक 20 व 21 अप्रैल को 2019 को जगन्नाथपुरी धाम में नवम कार्यसमिति बैठक आहूत की जा रही है। इसी क्रम में दशम कार्यसमिति बैठक भारत से बाहर 13 से 18 मई 2019 को आयोजित की जा रही है। चतुर्थ कार्यकारी मंडल तथा एकादश कार्यसमिति बैठक 15, 16 जून 2019 को लोहार्गल धाम में लोहार्गल धाम महेश्वरी भवन के लोकार्पण के साथ आयोजित की जाएगी।

साक्षात्कार

'युवाओं का सर्वांगीण विकास ही हमारा लक्ष्य' - काल्या

अभा माहेश्वरी युवा संगठन समाज के युवा वर्ग के चहुंमुखी विकास के लिए कार्य कर रहा है। इसी के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्र की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करके तथा उनकी प्रतिभा को प्रशिक्षण द्वारा और अधिक निखारकर वह युवाओं को विकास का खुला आकाश देना चाहता है। आईये जानें युवा संगठन अध्यक्ष राजकुमार काल्या की जुबानी क्या करना चाहता है युवा संगठन?

युवा संगठन युवा वर्ग के सर्वांगीण विकास की योजना पर कार्य करने का दावा करता रहा है। अभी तक संगठन ने ऐसा क्या किया है, जिससे युवा वर्ग प्रोत्साहित हो सके?

संगठन द्वारा इस सत्र की शुरुआत से ही युवाओं की आशाओं, अपेक्षाओं और उनके सपनों को साकार करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्ययोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है। इस क्रम में युवाओं के शैक्षणिक विकास, व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि तथा रोजगार के अवसरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही खेल, कला, साहित्य एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में माहेश्वरी युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।इसी क्रम में देवी अहिल्या की नगरी इंदौर में खेल महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ था, जिसमें युवावर्ग ने उत्साह के साथ भाग लिया था।

इस खेल महोत्सव के दौरान आपने खेल, क्रीड़ा, कला, साहित्य तथा संस्कृति के क्षेत्र में युवाओं के विकास के लिए ठोस कदम उठाने की घोषणा की थी? इस घोषणा का क्या हुआ?

अरे भाई, अभी-अभी 1 करोड़ रुपए की लागत से श्री बसंतीलाल मनोरमादेवी काल्या अभा माहेश्वरी युवा फाउंडेशन ट्रस्ट का गठन हुआ

है, वह इसी के लिए तो हुआ है। ट्रस्ट द्वारा खेल, कला, साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर एवं आर्थिक सहयोग प्रदान करके अच्छे अकेडमी सेंटर व ट्रेनिंग सेंटर में ट्रेनिंग दिलाई जाएगी जिससे उनकी प्रतिभा निखरेगी। इसमें ऐसे प्रयास किए जाएंगे कि माहेश्वरी युवा साथियों की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

इस ट्रस्ट के गठन में आर्थिक व्यवस्था में भी काफी परेशानी आई होगी?

ऐसा नहीं है। हमारा समाज तो वैसे भी डोनर समाज है। और फिर जब बात समाजहित की हो तो कोई कमी नहीं रहती। इस ट्रस्ट में लगभग 1 करोड़ रुपए की प्रारंभिक सहयोग राशि तो हमारे परिवार ने प्रदान की ही है। समाज का इतना उत्साह रहा कि मात्र 5 दिनों में 30 से अधिक ट्रस्टी बन चुके हैं और इसमें सहयोगियों की संख्या सतत रूप से बढ़ती ही जा रही है। अतः इस प्रोजेक्ट में कोई आर्थिक परेशानी आएगी ऐसा नहीं लगता।

संगठन की युवाओं के विकास के लिए और भी कौन-कौन सी भावी योजनाएं हैं? इनका क्रियान्वयन कैसे होगा?

अभा युवा संगठन द्वारा राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम 'कौन बनेगा सुपरस्टार' बैंगलुरु में 9, 10,11 अगस्त 2019 को आयोजित किया जा रहा है। साथ ही पंचम कार्यकारी मंडल बैठक एवं द्वादश कार्यसमिति बैठक भी सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ आयोजित की जा रही है। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा उनके व्यापार और व्यवसाय में वृद्धि करने के लिए जल्द ही एक मोबाइल एप भी लांच किया जा रहा है। हमारे द्वारा समय-समय पर युवा शिक्षा रत्न, रक्तदान शिविर, योग शिविर, पर्यावरण संरक्षण आदि से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं तथा पदाधिकारियों द्वारा सतत देशभर में भ्रमण किया जा रहा है। वर्ष 2019 में ही स्थानीय, तहसील, जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल सदस्यों की एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी।

समाज की घटती जनसंख्या को देखते हुए हम दो हमारे तीन का नारा दिया गया है, इस बारे में आपका क्या कहना है?

समाज की घटती जनसंख्या वास्तव में समाज की सबसे विकट समस्या है। यदि यही स्थिति रही तो हम अपना अस्तित्व ही खो देंगे। अतः इस बारे में महासभा ने जो चिंतन किया, वह सराहनीय है। हमें महासभा द्वारा जो निर्देश प्राप्त होंगे उन पर तो काम करेंगे ही, साथ ही इस लक्ष्य में जो बाधाएं होंगी उन्हें दूर करने पर भी कार्य करेंगे।

रोचक जानकारी

नेशनल हाईवे की सड़कों के बीच में सफेद पट्टी अलग-अलग तरीके से क्यों लगी होती है? वहां तीन अलग लाईन होती है। और वे अलग-अलग संकेत देती हैं।

▸▸ अगर लाईन बीच बीच से कटी है, मतलब, आप ओवरटेक कर सकते हैं।

▸▸ अगर लाईन लगातार बनी है, मतलब, आपका ओवरटेक करना कुछ रिस्की हो सकता है।

▸▸ अगर लाईन डबल है तो आप ओवरटेक भूलकर भी नहीं करें ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है ।

▸▸ घोड़े के दोनों आगे के पैर हवा में हों तो सम्मानित व्यक्ति युद्ध में बलिदान हुआ है।

▸▸ घोड़े का आगे का एक पैर हवा में हो तो युद्ध में प्राप्त जख्म के कारण सम्मानित व्यक्ति की मृत्यु हुई है।

▸▸ घोड़े के चारो पैर जमीन पर हों तो : प्राकृतिक कारण से सम्मानित व्यक्ति की मृत्यु हुई है।

संकलनकर्ता : गोवर्धनदास बिन्नाणी, बीकानेर

अपील

भूजल की कमी होना, चिंताजनक

पानी की कमी कई गांवों में अभी से शुरू हो गई है। आने वाले भविष्य में पानी की कमी को देखते हुए व किसानों को भी पानी की कमी हो रही है। अगर आप, हम, सब पानी के लिए अभी से नही संभलें तो भविष्य मे विकराल समस्या से कोई नही बचा सकता है। पानी का संकट सभी को उठाना पड़ेगा विगत सालों से बारिश की कमी दिखाई दे रही है। वहीं भूजल का ग्राफ भी नीचे जा रहा है, यह एक चिंता का विषय है। इसके साथ ही किसानों की फसल पर फर्क भी होगा। अतः पानी की व्यर्थ फिजुलखर्ची व अनावश्यक उपयोग नहीं रोका गया तो बड़ी समस्या होगी ओर इसके लिये बारिश का होना जरूरी है उसके लिए पेड़ जरूरी हैं कई पेड़ कट गए हैं। अगर सभी जगहो पर सभी लोगो ने पेड़ लगाने का संकल्प करके पेड़ नहीं लगाए और पानी के दुरुपयोग को एवं व्यर्थ फिजूलखर्ची को नहीं रोका गया तो हम सभी को विकट समस्या से नहीं बचाया जा सकता है ओर ना ही मूक पशुओं को। ना तो पानी बनाया जा सकता है, और ना ही इसका कोई विकल्प है।

- राजेंद्र माहेश्वरी, हरदा

माहेश्वरी महिला साहित्यकारों को पुरस्कृत करेगा चांडक रिसर्च फाउंडेशन

अकोला की सेवा संस्था श्रीमती बसंतीबाई लक्ष्मीनारायण चांडक रिसर्च फाउंडेशन ने साहित्य के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान के लिए प्रतिवर्ष साहित्य पुरस्कार शुरू करने की घोषणा की है। चांडक फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी श्याम चांडक ने बताया कि माहेश्वरी समाज से आने वाली महिलाएं इस साहित्य पुरस्कार के लिए पात्र होंगी। इस पुरस्कार में 1 लाख रुपए की राशि व 100 ग्राम चांदी का सिक्का सम्मान स्वरूप दिया जाएगा। इस पुरस्कार के लिए 30 सितंबर तक माहेश्वरी महिला लेखिकाएं अपनी रचनाएं भेज सकती हैं। पुरस्कार चयन की घोषणा 31 अक्टूबर को होगी। पुरस्कार संबंधी अधिक जानकारी हेतु रमेश परतानी हैदराबाद, श्याम चांडक अकोला तथा भगवती बल्दवा हैदराबाद से संपर्क किया जा सकता है।

अभी तक माहेश्वरी महिला साहित्यकारों को सम्मानित कर प्रोत्साहित करने की समाज में कोई व्यवस्था नहीं थी, लेकिन अब इनका सम्मान प्रतिवर्ष होगा। इसका बीड़ा उठाया है, 30 वर्षों से चिकित्सा क्षेत्र में सेवारत अकोला की संस्था 'श्रीमती बसंतीबाई लक्ष्मीनारायण चांडक रिसर्च फाउंडेशन' ने।

नारी सम्मान के लिए लिया यह निर्णय

लंबे समय से माहेश्वरी समाज की महिला साहित्यकारों के प्रोत्साहन के लिए एक मंच की आवश्यकता महसूस हो रही थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठ पाया। इसी आवश्यकता की पूर्ति के लिए श्रीमती बसंतीबाई लक्ष्मीनारायण चांडक रिसर्च फाउंडेशन द्वारा यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। फाउंडेशन विगत 30 वर्षों से चिकित्सा सेवा क्षेत्र में सक्रिय है। अब साहित्य के क्षेत्र में सेवारत महिलाओं के लिए भी कार्य करना चाहता है। पुरस्कार चयन के लिए संयोजक रमेश परतानी की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी सभा भी पुरस्कार चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। श्री चांडक ने बताया कि माहेश्वरी समाज में इस प्रकार का महिलाओं के लिए दिया जाने वाला यह पहला पुरस्कार होगा। अभा माहेश्वरी सभा के सभापति श्याम सोनी ने भी इस कदम की सराहना करते हुए अपना योगदान देने का आश्वासन दिया।

ऐसे हुई थी ट्रस्ट की स्थापना

समाज के कमजोर एवं गरीब मरीजों को मुफ्त में आरोग्य चिकित्सा सेवा देने हेतु अकोला निवासी लक्ष्मीनारायण चांडक ने 1988 में श्रीमती बसंतीबाई लक्ष्मीनारायण चांडक रिसर्च फाउंडेशन एवं चेरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की थी। अकोला माहेश्वरी समाज के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में उनके सुपुत्र श्याम चांडक ने अनेक सेवाभावी उपक्रम में अपना योगदान दिया। ट्रस्ट की स्थापना पश्चात बसंतीबाई अस्पताल की नींव रखी। शुरुआत में अकोला नेत्र अस्पताल के माध्यम से दूरदराज के गांव से आने वाले निर्धन जरूरतमंद गरीब परिवार के मरीजों के लिए निःशुल्क नेत्र शिविर लगाकर मरीजों के निःशुल्क नेत्र उपचार शुरू किए। पिछले 30 वर्षों में हजारों मरीजों की आंखों के ऑपरेशन करवाकर उन्हें दृष्टिदान का पुण्यकर्म ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है। 25 साल की नेत्र सेवा के बाद ट्रस्ट ने अपनी सेवा का विस्तार करने का निर्णय लेकर इसी अस्पताल में डायलिसीस सेवा शुरू की है।

90 फीसदी मरीजों को निःशुल्क सेवा

बसंतीबाई ट्रस्ट द्वारा मेडिकल सेवा के अलावा हर साल स्कूली लड़कियों के लिए 10 छात्रवृत्ति दी जाती हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली गरीब छात्राओं को हर साल 4500 नोट बुक का निःशुल्क वितरण किया जाता है। अकोला के महात्मा फुले विद्यालय के 3 मेरिट छात्रों का सम्मान भी किया जाता है। ट्रस्टवार सरकारी आरोग्य जीवनदायिनी योजना में भी 600 मरीजों का प्रतिमाह मुफ्त में डायलिसीस किया जाता है। हर साल पितृपक्ष के 15 दिन हर रोज 200 से ज्यादा मरीज तथा गरीबों को मुफ्त भोजन दिया जाता है। ट्रस्ट ने हैदराबाद में स्वर्गवाटिका श्मशाम घाट पर एक सभागृह का निर्माण करवाया है। ट्रस्ट अध्यक्ष श्याम चांडक के अनुसार भविष्य में डायलिसीस सेंटर का और विस्तार कर 18 से 35 डायलिसीस मशीन लगाने का संकल्प लिया गया है। यह पूरा होने पर इस सेंटर में प्रतिमाह 1200 मरीजों को प्रतिदिन डायलिसीस सेवा उपलब्ध होगी।

विशिष्ट प्रतिभा

मात्र 2 वर्षीय बालक की जब बात होती है तो हर कोई अत्यंत अबोध बालक की कल्पना ही करता है। यदि कहा जाए कि एक 2 वर्षीय बालक वह सब याद कर सकता है, जो युवाओं के लिए भी असंभव है, तो आपको वाकई आश्चर्य होगा, लेकिन यह वरंगल निवासी अद्वित जैसे अद्वितीय बालक के लिए सत्य ही है।

इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स में दर्ज हुआ अद्वित

टीम SMT

वरंगल निवासी अद्वित अपनी अद्वितीय याददाश्त से परिवार ही नहीं बल्कि क्षेत्र की शान बन चुका है। अद्वित की उम्र तो मात्र दो साल है लेकिन वह अपनी याददाश्त के मामले में बड़ों को भी बहुत पीछे छोड़ता है। इसी विशेषता के कारण डॉ. संतोष व डॉ. श्रुति मोदानी के सुपुत्र अद्वित का नाम 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2019' में दर्ज किया गया है। लगभग अधिकांश समाचार पत्रों ने उसकी इस विलक्षण क्षमता को सराहा है।

कम्प्यूटर की तरह तेज याददाश्त

लगभग 2 वर्ष उम्र के अद्वित की विलक्षणता पर नजर डालेंगे तो आश्चर्यचकित रह जाएंगे। वह देश के हर राज्य की राजधानी, 70 देशों की राजधानी व उनके राष्ट्रीय प्रतीक, राष्ट्रगान आदि की जानकारी रखता है। विभिन्न जानवरों के बच्चों की आवाज पहचानता है तथा ट्विंकल-ट्विंकल, जॉनी-जौनी आदि लगभग 30 छोटी-छोटी कविताएं जानता है। शरीर के सभी बॉडी पॉर्ट्स पहचानता है तथा सभी रंग, सप्ताह के दिवस, 12 महीने के नाम जानता है। प्लेनेट्स व महाद्वीप आदि के बारे में भी जानता है। महत्वपूर्ण पुरातात्विक धरोहर जैसे आगरा का ताजमहल, नई दिल्ली के इंडिया गेट, दिल्ली की कुतुबमीनार व जयपुर के हवा महल आदि की जानकारी रखता है। ऐसी ही और भी कई जानकारियां उसे हैं।

पूरा परिवार प्रतिभा से परिपूर्ण

अद्वित के पिता डॉ. संतोष मोदानी हृदयरोग विशेषज्ञ व माँ डॉ. श्रुति मोदानी पैथालॉजिस्ट हैं। पिता डॉ. मोदानी अपनी पूरी शिक्षा के दौरान प्रतिभावान रहे हैं। उन्होंने नागपुर से एमबीबीएस पूर्ण कर प्रथम प्रयास में ही एमडी व डीएम की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर के मुंबई से ये उपाधि प्राप्त की। वे हृदय रोग के क्षेत्र में ट्राईसिटी वरंगल में एंजियोलास्टी, एंजियोग्राफी, पेसमेकर आदि के विशेषज्ञ हैं। अकोला निवासी अशोक हेड़ा अद्वित के नानाजी हैं तथा शैलू (महाराष्ट्र) निवासी मोहनलालजी व सरला मोदानी दादाजी-दादीजी हैं। भाई रितिक डीपीएम वरंगल में अध्ययनरत है।

रंग लाया सोमानी का प्रयास

90 प्रतिशत कम कीमत पर मिलेंगी दवाएं

ख्यात समाजसेवी व व्यवसायी निजामाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संस्थापक अध्यक्ष पुरुषोत्तम सोमानी का प्रयास आखिरकार रंग लेकर आ ही गया। उनके प्रयासों से दवाओं की बिक्री में मची लूट नियंत्रित होगी। सरकार द्वारा इस पर ट्रेड मार्जिन कैप लगाने से इनकी कीमत 90 प्रतिशत तक कम होगी।

माहेश्वरी समाज के समाजसेवी तथा द निजामाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संस्थापक अध्यक्ष पुरुषोत्तम सोमानी ने दवाओं के विक्रय में मची खुली लूट के खिलाफ जमकर आवाज उठाई थी। उन्होंने इसे लेकर न सिर्फ प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति, स्वास्थ्य मंत्री आदि देश के शीर्ष नेताओं को सप्रमाण शिकायत की थी, बल्कि मीडिया के सामने आकर भी खुले रूप से सप्रमाण आरोप लगाने का साहस दिखाया था। उनका कहना था कि दवाओं पर उनकी वास्तविक कीमत से तीन हजार प्रतिशत अधिक तक कीमत लिखी होती है। इससे आम व्यक्ति का शोषण हो रहा है। उसे 50 रुपए की दवा 1500 रुपए तक में मिल रही है। ऐसा ड्रग पॉलिसी न होने से हो रहा था।

उनका प्रयास रंग लाया

श्री सोमानी की यह लंबी जंग अब समाप्ति की ओर है। कैंसर की दवाएं 87 प्रतिशत तक सस्ती हो चुकी हैं। अन्य सभी जैनरिक लाईफ सेविंग व सर्जिकल दवाओं पर नियंत्रण के लिए भी प्रत्यनशील हैं। संभावना है कि चुनाव के बाद सभी दवाइयों पर ट्रेड मार्जिन कैप लागू हो जाए। इससे दवा विक्रेता मनमाना मूल्य नहीं लगा पाएंगे। उन्हें मूल कीमत पर एक निर्धारित मुनाफा प्राप्त करने का ही अधिकार होगा। इससे लगभग सभी दवाओं की कीमत 90 प्रतिशत तक कम होगी। श्री सोमानी का लक्ष्य देश के 130 करोड़ लोगों को दवाओं के मूल्य पर नियंत्रण करवाकर न्याय दिलवाना है। यदि जरूरत पड़ी तो वे इसके लिए सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर करने में भी पीछे नहीं रहेंगे।

अभी 20 लाख कैंसर रोगियों को राहत

श्री सोमानी के 6 महीनों के कठोर प्रयासों से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे के माध्यम से उनके संज्ञान में यह मुद्दा लाया गया। साथ ही साथ 26 दिसंबर को उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, केंद्रीय रासायनिक उर्वरक मंत्री डीवी सदानंद गौड़ा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा, रासायनिक और उर्वरक राज्यमंत्री मन्सुख मांडविया, फॉर्मा विभाग के सचिव जेपी प्रकाश, संयुक्त सचिव नवदीप रिणवा के सामने यह मुद्दा लाया गया। 2 फरवरी 2019 को प्रेस क्लब ऑफ इंडिया दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी मीडिया में आने से और पीएमओ के दबाव से फॉर्मा विभाग को ठोस निर्णय लेना पड़ा। इससे कैंसर की दवाइयों पर नियंत्रण होने से 87 प्रतिशत तक सस्ती हुई है। इसका 20लाख कैंसर पेशेंट को फायदा होगा। जिनके द्वारा प्रधानमंत्री तक यह मुद्दा पहुंचाया और सफलता मिली उन्होंने एक मेल भेजकर श्री सोमानी को इसका सारा श्रेय दिया।

यह होंगे इसके दूरगामी प्रभाव

- इस पॉलिसी से दवाईया 90 प्रतिशत सस्ती होंगी।
- आयुष्मान भारत का बजट 90 प्रतिशत कम होगा।
- इंश्योरेंस क्लेम व प्रीमियम 90 प्रतिशत कम होगा।
- भारत विश्व का सबसे बड़ा मेडिकल हब बनेगा और विदेशी पर्यटक ज्यादा भारत में आएंगे।

महिला संगठन का ऐतिहासिक कदम
समाज का प्रथम निःशुल्क सामूहिक विवाह

सभी प्रत्याशी निःशुल्क, उपहार में दी 1 लाख रुपये की सामग्री

माहेश्वरी महिला संगठन ने फिर सेवा इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ की रचना की है। शर्बत वितरण से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाने के बाद फिर इतिहास बनाया इंदौर में अभा माहेश्वरी निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह का। इसमें वर-वधू किसी भी पक्ष से कोई शुल्क नहीं लिया गया और तो और उल्टे 1-1 लाख रुपए की जीवनोपयोगी सामग्री भेंट की गई।

▸▸ टीम SMT

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में अभा अध्यक्ष कल्पना गगडानी और महामंत्री आशा माहेश्वरी की परिकल्पना से श्रीश्री 1008 युवराज स्वामीजी श्री माधव प्रपन्नाचार्य जी के सान्निध्य में निःशुल्क सामूहिक विवाह सप्तपदी 2019 का आयोजन इंदौर में 24-25 फरवरी 2019 को किया गया। राष्ट्रीय संवर्णा समिति की प्रभारी निर्मला बाहेती ने अपनी समिति की संयोजिकाओं ज्योति बाहेती, प्रीति तोषनीवाल, सुमित्रा काबरा, सुशीला गांधी, कमला मूंदड़ा, रजनी हुरकट के साथ कार्यक्रम की जिम्मेदारी ली और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। इसका आयोजक बना पश्चिमी मप्र माहेश्वरी महिला संगठन, जिसकी अध्यक्ष अरुणा बाहेती एवं वीणा सोमानी ने बखूबी अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। आतिथ्य इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन ने अध्यक्ष प्रमिला भूतड़ा व मंत्री सुमन सारडा के नेतृत्व में किया था।

10 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

इसमें 10 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। वर और वधू की ओर से 20-20 परिवारजन आमंत्रित थे, जिनके भोजन और आवास की व्यवस्था संगठन की ओर से की गई। प्रत्येक जोड़े को गृहस्थी का संपूर्ण सामान उपहार स्वरूप दिया गया। यह कार्यक्रम महिला संगठन की अखिल भारतीय पूर्व अध्यक्ष गीता मूंदड़ा व निवृत्तमान अध्यक्ष सुशीला काबरा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। स्वागत अध्यक्ष का पद्भार उर्मिला झंवर ने एवं स्वागत मंत्री का साधना बियाणी ने संभाला। इसमें भोपाल के विनोद सोमानी व इलाहाबाद की प्रिया, इंदौर के अभिषेक समदानी व इलाहाबाद की पूजा, नरसिंहगढ़ के दीपक फोफलिया व विदिशा की खुशबू, देवास के करण कचोलिया व इंदौर की संजना, महू के अंकित राठी व उज्जैन की सपना, भवानीमंडी के अर्पित काग्या व मानवी, पचोर के गोविंद खटोड़ व गुना की रानी, सोनकच्छ के कुलदीप व चित्तौड़ की समेली, भोपाल के हिरदेश सोमानी व मीरगंज की मोनी तथा खंडवा के मोहित व बुरहानपुर की भावना परिणय सूत्र में बंधे। इस कार्यक्रम में कन्यादान हेतु यजमान भी बनाए गए। इनमें देवास से मंगला सतीश परवाल, ज्योति दिलीप तोतला, सेलम कर्नाटक से नर्मदादेवी चांडक, सरस्वती गिरधरलाल सारडा, भीलवाड़ा से ममता श्रीनिवास मोदानी, वीणा राजेश सोमानी, गीता श्यामसुंदर मूंदड़ा, उज्जैन से अमृता मनोज काबरा, रिंकू विपिनजी तथा कुवैत से मंदिरा लोकेशजी यजमान के रूप में शामिल थे।

सभी समितियों ने संभाली व्यवस्था

यातायात समिति- प्रभारी गीता मूंदड़ा, संयोजक अर्चना भलिका, शीला काबरा तथा सदस्य अलका बाहेती, आशा भंडारी, भावना माहेश्वरी, शशि तोषनीवाल शामिल रहीं। यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से संपूर्ण करने हेतु 2-2 सदस्यों की टीम बनाई एवं फ्लाइट, ट्रेन, बस से आने वाले अतिथियों के आगमन एवं प्रस्थान हेतु सभी मेंबर्स ने मिलकर एक लिस्ट के अनुसार टाइम टेबल बनाकर अतिथियों को विवाह स्थल तक पहुंचाने की व्यवस्था की।

आवास समिति- इसमें निर्देशक सुशीला काबरा, प्रभारी मंजू भलिका, संयोजक किरण लाहोटी तथा सदस्य अर्चना के माहश्वेरी, नीलू अजमेरा, राधा लखोटिया, चंद्रा मूंदड़ा शामिल थीं। इस समिति ने स्वामीजी एवं सहयोगी पंडित, राष्ट्रीय, प्रादेशिक पदाधिकारीगण, दूल्हा-दुल्हन व उनके परिवारजन सहित 500 लोगों के आवास की व्यवस्था की। कमरों का आवंटन पूर्व नियोजन अनुसार किया गया तथा विवाह में आए सभी आंगतुकों का स्वागत, तिलक, इत्र व गुलाब की पंखुड़ियों से किया गया। दूल्हा-दुल्हन को निर्धारित समय पर हर कार्यक्रम में तैयार करके भेजने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभाई।

अर्थ समिति- इसकी प्रभारी ललिता मालपानी, संयोजक कृष्णा जाजू, सुनीता लड्ढा तथा सदस्य मधुश्री माहेश्वरी के नेतृत्व में अर्थ समिति ने अपना कार्य बहुत कुशलता से किया। यजमान बनाने से लेकर सभी वस्तुओं की व्यवस्था तक सभी कार्य सुचारु रूप से किए गए।

सामान संग्रह समिति- प्रभारी पूनम मालपानी व संयोजक रेखा पंसारी तथा डिंपल माहेश्वरी व सदस्य सुधा मालपानी, नीता चिचानी, आशा साबू ने आपसी सहयोग से सामान को सुचारु रूप से एकत्रित कर सेट बनाए। विभिन्न दानदाताओं से सामान प्राप्त कर एकत्रित किया गया। सारा सामान अलग-अलग करके सेट बनाए गए। एक सेट खोलकर डिस्पले किया गया ताकि सभी लोग देख सकें। विवाह पश्चात प्रत्येक जोड़े को उनके परिजनों के साथ बुलाकर एक-एक सेट सौंपा गया। इसमें भगवती बल्दवा हैदराबाद, मध्यांचल के चारों प्रदेश, मउप्र महिला संगठन, पउप्र महिला संगठन, सुधा गगरानी नीमच, रामावतार जाजू, किरण लड्ढा दिल्ली, पवन लड्ढा आदि का विशेष सहयोग रहा।

रजिस्ट्रेशन समिति- प्रभारी वीणा सोमानी के नेतृत्व में संयोजक पुष्पा मोलासरिया, दीप्ति भूतड़ा तथा रंजना परवाल, प्रमिला गिलड़ा, शशि झंवर, पुष्पा कोठारी, हेमा मोहता द्वारा आगंतुकों के पंजीयन को अत्यंत तत्परतापूर्वक पूर्ण किया गया।

पूजन सामग्री- इसमें प्रभारी निर्मला बाहेती, संयोजक सुशीला लाठी, अन्नपूर्णा मूंदड़ा, सहसंयोजक रजनी तोषनीवाल, ज्योति सोनी, ज्योति नागौरी व ज्योति झंवर आदि द्वारा सेवा दी गई। सबसे पहले सारा पूजा का सामान खरीदकर 20 कार्टन में अलग-अलग थैलियों में व्यवस्थित भरकर तैयार किया गया। फिर 24 फरवरी दोपहर को गणेश पूजन के लिए 10 जोड़े दूल्हा-दुल्हन के लिए संयुक्त रूप से व्यवस्थित तैयारियां कीं।

मेहंदी समिति- इसमें प्रभारी सुलेखा मालपानी, संयोजक किरण लखोटिया, सुनीता जाखेटिया व रचना मालपानी तथा सहसंयोजक अर्चना भूतड़ा शामिल थीं। समिति द्वारा कलाकारों को मीटिंग करके कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गईं। 23 व 24 फरवरी को करीब 80 मेंबर को मेहंदी लगी। सर्वप्रथम सभी मेहमानों का सामूहिक विवाह के शगुन स्वरूप 'गुड़' से स्वागत किया गया।

सांस्कृतिक संध्या समिति- इसकी प्रभारी रमा शारदा, संयोजक साधना बियाणी, कुसुम लाहोटी व रश्मि लोया तथा कोरियोग्राफर शैली अजमेरा थीं। सामूहिक विवाह की पूर्व संध्या पर गणेश पूजन से लेकर बहू सामे लेने तक के रीति रिवाजों को बहुत ही सुंदर ढंग से नृत्य, गायन एवं एक्टिंग द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 60 सदस्याओं ने भाग लिया। पूरे कार्यक्रम को 4 टीमों इंदौर जिला, इंदौर जिला, देवास, कांटाफोड़ तथा तराना उज्जैन जिला में विभाजित किया गया था।

भंडारा गृह समिति- प्रभारी मंजुला मालपानी, संयोजक सरला मानधन्या तथा सदस्य तुलसी राठी व मधु झंवर शामिल थीं। भंडार घर का कार्य 23 से ही किया गया। 24-25 तारीख को तो सुबह 7 बजे से कार्य में लग गए।

भोजन निर्माण समिति- प्रभारी अर्चना माहेश्वरी, संयोजक उषा काबरा, सदस्य मीरा बंग, संगीता शारदा, राजकुमारी मंत्री, आशा सोनी व निर्मला काकाणी शामिल थीं। भोजन निर्माण व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से करने हेतु सभी मेंबर्स का भरपूर सहयोग रहा। लगभग 2 हजार लोगों ने नाश्ता एवं भोजन का आनंद लिया।

भोजन वितरण समिति- इसमें प्रभारी सुमन सारडा, संयोजक मीनाक्षी नवाल, सुषमा मालू के नेतृत्व में सदस्य निर्मला कलंत्री, सरिता मालू, शीतल लोहिया, मीना बल्दवा, श्यामा गगरानी, अलका मालू, पुष्पा काबरा, लता गट्टानी, मीना राठी, अनिता मंत्री, चेतना माहेश्वरी,

सरिता बियाणी, पूजा माहेश्वरी, मेघा शारदा भावना माहेश्वरी, मोनिका माहेश्वरी, नीलिमा बियाणी, कविता लोहाटी, निर्मला मंत्री, सपना जाजू ने जवाबदारी से अपना कार्य किया।

चल समारोह समिति- इसमें प्रभारी अरुणा बाहेती, संयोजक अन्नू बाहेती, सरला हेड़ा, सदस्य नम्रता राठी, हेमा बियाणी व सरोज कासट ने चल समारोह की बागडोर संभाली। सरला हेड़ा ने घोड़ा बग्घी बाजे की व्यवस्था की। दस सफेद घोड़े, पांच बग्घियां और उन पर सवार वर-वधू बड़ा ही विहंगम दृश्य था।

चवरी समिति- इसमें प्रभारी प्रमिला भूतड़ा, संयोजक आशा झंवर, पिंकी काकानी, सदस्य सुनीता सूरजन, कल्पना बजाज, प्रेमा मूंदड़ा, सुनीता नवाल, उर्मिला राम झंवर, संध्या चांडक, सविता जाजू (माहेश्वरी), ज्योति काबरा आदि द्वारा स्वामीजी श्री माधव प्रपन्नाचार्य जी के नेतृत्व में कार्य किया गया।

गुरुवर सेवा समिति- इसमें प्रभारी शांता मंत्री तथा संयोजक प्रीति काबरा, जूली साबू व राखी काबरा के नेतृत्व में कार्य किया गया। अवंतिका नगरी के रामानुज कोट मंदिर के युवराज गुरुवर श्री माधव प्रपन्नाचार्य जी महाराज की उपस्थिति में सामूहिक विवाह संपन्न हुआ। समिति का प्रयास था कि गुरुजी की सेवा में कोई कमी ना हो।

पंडाल समिति- इसमें प्रभारी उर्मिला झंवर, संयोजक सीमा गगरानी, ममता आगाल तथा सदस्य राधा लड्ढा, नीलम बेड़िया, आशा अजमेरा, सुषमा चिचानी शामिल थीं।

मंच व्यवस्था समिति- इसमें प्रभारी गीता मूंदड़ा, संयोजक दमयंती मणियार, सीमा माहेश्वरी तथा उर्मिला सारडा का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ। मंच व्यवस्था में भगवान महेश के पूजन हेतु व्यवस्था, दीप प्रज्वलन मंच की बैठक व्यवस्था आदि समस्त मंचीय व्यवस्था समिति द्वारा की गई।

मंच सज्जा समिति- इसमें प्रभारी साधना बियाणी, संयोजक कमल राठी, सीमा मुछाल तथा सदस्य निशा झंवर, नीलम काबरा, रेखा काकाणी, रीना झंवर, मीना नागोरी, जयश्री होलानी, प्रमिला गट्टानी, शीतल नागोरी, हर्षिता सोमानी आदि शामिल थीं। सभी ने मिलकर थर्माकोल की कटिंगकर अंगूठी रस्म, हल्दी मेहंदी रस्म, वरमाला, होली, हवन कुंड, शहनाई व दूल्हा-दुल्हन बनाए। इन सभी प्रॉप्स से मंच सज्जा 24 व 25 फरवरी को की गई। जिसकी सभी ने बहुत सराहना की।

प्रचार-प्रसार समिति- इसमें प्रभारी शोभा माहेश्वरी, संयोजक नम्रता बियाणी व सरोज सोमानी के नेतृत्व में कार्य किया गया। समिति ने समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं में न्यूज देकर लोगों तक पहुंचाई तथा वाट्सअप पर भी न्यूज बनाकर डालने का कार्य किया। इस आयोजन को सभी महत्वपूर्ण समाचार पत्रों व लोकल चैनल पर कवरेज करवाया गया। यूट्यूब पर भी अपलोड किया गया।

जूठा ना छोड़ें- इसमें जोधपुर अधिवेशन की तर्ज पर, नाश्ता-भोजन की व्यवस्था के चलते उज्जैन की उषा सोडानी ने अपनी टीम के साथ उपस्थित लोगों को जूठा नहीं छोड़ने के लिए प्रेरित किया। जूठा छोड़ने पर उन्हें वापिस से खाने के लिए स्नेह से कहा गया। टीम में खाचरौद से राधा,शकुंतला, रेखा असावा, सीमा बिंझानी, नागदा से सीमा मालपानी, उज्जैन से शीला मूंदड़ा, पुष्पा भलिका का विशेष सहयोग रहा।

विजिलेंस टीम- पूर्व अध्यक्ष गीता मूंदड़ा के निर्देशन में इस समिति का गठन किया गया, जिसे विजिलेंस टीम का नाम दिया गया। इसमें ललिता मालपानी, उषा सोडानी, नम्रता बियाणी, रंजना परवाल, दीपिका बाहेती, डिंपल माहेश्वरी, ज्योति झंवर आदि शामिल थीं। इस समिति ने हर कार्य को अनुशासन से करवाने की जिम्मेदारी बखूबी निभाई।

वे झलकियां जिनसे हर दर्शक हुआ प्रभावित

- सर्वाधिक प्रभावित करने वाला दृश्य था स्वामीजी का समर्पण - एक कार्यकर्ता के समान हर इवेंट का बारीकी से निरीक्षण, नियंत्रण एवं निर्देशन।
- स्वामीजी की प्रेरणा से ही वर-वधू उत्सव मूर्ति बने एवं पदाधिकारियों ने दर्शक की भूमिका में स्वयं को गौरवान्वित समझा।
- कार्यकर्ताओं की क्रिएविटी एवं भावनात्मक जुड़ाव का दर्शन हर समिति में दिखाई दिया।
- श्वेत शृंगारित घोड़ों पर सवार वर व सजी हुई बग्घियों में लक्ष्मी स्वरूपा दुल्हनों के साथ हर्षित बाराती, अनुशासित चल समारोह, मंत्रोच्चार के साथ सामूहिक तोरण, मामा फेरे, झिलमिल आरती का मनमोहन दृश्य।
- प्रवेश द्वार से मंच तक वर-वधू के लिए रेड कारपेट व दोनों तरफ पदाधिकारियों व गणमान्यजनों द्वारा कतारबद्ध होकर पुष्पवर्षा कर अभिनंदन करना।
- सुंदर व एक समान वेशभूषा में 10 जोड़ों की मंत्रोच्चार से मंच पर एक साथ वरमाला, मंच के नीचे से गणमान्यजनों द्वारा अभिनंदन, रोमांचित करने वाला दृश्य था।
- वर-वधू के माता-पिता के साथ सामाजिक व्यवस्था में बनाए गए यजमान भी स्वयं को सम्मानित महसूस कर रहे थे।

- गीता मूंदड़ा, पूर्वाध्यक्ष अभा माहेश्वरी महिला संगठन

सम्मेलन - खाना-पीना या मौज-मस्ती?

कोरे सम्मेलन नहीं संकल्प चाहिए

सम्मेलन तो कई होते आये हैं और होते रहेंगे, इसके बावजूद कुछ बदलाव नहीं।सभी में वही भाषण वही प्रस्ताव और शेष सबकुछ वही। क्यों नहीं होता बड़ा बदलाव व आइये जाने रमेश काबरा, मुम्बई की जुबानी।

समाज की समस्याएं सभी को मालूम हैं और उसका निदान भी लगभग सभी जानते हैं। सभी जानते हैं इसलिए तो हर सभा-सम्मेलनों में उन पर अपने विचार-आक्रोश आदि व्यक्त किया करते हैं। बीमारी और इलाज सभी को मालूम है परंतु करे कौन? बीमार चाहता है मेरी बीमारी बिना दवा इलाज के ठीक हो जाए। बस, यही समस्या है। पिछली जनवरी में जोधपुर में माहेश्वरी महासभा का सम्मेलन हुआ। अखिल भारतीय स्तर का सम्मेलन और करोड़ों का खर्च और कई महीनों की मेहनत का काम हो गया। जितनी शक्ति, श्रम और मेहनत उस अधिवेशन में कार्यकर्ता लगाते हैं उसमें थोड़ी कम ही भी इन संकल्पों के लिए लगाए तो समाज का स्वरूप निश्चित ही बदल सकता है। यहां भी प्रश्न है वही बीमार वाला कि करे कौन?

मुख्यतः तो ऐसे आयोजनों को 'ब्रासो प्रयास' ही कहना चाहिये जिसके द्वारा कुछ लोग स्थानिय कार्यकर्ताओं के परिश्रम से अपने निजी व्यक्तित्व को चमकाने का प्रयास किया करते हैं।

समाज में कुछ एक नवधनाढ्यों की समाज नेता बनने की तलब हो जाती है। धंधे और धन की चिंता नहीं होती इसलिये काफी बेफिक्री से इस महत्त्वाकांक्षा की संतुष्टि में निकल जाते हैं। कुछ कार्यकर्ताओं को भी ढूंढलेते हैं बल्कि उनके इर्दगिर्द घूमने वाले उन कार्यकर्ताओं में भी वैसी कुछ लोकप्रियता की महत्त्वकांक्षा होती है, वे भी इस अभियान से जुड़ जाते हैं। इन दोनों के मिले जुले प्रयास होते हैं, स्थानिक स्तर के कार्यकर्ताओं को ढुंढ लेना और उसके बाद सम्मेलनों की तैयारी कर लेते हैं।

स्थानीय समाज के वे भावुक लोग जिनकी मंशा होती हैं, समाज गंगा के दर्शन की या समाज के किसी भी आयोजन में तन-मन-धन से सहयोग देने की। इसलिए ऐसे आयोजनों में धन की या उपस्थिति की भी कोई कमी नहीं रहती है। फिर इस तरह के आयोजनों का जोर-शोर से प्रचार सोश्यल मीडिया- विज्ञापनों व अखबारी रिपोर्ट में हो जाता है। इस मायने में सम्मेलन का होना सफल मान लिया जाता है।

पर अब प्रश्न यह है कि दो या तीन दिन के इन कोरे सम्मेलनों से क्या हासिल हो रहा है? ऐसे सम्मेलन तो पिछले 10 वर्षों से होते आये हैं जिनमें भाषण भी काफी हुये, प्रस्ताव भी हुए, हर सम्मेलन अपने आप में अभूतपूर्व, क्रांतिकारी व सफल ही समझा गया, प्रचार रिपोर्ट आदि भी वैसे ही हुई परंतु बात जहां की तहां बनी रही। प्रस्ताव अपनी जगह पर फाइलों में दबे रहे, भाषण हवा में बिखर गये, फोटो अखबारों एवं पत्रिकाओं में छप गये, सोश्यल मीडिया पर प्रचार-प्रसार हो गया, सभी ने अपनी अपनी पीठ ठोंक ली, सफलता की शाबाशी ले ली। समाज का रूपया, श्रम और समय तीनों ही खर्च हो गये। समाज और समस्याएं अपनी जगह कायम रह गये। समाज अपनी उन्हीं समस्याओं से घिरा रहा बल्कि उसकी समस्याएं, तकलीफे दिन पर दिन बढ़ने लगी हैं। साधारण मध्यम परिवार के कष्टों को इन बढ़ते रिवाजों ने और बढ़ा दिया हैं उसमें ऐसे सम्मेलन भी समाज की एक नई समस्या बन गये हैं-नया बोझ हो गया है जिसे निरर्थक या सार्थक क्या कहा जाए?

मूल प्रश्न वहीं है- भाषण वही, सम्मेलन वही, प्रस्ताव वही-पर बाद में क्या? क्या सिर्फ सम्मेलनों से, प्रस्तावों से, भाषणों से समाज में सुधार होगा या जागृति आयेगी? समाज को सम्मेलनों की नहीं, संकल्पों की जरूरत है।

और वह संकल्प जिस दिन मंच और सभा मिलकर करेंगे उस दिन सही सुधार का श्रीगणेश हो जायेगा, वहीं क्रांति है, वही सुधार है और वही समाज की सही सेवा है। अन्यथा इस तरह के सम्मेलनों को 'मौज मस्ती' से अधिक क्या कहा जाएगा?

मत-सम्मत

कितना व्यावहारिक साबित होगा 'हम दो हमारे तीन संतान का नारा'

माहेश्वरी समाज की घटती जनसंख्या की स्थिति को देखते हुए जोधपुर महाधिवेशन में ''हम दो हमारे तीन'' का नारा दिया गया वास्तव में स्थिति को देखते हुए यह फैसला अभिनंदनीय है, लेकिन यह विचार करना भी जरूरी है कि यह व्यावहारिक कितना है? तीन संतान के इस निर्णय के लागू होने में क्या है परेशानी? युवा पीढ़ी इसके लिये तैयार नहीं, कानूनी तौर पर चुनौती है, आर्थिक परेशानी इसमें बाधा है अथवा आपके विचार में ऐसा ही और कोई कारण इसमें बाधक है, तो हमे लिख भेजिये। आपके विचार समाज को राह दिखाऐंगे और समाज के अस्तित्व को बनाये रखने में सहयोगी बनेंगे। आईये जानें इस ज्वलंत विषय पर स्तंभ की प्रभारी मालेगांव निवासी सुमिता मूंदड़ा से उनके व समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

निर्णय की बजाए कारण पर चिंतन जरूरी

'हम दो और हमारे तीन' का नारा सामाजिक मंचों से देने से पहले आज की सारी परिस्थितियों का आकलन करना अत्यंत आवश्यक है। इस तरह का निर्णय लेने का अधिकार सिर्फ दंपतियों को होना चाहिए। यह एक जल्दबाजी और आनन-फानन में की गई घोषणा है। किसी भी समस्या का आकलन करके निर्णय लेने से पहले सभी सामाजिक, आर्थिक व बदली हुई परिस्थितियों के प्रत्येक पहलुओं पर गंभीरता से विचार करना जरुरी होता है। यह बात अपनी जगह बहुत सही है कि हमारे समाज की जनसंख्या बहुत तेजी से घट रही है। इसका मूल कारण में देरी से शादी होना, गांव-शहरों में शिक्षा-नौकरी की व्यवस्था का अभाव, जमीनी सतह पर इंफ्रास्ट्रक्चर में कमी, बढ़ती हुई महंगाई, संयुक्त परिवार का टूटना, पढ़ाई-लिखाई, नौकरी के लिए विदेश जाना भी है। पहले लड़कों की 20-22 वर्ष में व लड़कियों की 18-20 वर्ष में शादी हो जाती थी। लड़का परिवारिक व्यवसाय में बैठता था व पति-पत्नी संयुक्त परिवार में रहने के कारण बच्चे की परवरिश की चिंता नहीं रहती थी। आज बदलते माहौल में उच्च शिक्षा व नौकरी के दबाव में लड़के-लड़कियां 30-32 साल में शादियां कर रहे हैं। गांवों व छोटे शहरों में लड़कों के संबंध 32-35 साल की बढ़ती उम्र में होने से तकलीफ हो रही है। दूसरा एकल परिवार होने व शहरों में पति-पत्नी दोनों के काम पर जाने से एक बच्चे की परवरिश भी मुश्किल होती जा रही। महंगाई होने से एक बच्चे की परवरिश मे ही मध्यम वर्ग के दंपती थक जाते हैं, इसलिए वे दूसरे बच्चे का सोचते ही नहीं। शिक्षा, नौकरी की मूलभूत समस्याओं का निवारण सरकार ही कर सकती है, इसमे समाज का रोल बहुत लिमिटेड है। आज समय की मांग है कि हमें जमीनी स्तर पर गांव, तालुका, कस्बा, शहरों में मानवीय मूल्यों की स्थापना, टूटते बिखरते रिश्तों को जोड़ने, परिवारों में गलतफहमियां दूरकर सामंजस्य स्थापित करना व संयुक्त परिवारों की स्थापना करने की कोशिश करना चाहिए।

- शरद गोपीदास बागड़ी, नागपुर, पोर्टफोलिया कंसल्टेंट, लेखक व समाजसेवक

उचित नहीं यह करना

कुछ समय पहले माहेश्वरी समाज द्वारा समाज की घटती जनसंख्या को देखते हुए, 'हम दो, हमारे तीन' का नारा देकर जनसंख्या को बढ़ावा देने की बात की जा रही है। मेरे विचार में यह उचित नहीं है। श्री भगवान महेश के आशीर्वाद से उत्पन्न माहेश्वरी समाज, अपने सुसंस्कार, नैतिकता, कर्मठता, ईमानदारी, सच्चाई के लिए समस्त जगत में जाना जाता है। अगर हमारे जैसा उच्च शिक्षित एवं विकसित समाज ही सरकार के नियमों की अनदेखी करेगा तो यह हमारी छवि के लिए नुकसानदायक होगा। साथ ही आजकल के महंगाई के दौर में बच्चों के लालन-पालन एवं शिक्षा पर अधिक व्यय को देखते हुए, आर्थिक दृष्टि से भी यह सही नहीं है। वर्तमान में कई दंपती सिर्फ एक ही संतान चाहते हैं। इसलिए बजाय तीन बच्चों के जन्म को प्रोत्साहित करने के, जो दंपती एक ही संतान को जन्म देते हैं, आवश्यकता है उन्हें दो संतान के लिए प्रेरित करने की। मेरा मानना है कि समाज के अस्तित्व को तब तक कोई चुनौती नहीं दे सकता जब तक हम अपने नैतिक मूल्यों, आदर्शों के साथ आगे बढ़ते रहेंगे एवं आगामी पीढ़ी को भी यही शिक्षा देने में समर्थ रहेंगे।

- नेहा बिनानी, कांदिवली, मुंबई

बिना तैयारी का आह्वान

हमारा माहेश्वरी समाज एक समृद्ध और सुशिक्षित समाज के रूप में जाना जाता है। अतः हमारे समाज की सर्वोच्च संस्था द्वारा अपनी संख्या बढ़ाने का आह्वान करना थोड़ा हास्यास्पद प्रतीत होता है। हम संख्या बल से सीमित होते जा रहे हैं। यही कहना है ना महासभा का, आखिरकार ये डाटा माहेश्वरी महासभा के पास आया कहां से? जनगणना का कार्य अभी भी अधूरा है। मेरे अपने शहर में भी जनगणना का कार्य बाकी है। बच्चे कितने पैदा करने हैं? यह फैसला

सिर्फ पति और पत्नी के बीच का निजी फैसला होता है, जो उन्हें ही तय करने देना चाहिए कि उनको कितने बच्चे चाहिए। एक पत्नी-पति सिर्फ बच्चा पैदा कर के फ्री नहीं हो सकते। उसका लालन-पालन, उसकी शिक्षा और कालांतर के बाद शादी और उसका परिवार। दूरगामी सोच के साथ ही इस सभी बातों को समझा जा सकता है। बातों से बच्चे बड़े नहीं होते। महंगाई का दौर और गृहस्थ-जीवन की अपनी समस्याएं तथा घटती आमदनी ये सभी कारण हैं, जिनसे आजकल के दंपती बच्चे अपनी सामर्थ्य के अनुसार ही चाहते हैं। अतः इस विषय पर माहेश्वरी महासभा का आह्वान बिना तैयारी का एक महज फतवा ही साबित हो रहा है।

- नरसिंह करवा 'बंधु'
चौपासनी हाउसिंग बोर्ड जोधपुर (राजस्थान)

व्यावहारिक रूप से अपनाना मुश्किल

जनसंख्या की दृष्टि से पिछड़ता हमारा समाज निश्चित ही चिंतनीय स्थिति में है किंतु यह भी सत्य है कि 'हम दो हमारे तीन' के इस फार्मूले को लागू करना सहज नहीं है। आर्थिक, सामाजिक एवं कानूनी सभी दृष्टि से इस पर गहन विचार किया जाए तो सहज रूप से व्यावहारिकता में उतारना कठिन प्रतीत होता है। उच्च शिक्षा हेतु अत्यधिक धन की आवश्यकता होती है। अधिकांश जॉब करने वाले पति-पत्नी एकल परिवारों के रूप में महानगरों की व्यस्त जीवन शैली से जूझ रहे हैं। जहां तीन बच्चों का पालन करने का न तो उन्हें समय है, न ही इतनी सहनशीलता कि वे अपना संपूर्ण जीवन उनके लालन-पालन में व्यतीत करें। महानगरों के आर्थिक बोझों को उठा पाना भी इतना आसान कहां। आज जहां पति-पत्नी अपने रिश्तों को ही सहजता से नहीं खींच पाते एवं विवाह की उम्र में वृद्धि के साथ वे दो-तीन साल तक संतान के बारे में सोचना भी नहीं चाहते। क्या ऐसी स्थिति में वे तीन बच्चों के लिए तैयार होंगे?

आज की पीढ़ी 'किश्तों' के साथ अपने हर सपनों को पूरा करना चाहती है। वह अधिक बचत एवं सादगी की अपेक्षा अपनी जिंदगी 'क्लब किटी' एवं बाहरी चमक-धमक के साथ जीने में विश्वास करती है। यह स्थिति कमोबेश हर जगह अपने पैर पसार चुकी है। अतः 'हम दो हमारे तीन' को सहज स्वीकारना असंभव सा ही प्रतीत होता है।

- पूजा नबीरा, काटोल

हर परिवार के लिए संभव नहीं

'हम दो-हमारे तीन' हर परिवार के लिए संभव नहीं। इसके अनेक कारण हो सकते हैं। जैसे आज अगर सरकारी नौकरी है तो दो बच्चे से ज्यादा संभव नहीं। अगर आप मध्यमवर्गीय परिवार से हैं तो आप अपने 2 से ज्यादा बच्चे का सही तरीके से लालन पालन नहीं कर सकते। लालन-पालन से लेकर पढ़ाई तक खर्च इतने हैं कि इस महंगाई के जमाने में 2 बच्चे का सही तरीके से कर ले वही काफी है। इसलिए मेरी राय में तो आज हम दो हमारे दो ही काफी हैं।

- शिव मूंदड़ा, भीलवाड़ा

माहेश्वरी समाज देश की ताकत

आज माहेश्वरी समाज की ख्याति संपूर्ण विश्व में है लेकिन इस उत्कृष्ट समाज का वर्चस्व घटती हुई संख्या से चिंताजनक स्थिति में है। देश में संसाधनों की वृद्धि की ओर ध्यान देने की जगह जनसंख्या नियंत्रण का फार्मूला अपनाया गया जो कि एक हद तक गैरप्रासंगिक है। जहां एक ओर विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश चीन ने अपने संसाधनों को बढ़ाने के लिए लघु उद्योगों को प्रोत्साहन दिया फलस्वरूप आज चीन निर्माण एवं निर्यात के क्षेत्र में अद्वितीय ऊंचाई पर है। आज माहेश्वरी समाज में पुनः इस विषय पर चर्चा होना स्वागत योग्य निर्णय है, बस जरूरत है तो सभी स्तर के माहेश्वरी परिवारों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में अपेक्षित सहयोग की। हम दो हमारे तीन में कोई बुराई नहीं है अपितु केवल एकमात्र तरीका है माहेश्वरी समाज को वैभवशाली ऊंचाइयों तक पहुंचाने एवं घटते हुए समाज के जनानुपात को पुनः प्राप्त करने का। अंत में सिर्फ इतना कि माहेश्वरी समाज देश की समस्या नहीं वरन ताकत है।

- संतोष सोमानी, भीलवाड़ा

पहले देश फिर हम

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के जोधपुर महाअधिवेशन में दिए गए हम दो हमारे तीन के नारे के पहले गहन विचार विमर्श होना आवश्यक था, क्योंकि कोई भी सामाजिक नारा देश की समस्या/भावना से विपरीत नहीं होना चाहिए। पहले हम भारतीय हैं, फिर माहेश्वरी। मेरे मतानुसार माहेश्वरी समाज की जनसंख्या बढ़ाना है तो देश के अनाथ बच्चों को कानूनी तौर पर गोद लेते हुए समाजजन को प्रेरित करना चाहिए और उनका लालन-पालन माहेश्वरी संस्कारों के साथ करना चाहिए। जिसका शिक्षा का खर्च समाज/महासभा को वहन करना चाहिए। इस प्रकार एक पंत दो काज सिद्ध होते हैं।

- प्रमोद मंत्री, उज्जैन

व्यावहारिक रूप से संभव नहीं

आज के इस आधुनिक युग में संतान पैदा करना आसान है, लेकिन उनकी परवरिश करना मुश्किल है। चूंकि समय और परिस्थिति बदल चुकी है। अतः आज के हालात में दो बच्चों को पढ़ाना लिखाना ही इतना भारी है कि तीसरी संतान के बारे में सोचना भी मुश्किल है। तीन संतान होने पर यदि कोई सरकारी नौकरी में आवेदन करना चाहता है, वो भी नहीं कर सकता है। क्योंकि सरकारी नियम और कानून 2 बच्चों को ही प्राथमिकता देते है। एक आम व साधारण परिवार के लिए यह संभव नहीं है कि इस समय और परिस्थिति को देखते हुए अपने घर परिवार का निर्वाहन कर सके। उसको अपने बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित हेतु दो बार सोचना पड़ता है। आज की बदलती परिस्थिति में विवाह की उम्र 25-30 वर्ष हो गई है। इस बात पर सोचते हुए यह कहना पड़ रहा है कि आदमी कब तो शादी करेगा और कब बच्चे पैदा करने हेतु सोचेगा? आदमी शादी करने की उम्र तक पहुंचता है, तब तक उसकी उम्र का पड़ाव आधा हो चुका है।

- राजेंद्र तोषनीवाल

समाज के अस्तित्व के लिए जरूरी

अभा माहेश्वरी महासभा द्वारा जो हम दो हमारे तीन का निर्णय लिया गया है, वह न सिर्फ सराहनीय बल्कि अत्यंत साहसिक कदम है। वर्तमान दौर में माहेश्वरी समाज अपने अस्तित्व के मामले में अत्यंत विकट दौर से गुजर रहा है। समाज की आधुनिक पीढ़ी की हम दो और हमारे दो या हम दो हमारा एक अथवा एक भी नहीं वाली सोच के कारण माहेश्वरी समाज की जनसंख्या तेजी से घट रही है। इस पर अंतरजातीय विवाह की बढ़ती संख्या ने भी खतरा उत्पन्न कर दिया है। ऐसे में स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि यदि यही स्थिति रही तो कुछ दशकों में यह समाज लुप्त ही हो जाएगा। इस मुद्दे को श्री माहेश्वरी टाईम्स ने भी प्रमुखता से उठाया था। प्रसन्नता है कि महासभा ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया और जोधपुर सम्मेलन के दौरान हम दो हमारे तीन का नारा देकर समाज की युवा पीढ़ी से अपनी जनसंख्या वृद्धि की अपील की गई। वास्तव में यह साहसिक कार्य भी है क्योंकि जहां शासन व्यवस्था जनसंख्या नियंत्रण की बात कर रही है, वहां हम वृद्धि की बात करें, तो यह किसी चुनौती से कम नहीं होगा। यह प्रयास तो सराहनीय है ही, साथ ही आशा करते हैं कि इस सोच के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर कर महासभा इसे अमलीजामा पहनाएगी।

- सरोज बांगड़, भीलवाड़ा

विचार को पहले अमल में लाएं

बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है, लेकिन चर्चा जिस वर्ग में होनी चाहिए वह वर्ग समाज की बैठकों में भी नहीं आता है। आज महासभा ने यह प्रस्ताव पारित किया है तो इसके पीछे तर्क यही है कि हम सब इस विषय पर सोचें व अपने घर में अपने युवाओं तक इस सोच को अच्छे ढंग से उनके विचार में बैठाएं। दिशा बदलेगी तो ही तो दशा बदलेगी। आज की वैभवशाली जीवन शैली में बदलाव लाकर दिखावे को दूरकर सहज व सरल जीवन के माध्यम से इसे हासिल किया जा सकता है। इसके लिए हम सब चर्चा करने वालों को भी सबसे पहले अपने घरों में प्रयास कर उदाहरण प्रस्तुत करना होगा फिर हम समाज में चर्चा व उदाहरण दें तो अच्छा होगा। लिखना व विचार देना सरल है, अमल में लाना हमेशा कठिन होता है। माफी चाहता हूं, कम बोलने में विश्वास रखता हूं, पर यह विषय माहेश्वरियों के अस्तित्व से जुड़ा हुआ है, इसलिए अपना विचार रख रहा हूं।

- विजय राठी, इटारसी

आसान नहीं निर्णय का क्रियान्वयन

सबसे पहले तो माहेश्वरी समाज की घटती जनसंख्या का विषय हमारे समाज और माहेश्वरी जाति के लिए बेहद चिंताजनक है। यह शत-प्रतिशत सही है। इसके लिए अखिल भारतीय महासभा द्वारा लिया गया ठोस और कड़ा निर्णय सामाजिक तौर पर काबिले तारीफ अवश्य है। परंतु दो संतान और तीन संतान पर मेरी व्यक्तिगत राय यह है कि एकल परिवार और कामकाजी महिलाओं के लिए अधिक संतान की सही रूप से देखभाल करना अत्यंत कठिन हो चुका है। संतान की संख्या को बढ़ाने वाला विषय महिलाओं के लिए बेहद विचारणीय है। महासभा द्वारा तीन संतान पर दिए जाने वाले अनुमोदन से कहीं गांव में रहने वाली महिलाओं पर दबाव न डाला जाए, इस पर भी हम सभी को गौर करना जरूरी होगा। यह भी सच है कि शिक्षित और समृद्ध महिलाएं संख्या पर नहीं गुणवत्ता पर विश्वास रखती है। मैं यह कहना चाहूंगी कि ग्लोबलाइजेशन के दौर में आप अपनी संतान को उन्हें जन्म देकर ऐसा प्रतिभावान और समाज के प्रति निष्ठावान बनाओ कि वो एक ही दस के बराबर बन कर पूरे विश्व में अपना वर्चस्व बना पाए।

- मधु भूतड़ा, जयपुर

बच्चे योग्य फिर भी कमी तो कमी है

चर्चा ठीक दिशा में जा रही है। माहेश्वरी समाज के अस्तित्व का प्रश्न महत्वपूर्ण है, किंतु उससे भी अधिक अपने अस्तित्व का प्रश्न है। जो पढ़े-लिखे बुद्धिजीवी परिवार हैं, वे हर समाज में, मुसलमानों में भी, सिकुड़ रहे हैं। जिनको जाहिल गंवार कहा जाता है, उनके परिवार बढ़रहे हैं। प्रजातंत्र में उनको भी समान अधिकार हैं। वे अपनी सुरक्षा कर लेंगे, पर उनका क्या होगा जिनका अकेला दस के बराबर विश्व में सबसे आगे चलने वाला बेटा विदेश में है। क्या संपन्न परिवारों में बड़ी कोठियां सुनसान रहना अच्छा दृश्य है? बहुत से घरों में वृद्ध माता-पिता यहां हैं और बेटा बाहर है। यदि तीन बच्चे हों तो एक के तो बुढ़ापे में साथ रहने की व व्यापार-जायदाद संभालने की आशा रहती है।

- मुकुटबिहारी गांधी

नियम बनाने वाले स्वयं अपनाएं

संपन्न परिवार वाले, लड़का हो गया तो 1 बच्चे तक ही सीमित रह जाते हैं, अन्यथा तो दूसरा चांस लेते हैं। दूसरे में लड़का हो चाहे लड़की, तीसरा चांस नही लेते, किसी भी हाल में। नियम बनाने वाले घरों को खोजकर देख लो तो सत्यता निकल कर बाहर आ जाएगी। जिनके यहां पहला लड़का हो गया किसी ने दूसरा चांस शायद ही लिया होगा।

- अमित सारडा

युवा पीढ़ी में जागृति जरूरी

अभी जो तीन संतान पर विचार विमर्श चल रहे हैं, मेरा व्यक्तिगत मत है कि व्यावहारिक रूप में यह तब तक संभव नहीं है, जब तक युवा पीढ़ी समाज बचाने में तत्पर नहीं होगी। हम सभी बस समय की प्रतीक्षा करें। आवश्यकता अविष्कार की जननी है। समय ने यदि अपने को बदल दिया तो बहुत कुछ बदल जाएगा। जब हम अपने ही घर में लाचार हैं तो दूसरों से अपेक्षा निरर्थक है।

- सुनीता महेश मल्ल, आमगांव

जब भी तुम्हारा हौंसला
आसमान में जायेगा,
होशियार रहना कोई
पंख काटने जरूर आयेगा..

गर्मी का दुश्मन पुदीना

गर्मी का मौसम अपने साथ तमाम मौज-मस्ती के लिए छुट्टी का समय साथ लाता है, तो इस मौसम की परेशानियां भी। थोड़ी सी लापरवाही मजा किरकिरा कर सकती है। इस मौसम की परेशानियों से बचना है तो गर्मी के दुश्मन पुदीना को बना लीजिए अपना दोस्त।

▸▸ कैलाश लढ़ा, जोधपुर

गर्मी का मौसत वैसे तो वर्तमान दौर में हमारे लिए वह समय होता है, जब हम बच्चों की पढ़ाई आदि सभी चिंताओं से मुक्त होकर घूमने-फिरने का पर्याप्त आनंद ले सकते हैं। लेकिन इस मौसम की तासीर इसमें बाधक बनती है। आग उगलती धूप व झुलसाती गर्म हवा से बचना ही एक उपाय है। फिर भी जरूरी होने पर बाहर निकलना ही पड़ता है। ऐसे में लू लगना, आंखें लाल होना, पेशाब में जलन, बुखार आदि आम समस्याएं उत्पन्न होती हैं, जिनसे परेशान होकर हमें छुट्टियों का आनंद लेने की जगह डॉक्टर की शरण लेना पड़ती है।

प्रकृति में मौजूद हैं उपाय

हर मौसम की समस्याओं का समाधान भी प्रकृति में मौजूद हैं। बस उन्हें जानने की जरूरत है। ग्रीष्म ऋतु में गर्मी से बचाव के लिए कई जड़ी-बुटियाँ व वनस्पति मौजूद हैं। इनमें से ही एक है पुदीना। पुदीना सर्वसुलभ कम जगह में बिना जड़ के आसानी से लगने वाला व सुगंध में मन को मोहने वाला होता है। वैसे तो बारह महीने ही यह किसी न किसी रूप में उपयोगी है किंतु इसके शीतलता के गुण की वजह से ग्रीष्म ऋतु में यह अत्यधिक लाभप्रद है।

गर्मी की हर समस्या का समाधान है पुदीना

▸▸ इन दिनों अक्सर खाने-पीने में थोड़ी सी गड़बड़ हुई नहीं कि अजीर्ण की शिकायत हो जाती है, ऐसे में पुदीने के रस में काला नमक मिलाकर चाट लेने से यह तुरंत असर करता है।

▸▸ अधिक गर्मी बहुत बार उल्टी-दस्त का कारण बन जाती है, जिससे रोगी कुछ ही देर में परेशान हो जाता है। ऐसे रोगी को पुदीने का शरबत बनाकर पिलाएं। पुदीना चटनी की तरह पीसकर मिश्री या शकर के पानी में मिक्स करके छान लें। शीघ्र ही ताजा शरबत बन जाएगा। दही में पुदीना मिलाकर खिलाने से भी रोगी को रोग से शीघ्र राहत मिलती है।

▸▸ लू इन दिनों गंभीर समस्या है, इससे बचाव के लिए पुदीने की पत्तियों व जीरे को ४-५ घंटे भिगो दें। फिर इसे महीन पीस लें। इसमें नमक व हल्की सी चीनी मिलाकर पेय बनाएं और दिन में दो बार पिएँ। आप लू से बचे रहेंगे।

▸▸ गर्मियों में जलन होना, पेशाब रुक-रुककर आना या कम होना जैसे रोगों में भी पुदीना रामबाणी औषधि है, पुदीने की पत्तियाँ धोकर मिश्री और थोड़ा सूखा धनिया मिलाकर पीस लें। इस पेस्ट का पानी में घोल बनाकर छानकर दिन में २-३ बार पीना फायदेमंद होता है।

▸▸ पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख लगने या खाने में अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।

▸▸ यदि आपको टांसिल की शिकायत रहती है, जिनमें अक्सर सूजन हो जाती है तो ऐसे में पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर गरारा करना चाहिए।

▸▸ दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को तलुओं में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रीज में रखे हुए पीसे पुदीने को तलुओं पर लगाना चाहिए, राहत मिलती है।

क्यों रहता है मन अशांत

वर्तमान दौर की सबसे परेशानी मन की अशांति है। यही अशांति मानसिक रोग तथा अप्रत्याशित घटनाओं के रूप में सामने आती है। वास्तव में देखा जाए तो वास्तु दोष इसका भी कारण हैं। तो आईये देखें आपके यहां तो नहीं है, कोई दोष?

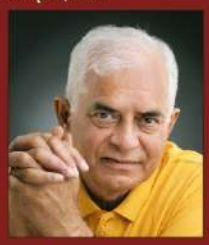

वास्तुविद कुलदीप सलूजा, उज्जैन

▸▸ जिस घर का आगे का भाग टूटा हुआ, प्लास्टर उखड़ा हुआ या सामने की दीवार में दरार, टूट-फूट या किसी प्रकार से भी खराब हो उस घर की मालकिन का स्वास्थ्य खराब रहता है। उसे मानसिक अशांति रहती है और हमेशा अप्रसन्न व उदास रहती है।

▸▸ जिन घरों में रसोईघर और बाथरूम एक लाइन में बने होते हैं उस परिवार के मुखिया के भाई की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होती एवं उनकी कन्या संतानें अशांत और अप्रसन्न रहती हैं।

▸▸ घर का आग्नेय कोण नीचा हो तो वहां रहने वाले अग्नि भय शत्रु-भय एवं घर के स्वामी द्वारा अनैतिक कार्य करने से मानसिक परेशानियों से ग्रस्त रहते हैं।

▸▸ घर का वायव्य कोण निचला होने पर शत्रुओं की संख्या बढ़ती है। जिससे गृह स्वामी को मानसिक तनाव रहता है।

▸▸ घर का पूर्व एवं आग्नेय निचले हों और वायव्य तथा पश्चिम ऊँचे हों तो प्लॉट का स्वामी लड़ाई-झगड़े, विवाद के कारण मानसिक यातना सहता है।

▸▸ अगर किसी घर का दक्षिण और आग्नेय निचला हो, वायव्य और उत्तर ऊँचे हों तो, घर का मालिक कर्ज और बीमारी के कारण मानसिक तनाव में रहता है।

▸▸ जिस घर का नैऋत्य और दक्षिण नीचा होता है तथा उत्तर और ईशान ऊंचा होता है तो घर मालिक को अपवित्र कार्य करने और व्यसनों का दास बनने से मानसिक अशांति रहती है और परिवार के लोग भी तनाव में रहते हैं।

▸▸ घर के उत्तर, ईशान और पूर्व से नैऋत्य और पश्चिम निचले हो तथा आग्नेय, दक्षिण और वायव्य ऊंचे हों तो भयंकर आर्थिक संकट के कारण पूरे परिवार में तनाव बना रहता है।

▸▸ यदि घर का उत्तर, ईशान और पूर्व से पश्चिम और वायव्य अगर निचला हो, आग्नेय दक्षिण, नैऋत्य और पश्चिम ऊंचा हो तो उस परिवार की कन्या संतान को कष्ट होने से से पूरा परिवार तनाव में रहता है।

▸▸ किसी घर का प्लॉट पूर्व की ओर नीचा हो या ऊंचा हो, अगर पूर्व दिशा दीवार पर शेड या कमरे इत्यादि से ढंक जाए तो परिवार की संतान पर गंभीर विपदा के कारण पूरा परिवार मानसिक तनाव में रहता है और परिवार को कई बार अपमान का सामना करना पड़ता है।

▸▸ जिस घर की दक्षिण दिशा या नैऋत्य कोण या पश्चिम दिशा का एक भाग या सभी नीचे हों और वहां निर्माण कार्य भी हों उस घर में आमदनी तो अच्छी होती है, परंतु व्यर्थ खर्चे ज्यादा होने के कारण कर्ज बना रहता है जो मानसिक तनाव का कारण बनता है।

▸▸ अगर वायव्य ऊंचा हो और उधर पश्चिम और वायव्य के बीच में या वायव्य और उत्तर के बीच में उपर्युक्त निर्माण किए जाएं तो शत्रुओं की संख्या बढ़ जाएगी। घर का मालिक लाइलाज बीमारी से दुःखी होकर मानसिक तनाव में रहता है।

▸▸ अगर घर का ईशान ऊंचा हो, वायव्य में उत्तर और ईशान के बीच में या ईशान और पूर्व के बीच में कुआं, बोरिंग, भूमिगत पानी की टंकी, नाली का चेंबर, मोरी, किसी प्रकार गड्ढा आदि खोदे जाएं तो आमदनी से ज्यादा खर्च होने के कारण परिवार में मानसिक तनाव रहता है।

▸▸ उत्तर में मुखद्वार रखकर वायव्य स्थल पर घर बनाने से घर का मालिक अपना ऐश्वर्य खोने एवं शत्रुओं की संख्या बढ़ने से मानसिक तनाव में रहता है।

▸▸ अगर घर के वायव्य में अधिक बढ़ावा होता है तो उस घर का मालिक अनेक बाधाओं और अधिक खर्च के कारण निर्धन रहने से तनाव में रहता है।

▸▸ जिस घर का वायव्य का बढ़ावा पश्चिम के साथ मिलकर होता है वहां रहने वाले परिवार का धन नाश होता है और अनहोनी के कारण परिवार मानसिक तौर पर विचलित रहता है।

▸▸ उत्तर के साथ मिलकर अगर वायव्य में बढ़ाव होता है तो उस घर में रहने वाले आर्थिक कष्ट, सुख की कमी और अपमान के कारण मानसिक तनाव में रहते हैं।

▸▸ घर का नैऋत्य कुंचित होकर वायव्य में बढ़ाव होता है तो उस घर का मालिक पत्नी की लंबी बीमारी एवं शत्रुओं के कारण मानसिक अवसाद का शिकार होता है।

▸▸ अगर ईशान कुंचित हो और आग्नेय बढ़ा हो तो ऐसे घर में रहने वालों का स्वास्थ्य ठीक न रहने एवं परिवार में आपसी कलह के कारण परिवार में तनाव बना रहता है।

राहु का राशि परिवर्तन 7 मार्च विशेष

पराक्रम का नया इतिहास लिखेगा राहु

वैसे तो राहु को पापग्रह के रूप में मान्यता दी गई, लेकिन यह भी सत्य है कि यह पराक्रम का कारक भी है। राहु गत 7 मार्च को राशि परिवर्तन कर मिथुन राशि में प्रवेश कर चुका है। अतः देश के साथ ही कई राशि के कारकों के जीवन में पराक्रम का नया अध्याय लिखेंगा।

» हरिप्रकाश राठी, जोधपुर

ज्योतिष फलादेष में राहु का अहम स्थान है। वस्तुतः ज्योतिष में राहु नवग्रहों से इतर एक छायाग्रह है लेकिन फलादेश में इसकी महत्ता इतनी अधिक है कि राहु अपनी स्थिति, दशा, अंतर, प्रत्यंतर में अनेक सुयोगों को भी ध्वस्त कर देता है। राहु आतंककारी एवं अवसादकारी है। जो स्थिति खीर में बूंदभर विष से बनती है, वही स्थितियां प्रतिकूल होने पर राहु जातक के जन्मांग में बना देता है। इसे 'ड्रेगंस हेड' यानी 'असुर का सिर' भी कहा जाता है। राहु ड्रेगंस हेड है तो केतु 'टेल' यानि पूंछ है। कहते हैं राहु माया का धूर्त बेटा है एवं जिससे भी युति करता है वहां आश्चर्यजनक एवं अचंभित कार्यों को अंजाम देता है। कहते हैं राहु पूर्व जन्म के पापों का विमोचक है इसी कारण अधिकांश पितृदोषों के सृजन में राहु की अहम भूमिका है। यह एक छाया ग्रह है एवं इसका कोई भौतिक अस्तित्व नहीं है। राहु जिस ग्रह के साथ होता है उसके गुण-दोषों को प्राप्त कर संगति के फल को प्रतिष्ठापित करता है। आकस्मिकता प्रधान सभी घटनाएं, नकारात्मक एवं सकारात्मक दोनों यथा दुर्घटनाएं, दिवालिया होना, धन की आकस्मिक प्राप्ति, महान हानियां, कूटनीतिक षड्यंत्र, सर्पदंश, जहरखुरानी एवं रसायन दुर्घटनाएं तथा तेजी से विस्तार लेते इंफेक्शन्स राहु के अधीन ही हैं। राहु अनेक बार छिपे रहस्यों का उद्घाटन कर जातक को हैरत में डाल देता है। राहु के प्रभाव में अवस्थित जातक अचंभित रह जाता है कि तमाम सावधानियों के बावजूद आखिर वह पकड़ा कैसे गया? तुलसी पुनः याद आए हैं। मानस में वे क्या खूब कहते हैं, 'उघरहि अंत न होहू निबाहू कालनेमि जिमि रावण राहु' यानि परम विद्वान एवं चतुर होते हुए भी राहुग्रस्त कालनेमि एवं रावण जैसे योद्धाओं के पाप भी अंततः उघड़कर उजागर हो गए। राहु यही कार्य करता है। इसका रंग भी 'स्मोकी' यानि धुएं जैसा है। सभी 'बेसर प्लीजर्स' अनैतिक कार्य, ड्रगडीलर्स, स्मगलर्स राहु के ही अधीन आते हैं।

राहु की शुभाशुभ स्थिति

राहु किसी घर का अधिपति नहीं होता। शनि, बुध, शुक्र, केतु इसके मित्र हैं तो मंगल, बृस्पति के साथ वह तटस्थ है, सूर्य-चंद्र इसके परम शत्रु हैं। मिथुन में इसे उच्च का एवं धनु में नीच का भी कहते हैं। आर्दा, स्वाति एवं शतभिषा नक्षत्रों का स्वामी भी राहु को ही कहा गया है। राहु स्थायी स्तर पर रेट्रोग्रेड यानि वक्री है एवं इससे संबंध कार्य भी ऐसे ही होते हैं। यह चाहे जिसे मालामाल कर देता है एवं चाहे जिसका समूल नाश कर देता है। राहु का आतंक इतना है कि राहु काल यानि दिन का वह भाग जो राहु के अधीन है में अनेक लोग कार्य तक पर नहीं निकलते हैं। राहु 'अनवांटेड गेस्ट' की तरह कभी-भी आ धमकता है।

तीसरे, छठे एवं ग्यारहवें होकर यह जातकों को निहाल कर देता है। राहु बारहवें मोक्ष का कारक भी बनता है। राहु के इसी प्रभाव के चलते 'भृगुसंहिता', 'भागवतपुराण', 'विष्णुपुराण', 'ज्यरकालामृत' यहां तक कि 'मानस' एवं 'महाभारत' तक में भी इसका यत्र-तत्र उल्लेख है।

राशि परिवर्तन का देश पर प्रभाव

7 मार्च 2019 राहु अपनी उच्च राशि मिथुन में प्रवेश कर रहे हैं जहां आगे वे इसी राशि में 18 माह तक रहेंगे। इस राशि में जाकर जहां वे

मंगल की विस्फोटक दृष्टि से मुक्त होंगे, कूटनीति के कारक शनि से दृष्ट भी होंगे। यह परिवर्तन यह दर्शाता है कि वर्षों आतंक से पीड़ित करने वाला पाकिस्तान अब वैश्विक कूटनीतिक कारणों से आतंकवादियों पर दबाव बनाने को मजबूर होगा। भारत के वर्तमान तेवर, सर्जिकल स्ट्राइक से भयभीत पाकिस्तान पुनः शांति की याचना करेगा। भारत की नीति अब 'भय बिनु होई न प्रीत' के सिद्धांत का ही अनुसरण करेगी एवं अब आगे पाकिस्तान भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के पूर्व हजार बार सोचेगा। भारत की जन्मराशि से द्वादश आया राहु हमारे विदेशी संबंधों, विदेशी व्यापार को भी अप्रत्याशित ऊंचाई देगा। राहु-शनि की परस्पर दृष्टि देश में धार्मिक उन्माद भी फैला सकती है। षष्टम शत्रु स्थान पर राहु की एवं तृतीय पराक्रम स्थान पर शनि की दृष्टि हमारे पराक्रम को अक्षुण्ण रखेगी। देश में इस वर्ष अच्छी बारिश होगी एवं किसान तथा ग्रामीण प्रसन्न रहेंगे। कुल मिलाकर राहु का मिथुन परिभ्रमण देश में विशेषतः हमारे विदेशी संबंधों एवं विदेशी कोष के लिए अत्यंत अनुकूल रहेगा। समूचा विश्व हमारे देश की रीति-नीतियों का लोहा मानेगा। राहु पीड़ा के शमन हेतु विकलांगों की सेवा रामबाण है क्योंकि राहु स्वयं विकलांग है। चींटियों व पक्षियों को दाना देने से भी राहु प्रमुदित होते हैं। राहु कष्ट निवारण हेतु 'ओम भ्रां भ्रीं भ्रों राहुवे नमः' मंत्र का जाप करें।

बारह राशियों पर प्रभाव

मेष: तीसरे उच्चस्थ राहु आपके मान, सम्मान प्रतिष्ठा में आशातीत वृद्धि करेगा। कुटुंबजनों से मतभेद समाप्त होकर प्रेम बढ़ेगा। आकस्मिक आय के योग भी बने हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

वृषभ: दूसरे उच्चस्थ राहु देवकृपा से आकस्मिक धन लाभ की स्थितियां बनाता है। नौकरी में स्थानांतरण, पदोन्नति के योग बने हैं। अष्टमस्थ शनि से आये अनेक कष्टों पर राहु लगाम लगाएगा। बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मिथुन: लग्न में आने वाला उच्चस्थ राहु आपकी प्रतिभा एवं प्रतिष्ठा को और निखारेगा। संतति की सफलता के लिए आपको श्रम करना होगा। जीवन साथी के मत का आदर करें। बड़े भाई से लाभ।

कर्क : द्वादश राहु आपके लिए विदेश यात्रा, सम्मान, प्रतिष्ठा के योग बना रहा है। लोग आपकी प्रतिभा का लोहा मानेंगे। मित्र, रिश्तेदारों से सौहार्द बनाए रखें।

सिंह: उच्चस्थ लाभ स्थान में आने वाला राहु अप्रत्याशित लाभ की स्थितियां बना देगा। आपके व्यापार, प्रोफेशन को नई दिशा मिलेगी। संतति के कॅरियर चयन में उनकी नैसर्गिक प्रतिभा को महत्व दें। भूमि-भवन के झगड़े, मिटेंगे।

कन्या: आकस्मिक धन प्राप्ति के योग बने हैं। मित्र-रिश्तेदारों से स्नेह रखें एवं उनका सहयोग लें। नकारात्मक विचार वाले, षड्यंतकारियों से दूर रहें। पराक्रम बढ़ेगा। पूर्व रोग से भी मुक्ति मिलेगी।

तुला: भाग्य भवन में आने वाला राहु आपके भाग्य को नई ऊंचाई देगा। गलत कार्यों से दूर रहें अन्यथा अकारण बदनामी भी झेलनी पड़ सकती है। यह समय संतति के कॅरियर निर्धारण का भी है।

वृश्चिक: अष्टमस्थ राहु आपके व्यापार, कोष में संघर्ष से लाभ की स्थितियां बनाता है। भूमि, भवन के भी कुछ कठिनाइयों के साथ योग हैं। विदेश यात्रा व पदोन्नति की भी स्थितियां बनी हैं।

धनु: इन दिनों कारोबार में प्रतिस्पर्धा बनेगी, जिससे अनुकूल परिणाम आगे आएंगे। भ्रष्टाचार, नशा, व्याभिचार से दूर रहें अन्यथा अपयश मिल सकता है। जीवनसाथी के मत को आदर दें। मन प्रार्थना, स्वाध्याय से जोड़ें।

मकर: राहु आपके चिरसंघर्ष का फल देने आया है। वे ही लोग जो आपको नीचा दिखाते थे, अब आपकी प्रतिभा का लोहा मानेंगे। घर पर वर्षांत तक मांगलिक प्रसंग बनेंगे। संतति इच्छित कॅरियर प्राप्त करेंगी।

कुंभ: पंचमस्थ राहु संतति के कॅरियर की आधारशिला रखेगा। व्यवसाय में वृद्धि होगी। पदोन्नति, स्थानांतरण के योग बने हैं। पैतृक धन मिलेगा। इष्टबल बनाए रखें। समाजसेवा आदि कार्य करें।

मीन: मित्र-रिश्तेदारों के मत का आदर करें एवं पारिवारिक सौहार्द बनाये रखें। विदेश यात्रा, पदोन्नति, नए वाहन भवन आदि के योग बने हैं। लोग आपकी प्रतिभा का लोहा मानेंगे। संतति मनोनुकूल कॅरियर प्राप्त करेंगी।

गुफ्तगू

गुफ्तगू फासलें घटाती हैं
अजनबी होने के
एहसास को काटती है।
रिश्तों में एक खास सी
मिठास लाती है।
अपनों पर एतबार
करना सिखाती है।
हर लम्हे को लफ्जों से सजाना,
एक दास्तां बनाती है।

- डॉ. शैलजा एन. भट्टड़

मेरा भारत बनाएं

जहां स्वच्छता का ध्यान होता है। वहीं खुदा का वास होता है।
वहीं पाक इरादों का साथ होता है।
वहीं भारत निर्माण की सीढ़ियों का आगाज होता है।
अगर खुशियों को जीना है। प्यार से रहना है।
तो मन को पवित्र रखना है और हर मलीनता से खुद को दूर करना है।
आओ हमारे भारत को मेरा भारत बनाएं।
घर से भी ज्यादा उजला बनाएं।

कीचन के मसालों से ग्रहों की शांति

टीम SMT

हम अपनी रसोई में उपयोग आने वाले मसालों को स्वादवर्द्धक के साथ-साथ स्वास्थ्यवर्द्धक के रूप में भी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये आपका स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि आपकी जन्म कुंडली के ग्रहों को भी सही करने की क्षमता रखते हैं। आइये जानें क्या हैं, इसके वैज्ञानिक तथ्य?

सौंफ - सौंफ खाने से हमारा शुक्र और चंद्र अच्छा होता है। इसे मिश्री के साथ लें या उसके बिना भी ले सकते हैं। खाने के बाद इसे लेने से एसिडिटी और जी मचलाने जैसी समस्या कम होने लगेंगी। सौंफ को गुड के साथ सेवन करें जब आप घर से किसी काम के लिए निकाल रहे हों, इससे आप का मंगल ग्रह आपका पूरा काम करने में साथ देता है।

दालचीनी - अगर किसी का मंगल और शुक्र कुपित है, तो थोड़ी सी दालचीनी को शहद में मिलाकर ताजे पानी के साथ लें। इससे आप की शरीर में शक्ति बढ़ेगी और सर्दी में कफ की समस्या कम परेशान करती है।

काली मिर्च - काली मिर्च के सेवन से हमारा शुक्र और चंद्रमा अच्छा होता है। इसके सेवन से कफ की समस्या कम होती है और हमारी स्मरण शक्ति भी बढ़ती है। तांबे के किसी बर्तन में काली मिर्च डालकर डाइनिंग टेबल पर रखने से घर को नजर नहीं लगती है।

जौ - जौ के प्रयोग से सूर्य और गुरु ठीक होता है। जौ के आटे की रोटी खाने से पथरी नहीं होती है।

हरी इलायची - इसके प्रयोग से बुध मजबूत होता है अगर किसी को दूध पचाने में परेशानी होती है, तो हरी इलायची उसमें पकाकर फिर दूध का सेवन करें। इससे ऐसी परेशानी नहीं होगी। यह उन लोगों के लिए उपकारी है जिनको दूध अपनी सेहत बनाए रखने या कैल्शियम के लिए दूध तो पीना पड़ता है, पर उसको पीकर पचाने में समस्या आती है।

हल्दी - हल्दी के गुण हम सबसे छिपे नहीं हैं। हल्दी के सेवन से बृहस्पति ग्रह अच्छा होता है, हल्दी की गांठ को पीले धागे में बांधकर गुरुवार को गले में धारण करने से बृहस्पति के अच्छे फल मिलते हैं। यह तो हम सब को पता है कि हल्दी का दूध पीने से इंफेक्शन में जबर्दस्त फायदा मिलता है।

जीरा - जीरा राहु व केतु का प्रतिनिधित्व करता है। जीरा का सेवन खाने में करने से आपके दैनिक जीवन में सौहार्द व शांति बनी रहती है।

हींग - हींग बुध ग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। इसका नित्य प्रतिदिन सेवन करने से वात व पित्त के रोग नियंत्रित होते हैं। हींग आपकी पाचन शक्ति भी बढ़ाती है व क्रोध समस्या से भी निजात दिलाती है।

ये भी ग्रहों के प्रतिनिधि

हमारे कीचन में मौजूद पीसा नमक सूर्य, पीसी लाल मिर्च मंगल, पीसा धनिया बुध, पीसा अमचूर केतु तथा मैथी मंगल का प्रतिनिधि करती है। अतः इनके उचित विधि से प्रयोग द्वारा संबंधित ग्रह को शांत किया जा सकता है।

तलाक से पहले कैसे उपयोगी है ज्योतिष की कान्उसलिंग

आज के जीवन में "तलाक" पारिवारिक जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी बन गये हैं। इनमें समझना तो एक उपाय है ही लेकिन अंतिम प्रयास ज्योतिष काउंसलिंग भी होना चाहिए, क्योंकि सितारे सबकुछ बदलने की क्षमता रखते हैं।

» आनंद माहेश्वरी, मेरठ

इन दिनों तलाक की समस्याएं बढती जा रही है और इसके अनेको कारण है। आप की कुंडली आप के वैवाहिक जीवन के बारे में बहुत कुछ बता सकती है और इस तरह ASTRO COUSELING आप को खुशहाल जीवन व्यतीत करने में मदद भी कर सकती है। तलाक एक महत्त्वपूर्ण निर्णय होता है, एक निर्णय दो लोगो के जीवन को पूरी तरह से बदल सकता है। अतः जरुरी ये है कि तलाक लेने से पहले कुछ प्रश्नों अच्छे ज्योतिष से सही मार्गदर्शन लिया जाए। एक अच्छा ज्योतिष कुंडली के माध्यम से पति पत्नी में वर्तमान में तनाव, असंतोष के कारणों, जरूरतों और परिवर्तनों को बेहतर समझने में मदद करता है और ज्योतिषीय उपायों द्वारा जीवनसाथी या पार्टनर के साथ भावुक समस्याओं का हल निकालने में सहायता कर सकता है और स्वस्थ रहने और सामना करने के तरीके के बारे में सलाह देता है जिससे बिखरते हुए शादी के बंधन को वापस जोड़ा जा सकता है। ज्योतिषीय काउंसलिंग जीवनसाथी या पार्टनर के साथ भावुक समस्याओं का हल निकालने में सहायता कर सकता है। आपको अपने विकल्पों पर विचार करने और सहमति लाने में आपकी मदद कर सकता है।

ग्रह करते हैं जीवन को प्रभावित

प्रत्येक ग्रह अपनी स्थिति एवं अवस्था के अनुसार जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित करता है.ग्रहों की चाल व दशाओं के प्रभाव में कई बार दांपत्य जीवन में मतभेद देखने को मिलता है तथा बात तलाक तक पहुँच जाती है। व्यक्ति की कुंडली के अनुसार जब एक दशा से दूसरी दशा का परिवर्तन होता है तो जीवन की दिशा ही बदल जाती है। तलाक की परिस्थितियो के उत्पन करने वाले ज्योतिषीय कारण जन्म कुंडली के ग्रह आपके वैवाहिक जीवन में अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थितिओं का निर्माण करते है। ज्योतिष के अनुसार किसी भी व्यक्ति में आत्मविश्वास की कमी के लिए चन्द्रमा, सूर्य,मंगल,बुध, को महत्वपूर्ण माना गया है। चन्द्रमाँ का सर्वाधिक महत्व होताहै। चन्द्रमाँ को ज्योतिष में मन का कारक माना गया है हमारी मानसिक स्थिति, भावनात्मक गतिविधियां, विचार और मानसिक शक्ति को चन्द्रमाँ ही नियंत्रित करता है। यदि कुंडली में चन्द्रमाँ नीच राशि (वृश्चिक) में हो राहु–केतु या शनि के साथ हो इनसे दृष्ट हो या कुंडली के छटे, आठवे भाव में होने से पीड़ित हो तो ऐसे में पीड़ित या कमजोर चन्द्रमाँ के कारण दृष्टिकोण को प्रभावित करती है, मानसिक अस्थिरता, स्ट्रेस और डिप्रेशन आदि समस्याएं होती हैं। विपरीत परिस्थितियों में NEGATIVE THINKING और NERVOUSNESS की समस्या हो जाती है।

सूर्य व अन्य ग्रह भी महत्वपूर्ण

सूर्य को इच्छा शक्ति, आत्मविश्वास और ज्देग्न ाहिु का कारक माना गया है यदि कुंडली में सूर्य नीच राशि (तुला) में हो राहु या शनि से पीड़ित हो या पाप भावों में होने से कमजोर स्थिति में हो तो ऐसे में व्यक्ति का आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति बहुत कमजोर पड़ जाती है और जिस कारण व्यक्ति परिस्थितियों का सामना करने से घबराता है और जल्दी नैन्दल्हो का शिकार हो जाता है। इसी प्रकार लग्न और लग्नेश भी व्यक्ति के आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा Positive energy के लिए महत्व रखते है इसलिए लग्न में कोई पाप योग (ग्रहण योग, गुरु चांडाल योग आदि) बनने पर या लग्नेश नीचस्थ या पाप भाव (6,8,12) में पीड़ित होने पर भी व्यक्ति आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा की कमी का सामना करता है। जन्म कुण्डली में यदि दूसरा, सप्तम भाव/ सप्तमेश, अष्टम भाव पर पाप ग्रहो का प्रभाव होता है तब दाम्पत्य जीवन में परेशानियो का सामना करना पड़ता है. अन्तर्दशा या गोचर अशुभ ग्रहों का सातवें भाव में होना भी तलाक की वजह बनते है! बृहस्पति और शुक्र दो ग्रह हैं जो पुरूष और स्त्री का प्रतिनिधित्व करते हैं.मुख्य रूप ये दो ग्रह वैवाहिक जीवन में सुख दुःख, संयोग और वियोग का फल देते हैं।

ऐसे बच सकता है परिवार

जिन जातकों की कुंडली में पीड़ादायक ग्रहों की दशा या अंतर्दशा, अशुभ योग के कारण घर-परिवार में वियोग, कलह, अशांति, धन की कमी, दुःख, असहनीय कष्ट आदि आ रहे हों तो उन्हें कुछ श्रेष्ठ मुहूर्त में ज्योतिषीय उपाय कराने से अपने स्वभाव व व्यवहार में कुछ बदलाव करने से परिस्थितियो में सुधार हो सकता है और पति-पत्नी में तलाक होने से पूर्व ही बचाया जा सकता है और सुनहरे भविष्य का निर्माण किया जा सकता है।

श्रेष्ठ सत्ता सिर्फ हमारे हाथ

कृष्णचंद्र टवाणी, किशनगढ़

जैसा कि सर्वविदित है कि 17वीं लोकसभा के चुनाव 11 अप्रैल से 19 मई 2019 तक संपन्न होने जा रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों में इस महान देश की पावन भूमि को आतंकवाद, नक्सलवाद, अनैतिकता से मुक्ति दिलाने के लिए, गोहत्या बंदी के लिए, अहिंसक स्वराज्य की स्थापना के लिए ऐसे प्रत्याशी को ही वोट देना है जो नैतिक एवं शिक्षित हो, भ्रष्टाचार व अनाचार आदि के उन्मूलन के लिए कृत संकल्प हो।

हम देश की शासन व्यवस्था को कोसते हैं, नेताओं को कोसते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि उन्हें पद पर बैठाया तो हमने ही है। वास्तव में प्रजातंत्र में प्रजा के हाथ में ही अपना नेतृत्व चुनने की शक्ति दी गई है, बस जरूरत है तो इसे सही ढंग से उपयोग करने की।

अपराधिक तथा भ्रष्टाचारी लोगों को वोट देकर सांसद नहीं चुनें। अनेक क्षेत्रीय राजनीतिक दलों द्वारा गठबंधन करके सत्ता में आने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। इनके लुभावने वादों से मतदाताओं को भ्रमित नहीं होना चाहिए। जैसा कि हम जानते हैं कि पिछले कई दशकों से देश के मतदाताओं को वोटों की स्वार्थ राजनीति के तहत क्षेत्रवाद, जातिवाद, अल्पसंख्यक, बहुसंख्यक में विभाजित करने से खंडित जनादेश मिला, जिससे गठबंधन सरकारें बनीं जो राष्ट्रहित में महत्वपूर्ण कार्य करने में सफल नहीं हो सकी। अतः इस बार चुनाव में राष्ट्र हितैषी स्वच्छ छवि वाले व्यक्ति ही सत्ता में आए। इसके लिए सभी संत महात्माओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, साहित्यकारों एवं बुद्धिजीवियों को अपने-अपने क्षेत्र में मतदाताओं को मार्गदर्शन करना चाहिए। जिससे विभाजनकारी नीतियां जो राष्ट्रीय सुरक्षा एवं एकता के लिए खतरा बन चुकी हैं, उसे समाप्त किया जा सकें।

अब देश के नागरिक अच्छी तरह समझ चुके हैं कि सभी राजनीतिक पार्टियां, पार्टी फंड के नाम पर हजारों करोड़ों रुपए दलालों, कमीशन तथा घोटाले के जरिये जमा कर रही हैं। देश की राजनीति काले धन से संचालित हो रही है। कर द्वारा वसूले गए जनता के पैसे को विकास कार्यों पर खर्च करने के बजाए मुफ्त उपहार बांटने, गरीबों के नाम पर लोक लुभावन योजनाएं चलाने, जनता को भिखारी व अकर्मण्य बनाने, वोट खरीदने, सत्ता साम्राज्य विस्तार करने पर खर्च किया जा रहा है। आतंकियों एवं नक्सलियों द्वारा प्रतिदिन नरसंहार किया जा रहा है, सेना के हजारों जवान शहीद हो रहे हैं। राजनीतिक व प्रशासनिक भ्रष्टाचार एवं महंगाई से आम आदमी परेशान है, राजनीतिक दल चंदों के लालच में अनेक अपराधियों एवं करोड़पतियों को अपना उम्मीदवार बनाते हैं वो जीतने के पश्चात जितना उन्होंने खर्च किया उसे अधिक धनोपार्जन करने के लिए अनैतिक तरीके अपनाते हैं। एक सर्वे के अनुसार देश की विधानसभाओं तथा लोकसभा में एक तिहाई से अधिक अपराधी जनप्रतिनिधि मौजूद हैं। ऐसे अपराधी सांसदों के कारण भारतीय लोकतंत्र बदनाम हो रहा है तथा नई-नई समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इसलिए ऐसे प्रत्याशी को अपना वोट नहीं दें। ऐसे राजनीतिक दलों के प्रत्याशी को वोट नहीं दें जो अपने घोषणा-पत्र द्वारा झूठे वादे करते हैं।

अतः अब समय आ गया है कि लोकतंत्र की रक्षा व पारदर्शिता लोने के लिए सभी जन संगठनों, सामाजिक संगठनों को एकजुट होकर सच्चे राष्ट्र हितैषी नेताओं को ही सत्ता सौंपने का प्रचार करना चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर अपने-अपने क्षेत्र में मतदाताओं को जगाना होगा। ताकि स्वच्छ छवि वाले सेवाभावी उमेदवार ही सत्ता में आ सकें। अधिकांश मतदाता 'कोउ नृप होय हमें क्या हानि' यह सोचकर अपने अमूल्य वोट का उपयोग तक नहीं करते। वास्तव में यह सोच सही नहीं है कि क्योंकि वोट नहीं देना अपने मौलिक अधिकार की अवहेलना करना तथा अपने दायित्व से पीछे हटना है। प्रत्येक मतदाता को अपना कर्त्तव्य समझकर सुशासन की स्थापना हेतु, सीमा की सुरक्षा हेतु, आतंकवाद समाप्त करने हेतु, गोरक्षा हेतु, भ्रष्टाचार तथा अनाचार मिटाने हेतु, सही उम्मीदवार को ही वोट देने का संकल्प करना चाहिए एवं वोट जरूर देना चाहिए। यदि इस बार आपने सोच समझकर विवेक व बुद्धि से उचित प्रत्याशी को अपना मत नहीं दिया तो फिर पछताने के अलावा कुछ हाथ नहीं आएगा।

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

इंसान रो सम्मान

खम्मा घणी सा हुक्म बड़ा बड़ा मंत्रियों ने सम्मान करता देख या बात मन में आवे हुक्म कि असली सम्मान रा पात्र कुण है अगर आपा बात करा खुद री... तो आपा माना कि बच्चों ने पालण में मां ही निपुण हुवे... मां कुछ भी करें पर आंख बच्चे पर ही रेहवे और जण तक रेहवे कि बच्चा आपरो भलो बुरो समझण नहीं लग जावे।

हुक्म आपा जगत री तारीफ सम्मान, धन्यवाद देवता फिरा पर जन्म देवण वाळी मां रो सम्मान चार लोगों में नहीं कर सका। वा तो आपरे वास्ते आंतड़ा दे देवे।

अगर आपा और बात करा सम्मान री... तो हुक्म तो आपा कदैई ट्रैफिक पुलिस ने स्टेज पर सम्मान दियो जिको आपाणे ट्रैफिक जाम सूं बचावे..? नहीं ... क्योंकि आपाणे लागे कि वा ऊनी 'ड्यूटी' है जिन्हें बदले उने मासिक वेतन मिले।

आपा कदैई दफ्तर रे बाबू रा चरण छुवा जो आपाणो सारों कागजी काम करे? नहीं... आपा मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, बड़ा बड़ा पद पर आसीन रो सम्मान करा। एक मंत्री अगर रास्ते मे घायल व्यक्ति ने अस्पताल पहुंचा देवे तो मीडिया, जनता सब विना दीवाना हूँ जावे लोग विनी दयाभावना री तारीफ करता नहीं थाके।

आपाणे यां बात भी समझण आवणी चहिजै कि ज्यों एक ट्राफिक पुलिस आपरे पद पर रहने ड्यूटी करे ज्यों मंत्री भी आपरी ड्यूटी करे। आपणे खून में चमचागिरी घुसगी है। आपा विनो ही सम्मानन कर जो ऊँचे पद पर हैं भले ही आपाणो वास्ते कुछ भी नहीं करियों आपा ऊनी कद्र नहीं करा जिका आपाणे व्यक्तित्व निर्माण में अहम योगदान निभावे।

बहुधा आपा दुष्टों ने नमन ओर सज्जनों रो तिरस्कार करा। हां करवाना आपाने ध्यान है सज्जन आपाणो कुछ नहीं बिगाड़ेला। इण सबमे कई बार कठोर कर्मबन्धन एड़ा भी बण जावे जिनो खामियाजो वर्षों तक देवणों पड़ जावे।

आपाणे बच्चों ने या बात सिखावनी चहिजै की आपाणे दिल मे सभी रे वास्ते दिल मे धन्यवाद, सम्मान रा भाव हुवे...

कोई पद, कोई व्यक्ति, कोई रिश्तों छोटो या बड़ो नहीं हुवे हर सम्बन्ध अपने आपमे पूर्ण है ।

कोई काम नहीं जगत में छोटो और मोटो
कद्र करा सबरी आपा कदैई न आवे टोटो

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

कुछ लोग पिघलकर मोम की तरह रिश्ते निभाते हैं,
और कुछ लोग आग बनकर उन्हें जलाते ही जाते हैं

ना किसी से कोई ईर्ष्या ना किसी से कोई होड़
मेरी अपनी मंजिल मेरी अपनी दौड़ा।

जख्म वही है, जो छिपा दिया जाए।
जिसे बता दिया जाए उसे माशा कहते हैं।

थमती नहीं जिंदगी, कभी किसी के बिना।
लेकिन ये गुजरती भी नहीं, अपनों के बिना।

इच्छाओं के अनुरूप जीने के लिए जुनून चाहिए
वरना परिस्थितियाँ तो सदा विपरीत रहती हैं।

कारीगर हूं साहेब, शब्दों की मिट्टी से महफ़िल सजाती हूँ....
किसी को बेकार, किसी को लाजवाब नज़र आती हूं.....

हर नज़र में मुमकिन नहीं है, बेगुनाह रहना....,
चलो कोशिश करते हैं कि खुद की नज़र में बेदाग रहें.....।।

शहर में चलते-चलते पैरों में छाले पड़ गए..
लेकिन जहन में आज भी गाँव की पगडंडी जिंदा है..!!

खुश रहें... खुश रखें...

भावुकता प्रतिक्रिया है तो संवेदनशीलता को दायित्व बोध मानें

किसी को भी सभी बातें जन्म से नहीं मिलती, उन्हें अर्जित करना पड़ती है। यह जितना सत्य संसार के मामले में है, उतना ही आध्यात्म के मामले में भी। नाम, दाम, धन, प्रतिष्ठा, आवश्यक नहीं कि पैदाइश से ही प्राप्त हो जाए। अपने-अपने ढंग से सभी को अर्जित करना पड़ती हैं। ऐसे ही आध्यात्मिक संसार में एक तत्व है संवेदनशीलता जिसे साधना द्वारा प्राप्त करना पड़ता है। पारिवारिक मामले में इसका बड़ा महत्व है।

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

हर मनुष्य के भीतर संवेदनशीलता एक संभावना के रूप में रहती है। गौतम बुद्ध कहा करते थे कि भक्तों को संवेदना और भावुकता का अंतर समझ में आना चाहिए। माना जाता है कि भावुकता का संचालन मस्तिष्क या बुद्धि से होता है और संवेदनशीलता हृदय से संचालित होती है। भावुक रहना साधारण व्यवहार है तो संवेदनशील होना एक असाधारण आचरण, जिसे अर्जित करना पड़ता है। भगवान कृष्ण के जीवन में भी अनेक ऐसे अवसर आए जब उन्होंने भावुकता और संवेदनशीलता को पृथक-पृथक स्थापित किया था।

कभी-कभी दूसरे का दुख देख हम दुखी हो जाते हैं, हो सकता है आंसू भी आ जाएँ। यह भावुकता है। लेकिन जब आप उस दुख को गहराई से महसूस कर उसके निदान में जुट जाते हैं, तब संवेदनशीलता का आरंभ होता है। भावुकता एक प्रतिक्रिया सी बन जाती है लेकिन संवेदनशीलता दायित्वबोध होता है, ग्यारह वर्ष की आयु में श्रीकृष्ण ने जब वृंदावन छोड़ा था और पहली बार मथुरा जा रहे थे, तो सारा वातावरण भावुक था। माता-पिता, गोप-ग्वाल सब विछोह में डूब हुए थे, पर श्रीकृष्ण सारे दृश्य को संवेदनशीलता से ले रहे थे।

कृष्ण का बृज छोड़ मथुरा जाने का अर्थ था- एक बड़ी जिम्मेदारी जिसमें व्यापक जनहित था जो मात्र बृजहित या बृजप्रेम से विशाल था। भावुकता और संवेदना की मिलीजुली प्रतिक्रिया है-जरा मुस्कुराइए...।

Net Protector
NP AV
Total Security
PC, Laptop
Tablet, Mobile
सुरक्षा
PC Kaa Doctor
Net Protector
AntiVirus
Internationally Tested & Certified
ISO 9001:2008
WhatsApp
92.72.70.70.50
98.22.88.25.66

Computerised Horoscope
Most Advanced Mathematical Software in India
Windows based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.

Choice of 6 Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu

Call: 922.566.48.17
98.22.88.25.66
Kundali 2018
www.kundalisoftware.com

गुजराती पातरा

अरबी के पत्ते से बने पातरा

गुजरात अपने खानपान के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। गुजराती खाना खट्टा-मीठा होता है और सभी को पसंद आता है। उसी में से एक है पातरा जो गुजरात के हर गली मोहल्ले में मिल जाते हैं। अरबी की सब्जी तो हमने खाई पर क्यों न इसके पत्तों से बनी डिश ट्राई करते हैं यह एक गुजराती डिश है। जो एक खट्टा-मीठा स्नेक्स है, जिसे गुजरात में बहुत पसंद किया जाता है।

कम तेल से बनी पातरा रोल

सामग्री- 3-4 अरबी के पत्ते, 1 कटोरी बेसन, 2 चम्मच चीनी, 1 छोटी चम्मच लाल मिर्च, 1 छोटी चम्मच हल्दी, 1 चम्मच नीबू का रस, 1 चुटकी अजवाइन, 1 चुटकी हींग, 1 छोटी चम्मच गरम मसाला, राइ, जीरा, हींग।

विधि- 3-4 अरबी के पत्तों को धोकर साफ कर लें। डंठल हो तो निकल दें। अब एक बरतन में बेसन, अजवाइन, लाल मिर्च, हल्दी, नमक, गरम मसाला, चीनी, नीबू का रस, हींग डालकर पतला घोल बना ले। अब एक पत्ता लें और बेसन का घोल फैलाकर रोल कर लें। ऐसे ही सारे पत्ते कर लें। अब स्टीमर में 10 से 15 मिनट स्टीम कर लें। चाकू डालकर चेक करे चाकू साफ निकलता है तो पक गए। अब ठंडे होने पर एक-एक इंच की दूरी से पीस काट लें। एक कड़ाही में तेल गरम करें। अब राइ, जीरा, तिल डालकर तड़का लें। अब कटे हुए पातरा के पीस डालकर जरा सी हल्दी, नमक व नीबू डालकर हिला लें। कटी धनिया डालकर हरी चटनी के साथ खाएं।

पुनम राठी, नागपुर
9970057423

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपके लिये नये कार्यों से लाभ देगा। शुभ समाचार मिलेंगे, मन प्रसन्न रहेगा। मनोरंजन की सोचेंगे। पारिवारिक सुख बढेगा। धन लाभ राज्य से सम्मान मिलेगा नई योजना पर कार्य प्रारंभ करेंगे। मांगलिक कार्य पर खर्च करेंगे। स्वजनों से मिलने की खुशी रहेगी। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। संतान की उन्नति और लाभ से मन प्रसन्न रहेगा। स्थानान्तरण होने की संभावना से मन परेशान होगा। लापरवाही से कार्य बिगाड़ लेंगे। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। मानसिक चिंता से सेहत नरम-गरम रहेगी। नये परिचय से लाभ की संभावना बनी रहेगी।

वृषभ

यह माह आपके लिये संतान के कार्यों में सफलता देगा रुका धन मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभ कार्यों में खर्च होगा। भोग विलास में समय व्यतीत करेंगे। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। मित्र सहयोग करेंगे। व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन में नये अवसर मिलेंगे। कार्य हो जाने से प्रसन्नता मिलेगी। लंबी यात्रा के योग, पद व अधिकार प्राप्त होंगे। लेन-देन में सावधानी बरते। पिता को कष्ट होगा, आलस्य से बचे। व्यापारिक लाभ होगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। भागदौड़ की अधिकता रहेगी।

मिथुन

इस माह अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। स्थान परिवर्तन, संतान को प्रमोशन, यात्रा से लाभ सुझबुझ से कार्य को बना लेंगे। अपने मनोबल से कार्य पूर्ण लेंगे। यात्रा में कष्ट होगा। आँखें मूंद कर विश्वास न करें। मित्रों से भेंट होगी। अपने परायों जैसा व्यवहार करेंगे। विद्यार्थी वर्ग को परीक्षा में सफलता मिलेगी। व्यापार में मंदी से तनाव बना रहेगा। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर रहेंगे। सम्पत्ति के कार्यों में उलझेंगे। गुप्त शत्रु परेशान करेंगे। यात्रा में असुविधा एवं कष्ट होगा। संतान के कार्यों से खुशी होगी।

कर्क

इस माह रुका धन मिलेगा। संतान की उन्नति से प्रसन्नता होगी। व्यापारिक लाभ नौकरी में उन्नति के अवसर मिलेंगे। लॉटरी से धन हानि होगी। पुरस्कार या भेंट मिलने की खुशी जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर रहेगा। प्रियजन से भेंट होगी। नई योजनाओं के लिए भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी। जीवन में नवीनता लाने के लिए कई परिवर्तन करेंगे। स्वास्थ्य नरम-गरम चलता रहेगा। घर का माहौल थोड़ा तनाव पूर्ण रहेगा। मन में अस्थिरता रहेगी। घर में आना जाना व अतिथि का आगमन अधिक बना रहेगा।

सिंह

इस माह आपको मानसिक तनाव बना रहेगा। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता मिलेगी। बहन के विवाह में विलंब होगा। हास-परिहास में समय व्यतीत होगा। सम्पत्ति के मामले में उलझन आयेगी। आय और संतान की ओर से चिंता बनी रहेगी। संतान के कार्यों के लिये कर्ज लेना पड़ेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। थकान महससूस करेंगें नये कार्य के अवसर से मन प्रसन्न होगा। उन्नति होगी। रुका धन मिल जायेगा। व्यय अधिक होगा। प्रेम संबंधों में परेशानी आयेगी।

कन्या

यह माह आपके लिये समय अनुकूल है। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। स्थान परिवर्तन के योग भागीदार से अनबन रुका धन मिलेगा। भागदौड़ तनाव विवाद व झगड़े से दूर रहें। आय की अपेक्षा व्यय अधिक होगा। आमोद, प्रमोद के साधन सुलभ होंगे। प्रतियोगिता व साक्षात्कार में सफलता मिलेगी। अपनो का सहयोग, नये संबंध बनेंगे। मन के कार्य हो जाने से खुशी होगी। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। सेहत पर ध्यान दें।

तुला

यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। स्थान परिर्वतन, मन अशांत रहेगा। साझेदारी में धोखा खाना पड़ेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। धन लाभ होगा। झगड़े से दूर रहें। नौकरी एवं व्यवसाय में उन्नति के सुअवसर मिलेंगे। शत्रु से सावधानी बरते। प्रियजन से भेंट, क्रोध व वाणी के कारण बनते कार्य बिगाड़ लेंगे। पुराने मित्र से भेंट होगी। सुख, समृद्धि बढ़ेगी। उधार में दिया धन वापस मिल जायेगा। परिवार संग मन प्रसन्न रहेगा। दिनचर्या सुखद रहेगी। धार्मिक यात्रा के योग बनते हैं।

वृश्चिक

इस माह व्यावसायिक सफलता मिलेगी। उन्नति के अवसर मिलेंगे। शुभ समाचार व सबका सहयोग मिलेगा। सक्रियता से कई कार्य अपने बना लेंगे। मनचाही वस्तु मिलने की खुशी होगी किंतु उत्साह मे कमी व मित्र धोखा देंगे। उधार का पैसा वापस नहीं आएगा। शत्रु हानि पहुंचाएंगे। मनोरंजन घूमने-फिरने के योग बनेंगे। यात्रा से लाभ होगा। नौकरी या प्रिय वस्तु खो जाने से दुखी रहेंगे।

धनु

इस माह आपके लिये मिश्रित फलदायी रहेगा। भविष्य में लाभ मन प्रसन्न एवं उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। मित्रों व स्वजनों का सहयोग मिलेगा। साझेदारी से हानि होगी। स्थानांतरण का भय बना रहेगा। संतान के कार्य में सफलता मिलेगी। जीवन साथी की चिंता बनी रहेगी। सम्पत्ति खरीदने की सोचेंगे। कर्ज लेना पड़ेगा। किसी की गलत सलाह में कार्य बिगाड़ लेंगे। पुराने मित्रों से भेंट होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मनोरंजन के कार्यों से लाभ होगा। कुछ नया कार्य प्रारंभ करेंगे।

मकर

इस माह व्यापार में तेजी के अवसर बनेंगे। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। घर परिवार में सुख शांति एवं उत्सवों में भाग लेंगे। मनोविनोद में समय व्यतीत होगा। धार्मिक कार्य और तीर्थ यात्रा करेंगे। समय अनुकूल मेलजोल से नये अवसर प्राप्त होंगे। बच्चों और जीवन साथी के साथ समय बीतेगा। मित्रों का सहयोग व खर्च की अधिकता बनी रहेगी। भूमि भवन खरीदने की सोचेंगे। भागदौड़ एवं परेशानी भी बनी रहेगी। भाई को कष्ट होगा।

कुम्भ

इस माह आपके सभी कार्य पूरे होंगे। स्त्री वर्ग से लाभ होगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्य में गति व्यापार में वृद्धि रुका धन प्राप्त होगा। चुनाव में जीत के अवसर मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक कार्य में रुचि नये संबंध बनेंगे। किन्तु झूठे आरोप लगेंगे। खर्च अधिक होगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि परिवार के साथ समय व्यतीत करेंगे। यात्रा भविष्य के लिये लाभदायक होगी। उदर-विकार से शारीरिक कष्ट होगा। वाद-विवाद से दूर रहें। संतान की ओर से कष्ट होगा।

मीन

इस माह कार्य की अधिकता रहेगी थकावट जल्दबाजी से कार्य करने से हानि होगी। भाई परिवार का सहयोग, नई योजनाओं से लाभ। सुख-शांति बढ़ेगी। अपनो से भेंट होगी। झूठे आरोप से बचें। व्यापार सामान्य रहेगा। साझेदारी से लाभ नहीं होगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। घर में खुशी का माहौल रहेगा। सामाजिक उत्सवों में भाग लेंगे। जीवन साथी और संतान की चिंता बनी रहेगी। विशेष कार्य पूरे होंगे। धन लाभ एवं यात्रा सफल होगी।

श्री चैनसुख हेड़ा

ब्यावर. समाज सदस्य व मेटल व्यवसायी श्री चैनसुख हड़ा पूर्व अध्यक्ष श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर का 68 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। आप ब्यावर के ख्यात शल्य चिकित्सक डॉ. राजाराम हेड़ा के भाई थे। श्री हेड़ा पूर्व में भाजपा मंडल अध्यक्ष, नगर परिषद ब्यावर के मुख्य संचेतक एवं पार्षद, जनचेतना मंच के अध्यक्ष एवं बाल मंदिर स्कूल व कई सामाजिक, राजनीतिक व धार्मिक संस्थाओं में विभिन्न पदों पर रहकर अपनी सेवाएं प्रदान करते रहे। भारत विकास परिषद् एवं दृष्टि सेवा संस्थान के संयुक्त प्रयास से स्व. श्री हेड़ा की पत्नी श्रीमती शकुंतला हेड़ा एवं पुत्र आशीष व अजय हेड़ा की सहमति से नेत्रदान किए गए। श्री हेड़ा के देहावसान पर श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री किशोर केला

वाशिम। रक्तदान श्रेष्ठदान को सार्थकता प्रदान करने वाले व 94 बार रक्तदान करने वाले श्री किशोर केला का गत दिनों निधन हो गया। श्री केला का मरणोपरान्त नेत्रदान किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री आर.आर. पाटिल के वाशिम आगमन के दौरान तरुण क्रांति मंच ने किशोर केला के रक्तदान की जानकारी दी थी। उन्होंने श्री केला के उक्त कार्य से प्रभावित हो पाटिल ने उनका विशेष सत्कार किया था। माहेश्वरी समाज द्वारा आपको माहेश्वरी रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

डॉ. आरडी बिहाणी

इंदौर. डॉक्टरी को पेशा ना मानकर सेवा करने वाले इंदौर निवासी डॉ. आरडी बियाणी का गत दिनों देहावसान हो गया। साठ साल पहले डॉ. आरडी बियाणी ने अष्टांग आयुर्वेदिक महाविद्यालय से बीएएमएस की डिग्री हासिल की थी। छह दशक पहले श्री बियाणी ने मात्र दस पैसे लेकर लोगों का इलाज करना शुरू किया। समय बढ़ता गया, लेकिन बियाणी की फीस मात्र 20 रुपए तक बढ़ी। वे सैंपल की दवाइयां भी बांट दिया करते थे। कम दवा और मरीज को परिवार जैसा एहसास करना उनकी पहचान थी। डॉ. बियाणी परिचित डॉक्टरों को भी कहते थे कि मैं जिन मरीजों को आपके यहां भेजता हूं उनके इलाज के पैसे जितने कम कर दोगे उतना मुझ पर एहसान होगा। कहते थे कि चिकित्सा सेवा है ना कि व्यापार। डॉक्टर को उतनी ही फीस लेना चाहिए जितनी घर चलाने के लिए जरूरत हो। कई बार फोन पर ही लोगों को दवाई बता दिया करते थे। 82 साल के होने के बावजूद रोज घर से क्लिनिक पैदल जाते थे। जीते जी तो मानव सेवा की ही, अंत समय में नेत्रदान और त्वचा दान भी कर गए थे।

> "जिंदगी में हमेशा ऐसे लोगों को पसंद करो, जिनका दिल चेहरे से ज्यादा खूबसूरत हो।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल
सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है-
'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह
'जल देवता'.

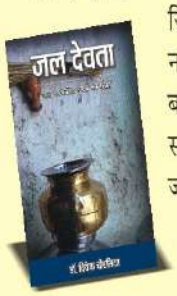

जिनमें आप पायेंगे
न सिर्फ भारतीय संस्कृति
बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने
स्वीकारी है
जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का
अन्त नहीं बल्कि उन्हें
साकार करने का स्वर्णिम समय है.
बस इसके लिए जरूरी है
खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ...
इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी
की पुस्तक
"खूबसूरती से जीएँ
55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

आपसे कहा जाता है -
- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है -
"**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका
उत्तर देगा कौन?
इसका उत्तर देगी गहन
अध्ययन से संजोई पुस्तक

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल

MVPM'S Baner Boys Hostel, Pune.

Who Can Apply ?

- 11th / 12th students preparing for IIT / Engg. / Medical entrance (Tie up with PACE Academy)
- Graduate / Post Graduate students
- Working Professionals (IT)
- Students preparing for competitive exams : CAT, etc.
- Professionals (i.e. CA, Architect, Lawyer) : Initial career years
- Temporary admission for 1 / 3 months duration
- Admissions for students coming for short term courses

S.No. 128/4, Ram Indu Park, Near Balewadi High Street, Baner, Pune - 411 045. Email : banerhostel@mvpm.org

Call : +91 98810 60565 Mr. Amol Karwa +91 98608 08888 Mr. Chandak K.C. +91 91582 11122

Head Office Address : Maheshwari Vidya Pracharak Mandal, 1099/A, Model Colony, Pune - 411016, **020-25651090 / 91**

Orient
press limited
An ISO 9001:2008 Company

BOOKS & STATIONARY

FLEXIBLE PACKAGING

PRINTED CARTONS

Office Address :
11th Floor, "G" Wing, 11th Floor, Lotas Corporate Park,Off: Western Express Highway,
Goregaon (East), Mumbai 400 063, Maharashtra, INDIA. Tel. No. (Board) : +91 (022) 42977310

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 APRIL 2019

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com